हिन्दी दैनिक

पटना (बिहार) तथा लुधियाना (पंजाब) से एक साथ प्रकाशित

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना,गुरूवार | 06 फरवरी 2025 | वर्ष : 03 | अंक :36 | पृष्ठ -12 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

मुख्यमंत्री माझी ने विकसित गांव, विकसित ओडिशा योजना शुरू की

एजेंसी

ओडिशा: ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने राज्य में ग्रामीण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए विकसित गांव, विकसित ओडिशा (बीजीबीओ) योजना की शुरूआत की।माझी ने बताया कि इस योजना के क्रियान्वयन से गांवों और कस्बों के बीच का अंतर समाप्त हो जाएगा तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को शहरी क्षेत्रों में उपलब्ध सभी सुविधाएं मिलेंगी। मुख्यमंत्री ने भुवनेश्वर से करीब 30 किलोमीटर दूर जनकिया गांव में इस योजना की शुरूआत की। उन्होंने कहा कि बीजीबीओ योजना के तहत राज्य भर के सभी 53,845 गांवों को विकसित किया जाएगा।माझी ने कहा, ह्यहम गांवों के विकास पर ध्यान दे रहे हैं क्योंकि राज्य की 81 प्रतिशत आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है।ओडिशा में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने बीजू जनता दल (बीजद) की पिछली सरकार द्वारा शुरू की गई ह्यअमा ओडिशा नवीन ओडिशा(एओएनओ) योजना के स्थान पर बीजीबीओ योजना की घोषणा की है।

एग्जिट पोल्स में BJP को स्पष्ट बहुमत का अनुमान, हैट्रिक से चूकी APP; जानिए कांग्रेस के 'हाथ' में कितनी सीटें!

दिल्ली चुनाव 2025 के लिए एग्जिट पोल्स के नतीजे सामने आ गए हैं, और इनमें भाजपा की जीत की संभावना जताई जा रही है। एग्जिट पोल्स के मुताबिक जानिए किसकी बनेगी दिल्ली में सरकार...

एजेंसी

नई दिल्ली: दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 के लिए एग्जिट पोल्स के नतीजे सामने आ गए हैं, और इनमें भाजपा की जीत की संभावना जताई जा रही है। एग्जिट पोल्स के मुताबिक, भारतीय जनता पार्टी (इखढ) को स्पष्ट बहुमत मिलने की उम्मीद है, जबकि आम आदमी पार्टी (अअढ) इस बार हैट्रिक लगाने में सफल नहीं हो पाई है। वहीं, कांग्रेस को भी इस बार कोई खास बढ़त मिलती नहीं दिख रही है। इस बार दिल्ली चुनाव को लेकर एग्जिट पोल के क्या अनुमान हैं? जानने के लिए हरिभूमि लाइव अपडेट के साथ जुड़े रहें।कुल सीटें: 70, बहुमत:36

चुनाव आयोग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 में शाम 5 बजे तक 57.70% मतदान दर्ज किया गया। यह आंकड़ा 2020 के विधानसभा चुनाव (62.59%) और 2024 लोकसभा चुनाव (56%) की तुलना में कम है।

दिल्ली चुनाव 2025: वोटिंग और परिणामों की तारीख

आज यानी 5 फरवरी को दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए वोटिंग शाम 6 बजे तक पूरी हो गई है। इसके बाद 8 फरवरी को चुनाव परिणामों का ऐलान किया जाएगा। हालांकि, एग्जिट पोल के परिणामों की घोषणा आज 6:30 बजे के बाद से शुरू की गई। इसी के साथ ही चुनाव आयोग के द्वारा जारी की गई अधिसूचना के अनुसार, सुबह 7:00 बजे से शाम 6:30 बजे तक किसी भी प्रकार के एग्जिट पोल या चुनाव से संबंधित किसी भी सर्वे का प्रसारण मना किया गया था। यह प्रतिबंध 'प्रतिनिधित्व अधिनियम' के तहत लागू किया गया था, और इसका उद्देश्य मतदान प्रक्रिया पर किसी भी प्रकार के प्रभाव को रोकना था।

मैट्रीज एग्जिट पोल: आप को झटका, भाजपा को बहुमत का अनुमान

दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 के लिए मतदान पूरा हो चुका है और एग्जिट पोल के अनुमान सामने आने लगे हैं। मैट्रीज एजेंसी के एग्जिट पोल में आम आदमी पार्टी (अअढ) को झटका लगता दिख रहा है, जबकि भारतीय जनता पार्टी (इखढ) को बहुमत मिलने का अनुमान जताया गया है।

तीनतरफा मुकाबले में अअढ और इखढ के बीच कड़ी टक्कर

दिल्ली विधानसभा की 70 सीटों के लिए मतदान हो रहा है और इस चुनाव में तीन प्रमुख दल- आम आदमी पार्टी (अअढ), भारतीय जनता पार्टी (इखढ) और कांग्रेस के बीच मुकाबला है। चुनावी लड़ाई में किसी भी पार्टी या गठबंधन को सरकार बनाने के लिए कम से कम 36 सीटें चाहिए। आम आदमी पार्टी पिछले दो चुनावों में जीत हासिल कर चुकी है, लेकिन इस बार बीजेपी भी सत्ता में वापसी की पूरी कोशिश कर रही है। कांग्रेस, जो दिल्ली में पिछले कुछ सालों से दबाव में रही है, भी अपनी स्थिति को सुधारने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा रही है।

एग्जिट पोल के नतीजे कितने सही कितने गलत?

साल 2024 में हुए हरियाणा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में एग्जिट पोल का रिजल्ट के उलट थी। आइए जानते हैं दिल्ली में पिछले चुनाव में एग्जिट पोल के लिए क्या अनुमान और रिजल्ट थे। इससे पहले एग्जिट पोल के नतीजे बताएंगे कि इस बार दिल्ली में किसकी सरकार बनेगी। लेकिन क्या एग्जिट पोल हमेशा सही साबित होते हैं?

2020 में एग्जिट पोल कितने सही साबित हुए?

महाकुंभ में पीएम मोदी: संगम में लगाई डुबकी, सूर्य को दिया अर्घ्य; मां गंगा को चढ़ाई साड़ी,

एजेंसी

प्रयागराज: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को प्रयागराज पहुंचे। यहां प्रधानमंत्री ने संगम में पवित्र डुबकी लगाई। पीएम मोदी भगवा वस्त्रों में नजर आए। प्रधानमंत्री के हाथ और गले में रुद्राक्ष की मालाएं थीं। देखें पीएम मोदी के महाकुंभ दौरे की 10 शानदार तस्वीरें।करीब पांच मिनट तक सूर्य पूजा की

मंत्रोच्चार के बीच पीएम मोदी ने संगम में स्नान किया। डुबकी लगाने के बाद पीएम मोदी ने सूर्य को अर्घ्य दिया। करीब पांच मिनट तक मंत्र जाप करते हुए सूर्य पूजा की। इसके बाद उन्होंने गंगा पूजन किया और मां गंगा को दूध, चुनरी और साड़ी अर्पित की।पीएम मोदी ने स्नान और गंगा पूजन के बाद संगम नोज से बोट के जरिए अरैल घाट का रुख किया। इस दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी उनके साथ मौजूद रहे। इसके बाद पीएम वीआईपी घाट पहुंचे। वीआईपी घाट के पास ही पीएम मोदी ने संगम में डुबकी लगाई। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने इस दौरे को बेहद सीमित रखा ताकि महाकुंभ में आए श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। वे प्रयागराज में केवल दो घंटे ही रुके। उन्होंने किसी भी अधिकारी या स्थानीय नेता से मुलाकात नहीं की। यहां तक कि डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक भी एयरपोर्ट पर ही रुके।प्रधानमंत्री के दौरे को देखते हुए प्रयागराज में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। संगम क्षेत्र में पैरा-मिलिट्री फोर्स की तैनाती की गई थी। इसके अलावा एनएसजी और एसपीजी कमांडो ने सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाली थी। स्नान घाट और गंगा पूजन स्थल को चारों ओर से सुरक्षा घेरे में रखा गया था।

अब घर बैठे होगा ग्रामीणों का काम, पंचायत सचिवों के लिए नीतीश सरकार ने बनाया ये प्लान

एजेंसी

राज्य की जिन पंचायतों में पंचायत सरकार भवन बन गए हैं, वहां पंचायत सचिवों को उसी में रहना होगा। आम लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ घर बैठे मिल सके, इसके लिए पंचायती राज विभाग ने जिलों को पत्र जारी कर आवश्यक निर्देश दिया है।विभाग की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि राज्य के सभी 8053 ग्राम पंचायतों में चरणबद्ध तरीके से पंचायत सरकार भवन का निर्माण कराया जा रहा है। पंचायत सरकार भवन में पंचायतस्तर के कर्मियों के लिए आवास का निर्माण भी कराया गया है। ऐसे में वैसी सभी ग्राम पंचायत जहां पंचायत सरकार भवन का निर्माण किया जा चुका है, वहां के पंचायत सचिवों को पंचायत सरकार भवन में ही रहना होगा।प्रखंड विकास पदाधिकारी-सह-कार्यपालक पदाधिकारी एवं प्रखण्ड पंचायत राज पदाधिकारी को यह दायित्व होगा कि पंचायत सरकार भवनों में पंचायत सचिव को रहने हेतु निदेशित करें। इसके साथ ही पंचायत सरकार भवनों में नहीं रहने वाले पंचायत सचिवों पर अनुशासनिक कार्रवाई करें। इसके साथ ही वैसी सभी ग्राम पंचायत जहां पंचायत सरकार भवन निर्मित नहीं है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का अपमान, मुश्किल में सोनिया गांधी, पीएम मोदी ने कांग्रेस को सुनाई खरी-खोटी

एजेंसी

नई दिल्ली: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को 'बेचारा' कहने पर सोनिया गांधी मुश्किल में फंस गई हैं। उनके इस विवादित बयान पर राजनीति हो रही है। बीजेपी लगातार सोनिया पर निशाना साध रही है। वहीं, राजनीतिक हलकों में सोनिया की इस टिप्पणी की तीखी आलोचना हो रही है, जिससे भारत के सर्वोच्च पद के प्रति कांग्रेस पार्टी के रवैये पर बहस तेज हो गई है। कई लोगों ने कांग्रेस नेता पर अभिजात्यवाद और अनादर का आरोप लगाया है।कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने शुक्रवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के संबोधन के बाद कहा कि वह अपने

संबोधन के अंत में थक गई थीं और मुश्किल से बोल पा रही थीं। उन्होंने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, 'अंत में, राष्ट्रपति बहुत थक गई थीं, वह मुश्किल से बोल पा रही थीं, बेचारी।'राष्ट्रपति भवन ने कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के संसद में संबोधन पर कांग्रेस नेताओं की टिप्पणियां अनुचित, दुर्भाग्यपूर्ण थीं और ऐसी टिप्पणियों से बचना चाहिए। राष्ट्रपति कार्यालय ने ऐसी टिप्पणियों को अस्वीकार्य बताया और कहा कि इससे पद की गरिमा को ठेस पहुंची है।राष्ट्रपति कार्यालय ने कहा कि यह संभव है कि ये नेता 'हिंदी जैसी भारतीय भाषाओं के मुहावरों और प्रवचन' से परिचित नहीं हैं, इसलिए उन्होंने ऐसी गलत धारणा बना ली। राष्ट्रपति कार्यालय ने एक बयान में कहा, 'किसी भी मामले में, ऐसी टिप्पणियां अनुचित, दुर्भाग्यपूर्ण और पूरी तरह से टालने योग्य हैं।'

मनीष सिसोदिया ने पैसे बांटने का लगाया आरोप, पुलिस ने किया खारिज, आप नेता के सामने लगे मोदी-मोदी के नारे

एजेंसी

नई दिल्ली: दिल्ली की 70 विधानसभा सीटों के लिए बुधवार को सुस्त मतदान के बीच, सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) और भाजपा के बीच तनाव बढ़ गया क्योंकि उन्होंने मतदान केंद्रों पर नकदी वितरण और मतदाता धोखाधड़ी के आरोप लगाए। दिल्ली में आम आदमी पार्टी लगातार तीसरी बार सत्ता में आने की कोशिश कर रही है। वहीं, मौजूदा सरकार को सत्ता से हटाने का लक्ष्य लेकर चल रही भाजपा और राष्ट्रीय राजधानी में राजनीतिक पुनरुत्थान की उम्मीद कर रही कांग्रेस के बीच तीन-तरफा कड़ा मुकाबला देखने

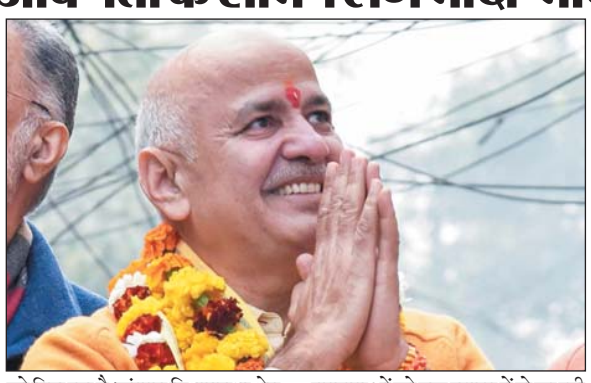

को मिल रहा है।जंगपुरा विधानसभा क्षेत्र से आप उम्मीदवार मनीष सिसोदिया के ट्वीट पर कहा कि भाजपा खुलेआम मतदाताओं को एक इमारत में ले जा रही थी और पैसे बांट रही थी। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने इसे खारिज कर दिया है। दिल्ली पुलिस ने कहा कि पैसे बांटने के आरोप प्रमाणित नहीं हो सके। स्थिति नियंत्रण में है और भ्रम दूर हो गया है। मनीष सिसोदिया की पुलिस के बहस भी हो गई। इस दौरान सिसोदिया के सामने ही मोदी-मोदा के नारे लगने लगे। हालांकि, पुलिस में माहौल को शांत कराने की कोशिश की।इस बीच, ग्रेटर कैलाश से आम आदमी पार्टी (आप) के उम्मीदवार सौरभ भारद्वाज ने दावा किया कि चिराग दिल्ली में लोगों को मतदान से रोका जा रहा है जबकि पार्टी के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया ने आरोप लगाया कि जंगपुरा में एक घर से पैसे बांटे जा रहे हैं।

डेढ़ घंटे के भाषण में प्रधानमंत्री जातीय गणना पर कुछ नहीं बोले; मोदी सरकार पर बरसे राहुल, संघ को भी घेरा

एजेंसी

नई दिल्ली: एक दिन के पटना दौरे पर पहुंचे लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने स्वतंत्रता सेनानी जगलाल चौधरी की जयंती समारोह में संबोधन के दौरान मोदी सरकार पर जमकर निशाना साधा। इस दौरान उन्होने आरएसएस पर भी हमला बोला। कांग्रेस सांसद ने कहा देश में जाति जनगणना को जानबूझकर टालने का काम भाजपा और आरएसएस कर रहा है। राहुल गांधी ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में अपने डेढ़ घंटे के भाषण में जाति जनगणना का कोई जिक्र नहीं

किया, क्योंकि वो दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों को उनकी वास्तविक स्थिति का पता नहीं चलने देना चाहते हैं।राहुल ने कहा मैं शासन में दलित, पिछड़ों और आदिवासियों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए जाति जनगणना की मांग कर रहा हूं, न कि सिर्फ प्रतिनिधित्व के लिए। बीजेपी-आरएसएस पर संविधान को ध्वस्त करने की साजिश का आरोप लगाते हुए कांग्रेस नेता ने कहा संविधान, जो देश के लिए बाबा साहेब और महात्मा गांधी का उपहार है। जिसमें हजारों सालों से पीड़ा झेल रहे वंचित समुदायों को शामिल किया गया। यह केवल संविधान ही है, जो शासन में उनकी भागीदारी सुनिश्चित कर सकता है। लेकिन भाजपा-आरएसएस इसे खत्म करना चाहती थी, क्योंकि वो उन्हें संविधान में उपलब्ध उनके अधिकार नहीं देना चाहते।

मोहन यादव ने 7 हजार से ज्यादा स्टूडेंट्स को दिया स्कूटी का तोहफा, बोले- खूब पढ़ें और विकसित मध्यप्रदेश गढ़ें

एजेंसी

मध्य प्रदेश: मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने फूलों की वर्षा की और मुफ्त ई-स्कूटी प्राप्त करने वाले मेधावी छात्रों से बातचीत की। सीएम ने शैक्षणिक सत्र 2023-24 में उच्च माध्यमिक विद्यालयों के स्कूल स्तर पर मेरिट सूची में शामिल सरकारी स्कूलों के 7,900 मेधावी विद्यार्थियों को मुफ्त ई-स्कूटी वितरित की। मोहन यादव ने कहा कि यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे छात्रों के साथ समय बिताने का मौका मिला। हमने मेधावी छात्रों को मुफ्त ई-स्कूटी देने का फैसला किया था। यह संदेश देता है कि सरकार हमेशा युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए काम करती है।वहीं, एक्स पर मोहन यादव ने लिखा कि सुनहरे भविष्य की राह सुगम हो, संसाधनों का अभाव बाधा न बने। उन्होंने कहा कि आज भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में राज्य स्तरीय कार्यक्रम अंतर्गत मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मण्डल के शैक्षणिक सत्र 2023-24 में कक्षा 12वीं के प्रत्येक संकाय से लगभग 7900 टॉपर स्टूडेंट्स को 'स्कूटी वितरण कार्यक्रम' का दीप-प्रज्ज्वलन कर शुभारंभ किया एवं 10 विद्यार्थियों को प्रतीकात्मक रूप से स्कूटी की चाबी देकर बधाई दी। यादव ने कहा कि हर बच्चा शिक्षित हो; शिक्षा में समय, दूरियां एवं आवागमन के साधन का अभाव बाधा न बने और स्वर्णिम भविष्य की राह सुगम हो; इस संकल्प पूर्ति के लिए हम निरंतर कार्यरत हैं। प्यारे विद्यार्थियों! आप खूब पढ़ें और विकसित मध्यप्रदेश गढ़ें;

सम्राट चौधरी का सवाल, राहुल गांधी बतायें कि कर्नाटक की जातीय जनगणना रिपोर्ट जारी क्यों नहीं हुई?

एजेंसी

पटना: उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार विधान मंडल में पारित सर्वसम्मत प्रस्ताव के अनुसार जो जातीय सर्वेक्षण हुआ, उस पर सवाल उठा कर राहुल गाँधी बिहार का अपमान कर रहे हैं। चौधरी ने कहा संविधान की फर्जी कॉपी लेकर घूमने से संविधान की रक्षा नहीं होती। वे बतायें कि कांग्रेस ने अपने 60 साल के राज में जातीय जनगणना क्यों नहीं करायी? उन्होंने कहा कि राहुल गाँधी को बिहार के जातीय सर्वेक्षण पर टिप्पणी करने से पहले बताना चाहिए कि कर्नाटक सरकार ने 2016 में 160 करोड़ रुपये खर्च कर जो जातीय जनगणना करायी, वह 8 साल बाद भी जारी क्यों नहीं हुई? कांग्रेस हिमाचल

प्रदेश में कब जातीय जनगणना करायेगी? तेलंगाना में जो जातीय सर्वेक्षण हुआ, उसे कांग्रेस लागू क्यों नहीं कर पायी? चौधरी ने कहा कि संविधान की दुहाई देने वाले राहुल गांधी खुद संविधान के लिए खतरा बन गए हैं। उन्हें बिहार की जातीय जनगणना ही नहीं, देश के चुनाव आयोग, ईवीएम, संसद और विधान सभाओं के फैसले तक फर्जी लगते हैं। उन्होंने कहा राहुल गांधी, सोनिया गांधी और उनकी पार्टी ने सत्ता में रहते हुए ही नहीं, विपक्ष में आने पर भी संवैधानिक संस्थाओं का अपमान जारी रखा। चौधरी ने कहा कि कर्नाटक की जातीय जनगणना यदि फर्जी नहीं है, तो राहुल गाँधी उसे जारी कराने का साहस क्यों नहीं दिखाते? इस साल 15 जनवरी की तारीख तय होने के बाद किसके दबाव में जनगणना की रिपोर्ट जारी नहीं की गई? चौधरी ने कहा कि संविधान की दुहाई देने वाले राहुल गांधी खुद संविधान के लिए खतरा बन गए हैं।

नप ताजपुर में शुरू हुआ हर घर दो डस्टबिन वितरण

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

प्रखंड संवाददाता,ताजपुर (रोजनामा इन्डो गल्फ संवाददाता) : - - स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत स्वभाव स्वच्छता संस्कार स्वच्छता के ध्येय लिए नगर परिषद ताजपुर में हर घर में दो डस्टबिन वितरण का कार्य वार्ड संख्या 1 से शुरू किया गया हैं ।

कार्यपालक पदाधिकारी श्री सचिन कुमार ने बताया कि सभी घरों में हरा डस्टबिन गीला कचरा तथा नीला डस्टबिन सूखा कचरा अलग अलग रखने के लिए दिया जा रहा हैं। चेयरमैन प्रतिनिधि श्री संतोष चौधरी ने बताया कि इस से कचरा का स्रोत पृथक्करण करने में मदद मिलेगी तथा साफ सफाई पूरे क्षेत्र में बेहतर ढंग से हो पाएगा । उप चेयरमैन प्रतिनिधि श्री अनिकेत अंशु ने कहा कि नगर परिषद ताजपुर में साफ सफाई पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है तथा विभाग के निदेर्शानुसार 10 स्वच्छता साथी को भी लगाया जाएगा ताकि लोगों को साफ सफाई के लिए

बेहतर ढंग से जागरूक किया जा सके । सभी वार्ड पार्षदों में इस कार्य से हर्ष व्याप्त हैं ।

बिहार की तरह नहीं, तेलंगाना की तरह जातिगत जनगणना पूरे देश में कराएंगे: राहुल गांधी

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- तेलंगाना की तरह जातिगत जनगणना पूरे देश में कराएंगे, बिहार की तरह नहीं : राहुल गांधी
- दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों की रक्षा करता है बाबा साहब का संविधान, बीजेपी आरएसएस इसे खत्म करने पर है तुली: राहुल गांधी

पटना. बुधवार, 05 फरवरी, 2025 नेता प्रतिपक्ष और पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी आजादी के परवाने कार्यक्रम के तहत श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में आयोजित स्वतंत्रता सेनानी जगलाल चौधरी के 130 वीं जयंती समारोह सह सम्मान समारोह में शामिल हुए विपक्ष के नेता और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अपने संबोधन में स्वतंत्रता सेनानी जगलाल चौधरी को नमन करते हुए उनके कृतित्व पर प्रकाश डाला और कहा कि दलित, कामगार, शोषित वंचित समाज के लिए लगातार संघर्ष कांग्रेस के कार्यकर्ता कर रहे हैं देश हम सबकी ओर विश्वास से देख रहा है। बाबा साहब के संविधान को नकारा जा रहा है जबकि आज उसी का देन है कि पासी समाज आज मुख्यधारा में जुड़ने का प्रयास कर रहा है। लड़ाई विचारधारा की है। एक तरफ आरएसएस बीजेपी और दूसरी तरफ अंबेडकर, महात्मा गांधी, जगलाल चौधरी जैसे लोग हैं। दलितों के साथ जो हजारों सालों से ज्यादती की जा रही थी वो बाबा साहब अंबेडकर और स्व. जगलाल चौधरी जैसे लोगों ने उनके हक की लड़ाई लड़ी। आजादी तो हमें मिली लेकिन मैं आम लोगों से पूछना चाहता हूं कि हिंदुस्तान का जो तंत्र है न्यायिक, शैक्षणिक, व्यापारिक उसमें इस समाज को कितना हक मिला। प्रधानमंत्री पर तंज करते हुए उन्होंने कहा कि वंचित लोगों को इस समाज से प्रतिनिधित्व दे तो दिया जाता है लेकिन फैसले नहीं लेने दिया जाता है और पीछे से प्रधानमंत्री कार्यालय से तीन अधिकारियों द्वारा उनके फैसले लिए जाते हैं। ऐसी प्रतिभागिता और प्रतिनिधित्व से इस समाज का भला नहीं होने वाला है। मीडिया मालिकों पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि मीडिया को विज्ञापन सरकार से मिलता है लेकिन मीडिया में कितने लोग हैं जो दलित हैं या शीर्ष पद पर हैं। उनका मालिकाना हक किसी दलित के पास है? समाज के दलित नायकों के बारे में कोई प्रेरक कहानियां इतिहास में शायद ही आपको पढ़ने को मिलती है और मिलती भी हैं तो शायद दो पंक्तियां। अपने संबोधन में उन्होंने अमेरिका के विश्वविद्यालयों में नामांकन के लिए आयोजित होने वाली सैट परीक्षा को उदाहरण के तौर पर बताते हुए कहा कि उस परीक्षा में गोरे लोग ही टॉपर होते थे और अफ्रीकन एशियन लोग उसमें फिसड्डी साबित होते थे। एक बार एक प्रोफेसर ने अफ्रीकन एशियन प्रोफेसर से सवाल बनवा दिया और सारे गोरे फेल हो गए।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए खिलाड़ियों का चयन 9 फरवरी को

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मैरवा। गया में 22 फरवरी 2025 से 23 फरवरी 2025 तक आयोजित जूनियर बालक राज्य स्तरीय हैंडबॉल चैंपियनशिप में भाग लेने वाली सिवान जिले के बालक टीम का चयन 9 फरवरी को रानी लक्ष्मीबाई स्पोर्ट्स अकादमी के खेल मैदान में किया जाएगा ।इसकी जानकारी देते हुए हैंडबॉल एसोसिएशन आफ सिवान की सचिव सलमा खातून ने बताया कि 9 फरवरी को सुबह 10:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक चयन शिविर का आयोजन किया गया है ।इस चयन शिविर में खिलाड़ी 2 पासपोर्ट साइज फोटो आधार कार्ड एवं जन्म प्रमाण पत्र के साथ उपस्थित होंगे ।चयनित खिलाड़ियों का प्रशिक्षण 12 दिनों तक राष्ट्रीय सीनियर हैंडबॉल खिलाड़ी एवं कोच विवेक कुमार सिंह द्वारा दिया जाएगा।

जन वितरणविक्रेता ने हड़ताल पर डटे रहने की घोषणा किया

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

,ताजपुर : - - स्थानीय डीएमएस पैलेस में जन वितरण विक्रेता संघ की बैठक विकास कुमार की अध्यक्षता में हुई ।बैठक में अपनी आठ सूत्री मांगों को लेकर पिछले 1 जनवरी से हड़ताल पर डटे रहने को घोषणा किया है ।जिसमे मुख्य रूप से मार्जिन मनी 300 देने,गुजरात सरकार के तर्ज पर 30 हजार रुपया मानदेय देने समेत अन्य मांगों को लेकर हड़ताल पर है ।मांगे पूरी होने तक आंदोलन चलाने का आह्वान किया ।मौके पर विकाश कुमार,उमेश कुमार,राहुल राय,चंदन केशरी,मंजीत सिंह,संजय कुमार आसिफ रजा आदि मौजूद थे।

राहुल गांधी ने कांग्रेस विधायक दल के नेता डॉ शकील अहमद खान से मिलकर उनके पुत्र के असामयिक निधन पर जताया शोक

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना. बुधवार, 05 फरवरी, 2025देश के विपक्ष के नेता और कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी पटना आगमन पर एयरपोर्ट से सीधे बिहार कांग्रेस के विधायक दल के नेता डॉ शकील अहमद खान के सरकारी आवास पर जाकर उनके इकलौते पुत्र आयान अहमद खान के असामयिक निधन पर अपनी गहरी संवेदनाएं जताई। राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी के साथ बिहार कांग्रेस के प्रभारी मोहन प्रकाश, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह, प्रभारी सचिव द्वय सुशील कुमार पासी और शाहनवाज आलम सहित वरिष्ठ नेता भी संवेदना जताने पहुंचे नेता विपक्ष राहुल गांधी ने डॉ शकील अहमद खान को हिम्मत और ढांढस बढ़ाया और कहा कि आपके साथ इस दुःख की घड़ी में पूरा कांग्रेस परिवार साथ है। ईश्वर पुण्यात्मा को शांति प्रदान करें।

बीडीसी के कार चालक का चालक बाइक दुर्घटना में घायल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
पंकज कुमार सिंह

मशरक के चांद कुदरिया पंचायत के बीडीसी किमी देवी के कार का चालक हमीदपुर में बाइक दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे इलाज के लिए सीएचसी मशरक में भर्ती कराया गया। घायल मशरक के लखनपुर गांव निवासी धर्मेंद्र राम हैं जो बीडीसी किमी देवी के कार का चालक हैं। घटना के बारे में बताया कि वह बाइक से राजा पट्टी कोठी बाजार पर जा रहा था कि बाइक दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गया।

अंचल कार्यालय में सीओ ने कर्मचारियों के कार्यो की समीक्षा

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
पंकज कुमार सिंह

मशरक अंचल कार्यालय के परिसर में सीओ सुमंत कुमार ने राजस्व कर्मचारियों, अंचल अमीनों के साथ बैठक आयोजित की गयी। बैठक में अंचल द्वारा चलाए जा रहे जमीन का दाखिल-खारिज, परिमार्जन, बासगीत पर्चा, जमीन का मापी कार्य समेत अंचल कार्यालय मशरक के द्वारा चलाए जा रहे सभी कार्यों की विन्दुवार समीक्षा की गयी।

सरकारी अस्पताल में डिलीवरी बाद प्रसूता के खाते में आ जाएगी योजना की राशि

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
पंकज कुमार सिंह

जननी सुरक्षा योजना के तहत प्रसव के बाद गर्भवती महिलाओं को मिलने वाली राशि के लिए अब लंबे समय तक इंतजार नहीं करना पड़ेगा। यह राशि अब गर्भवती महिलाओं के संस्थागत प्रसव के बाद उनके खाते में आ जाएगी। इसकी जानकारी मशरक सीएचसी प्रभारी डॉ संजय कुमार ने दी। इसके लिए एएनएम प्रसव से पहले ही गर्भवती महिलाओं का खाता नंबर और अन्य आवश्यक कागजात लेकर उसे आनलाइन कर देंगी। योजना के तहत संस्थागत प्रसव कराने वाली महिलाओं को 1400 रुपए बतौर प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है। खासकर ग्रामीण इलाकों के सीएचसी में होने वाले प्रसव के बाद मिलने वाली राशि के लिए उनको लंबे दिनों तक इंतजार करना पड़ता है। इस दिक्कत को खत्म करने के लिए भुगतान के तरीके में बदलाव किया जा रहा है। इससे प्रसूताओं को राहत मिलेगी। प्रभारी डॉ संजय कुमार ने बताया कि संस्थागत प्रसव का तात्पर्य चिकित्सा संस्थान में प्रशिक्षित और सक्षम स्वास्थ्य टीम के पर्यवेक्षण में एक बच्चे को जन्म देना है। जहां माता व शिशु के जीवन को बचाने के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध रहती हैं। सरकारी अस्पताल में कुशल चिकित्सकों व प्रशिक्षित स्टाफ की देखरेख में प्रसव होता है। किसी भी जटिल परिस्थिति से निपटने में आसानी रहती है ।स्वास्थ्य प्रबंधक अमित कुमार ने बताया कि सीएचसी मशरक में अब प्रसव के लिए आई गर्भवती महिलाओं को सरकार के तरफ से मिलने वाली प्रोत्साहन राशि के लिए प्रसव के दौरान ही ड्यूटी पर तैनात एएनएम के द्वारा बैंक पासबुक समेत अन्य कागजात ऑनलाइन कर देगी।

गाजे-बाजे के साथ सरस्वती प्रतिमा विसर्जन, पुलिस सतर्क

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
पंकज कुमार सिंह

मशरक नगर पंचायत और प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांवों में,शिक्षण संस्थानों,निजी विद्यालयों व अन्य जगहों पर स्थापित विद्या की देवी मां सरस्वती की मूर्ति का विसर्जन विधिः विधान से किया गया। जिसके लिए विर्सजन जुलूस निकाला गया। जिसमें बड़ी संख्या में युवक एवं छात्र शामिल हुए। पूरे ताम-झाम के साथ विर्सजन जूलूस निकाला गया। जूलूस मे युवकों ने विभिन्न फिल्मी गीतों पर जमकर थिरके तथा जमकर अबीर गुलाल उड़ायें। मूर्ति विसर्जन का सिलसिला दोपहर बाद जो शुरू हुआ सो देर शाम तक जारी रहा।इधर पुलिस प्रशासन विर्सजन जूलूस शांति पूर्वक सम्पन्न कराने को लेकर व्यापक तैयारी की गयी थी। डीएसपी अमरनाथ, इंस्पेक्टर अशोक कुमार सिंह,थानाध्यक्ष अजय कुमार के द्वारा जगह-जगह सशस्त्र पुलिस बल की तैनाती की गयी थी।

तनजेब कुर्ता कलेक्शन, समस्तीपुर ने मनाई अपनी भव्य पहली वर्षगांठ!

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

समस्तीपुर, 5 फरवरी 2025: शहर के प्रतिष्ठित एथनिक वियर शोरूम "तनजेब कुर्ता कलेक्शन" ने अपनी पहली वर्षगांठ धूमधाम से मनाई। इस अवसर पर आयोजित भव्य समारोह में समाज के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे, जिन्होंने इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर अपनी शुभकामनाएं दीं।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक श्री शाहीन जी, टछउ तरुण चौधरी जी, बीजेपी मंडल अध्यक्ष श्री संग्राम जी, जिला परिषद सदस्य सिकंदर अली जी, सांस्कृतिक पदाधिकारी जूही जी, प्रसिद्ध यूट्यूबर प्रतीक बिहारी सहित कई अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने तनजेब कुर्ता कलेक्शन की सफलता की सराहना की और इसे समस्तीपुर के लिए एक शानदार पहल बताया।तनजेब कुर्ता कलेक्शन के ऑनर हसन अब्बास ने कहा, "मुजफ्फरपुर में 15 वर्षों की सफलता के बाद, समस्तीपुर में भी हमें अपार स्नेह मिला है। हम ग्राहकों को बेहतरीन क्वालिटी के एथनिक और वेडिंग वियर जैसे कुर्ता-पायजामा, वेडिंग शेरवानी, बंदी और कोट-पैंट उपलब्ध कराने के लिए सदैव प्रतिबद्ध रहेंगे।कार्यक्रम के दौरान सभी अतिथियों को सम्मानित किया गया और ग्राहकों ने भी इस जश्न का आनंद उठाया। तनजेब कुर्ता कलेक्शन ने अपने ग्राहकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए आने वाले वर्षों में और बेहतर सेवा देने का संकल्प लिया।

??स्थानः तनजेब कुर्ता कलेक्शन, गोलारोड, समस्तीपुर

कोर्ट ने सुनाया तीन अभियुक्तों को पांच पांच वर्ष की सजा और एक एक लाख जुमार्ना

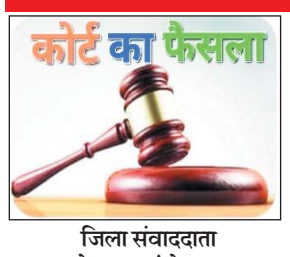

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। विशेष न्यायाधीश उत्पाद संजय कुमार '' ने बुधवार को सुनवाई करते हुए उत्पाद वाद संख्या 02 / 2021 के तीन अभियुक्तों में कुंदन गुप्ता उर्फ कुंदन साह पिता विनोद गुप्ता, दिनेश पासवान पिता राम ईश्वर पासवान दोनों साकीनान मोहम्मदपुर पासवान चौक, थाना मोहीउद्दीननगर जिला समस्तीपुर एवं श्रवण पासवान पिता गंगा पासवान, साकिन कचहरी गाछी थाना मोहिउद्दीननगर जिला समस्तीपुर निवासी को अंतर्गत धारा 30 (ए) बिहार मध निषेध एवं उत्पाद अधिनियम 2016 के तहत दोषी पाते हुए तीनों अभियुक्तों को पांच पांच साल की सश्रम कारावास एवं एक एक लाख रुपये का अर्थ दंड सुनाया गया। कोर्ट ने बताया की जुमार्ना की राशि अदा नहीं करने पर छः माह का अतिरिक्त सजा सभी को भुगतनी पड़ेगी। बताया जाता है कि दिनांक 09 अक्टूबर 2021 को पुलिस बल ग्राम मोहम्मदपुर पासवान चौक, थाना मोहीउद्दीननगर, जिला समस्तीपुर पहुंचे तो एक व्यक्ति पुलिस बल को देखकर भागने का प्रयास किया जिसे पुलिस बल के द्वारा पकड़ लिया गया। जिसने अपना नाम कुंदन गुप्ता बताया। जिसके घर के आगे बरामदा से 05 लीटर देशी शराब बरामद हुआ, उसी जगह पुलिस को देखकर अपना घर बंद कर रहे व्यक्ति दिनेश पासवान के सीढ़ी के नीचे से 50 लीटर देशी शराब बरामद हुआ। थाना वापस होने के क्रम में ग्राम कचहरी के रास्ता पर दोनों हाथ में लिए पांच पांच लीटर देशी शराब के साथ श्रवण पासवान को पकड़ा गया।

सीवान की मसहूर डा. मिताली अपने भाई की 13 वीं पुण्य तिथि पर सैकड़ों जरूरतमंदों के बीच की कंबल वितरण

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

हुसैनगंज में कंबल वितरण करते हुए डा मिताली व उपस्थित बीडीओ व थानाध्यक्ष

संवाददाता हुसैनगंज (सीवान) हुसैनगंज प्रखंड के स्थानीय गाँव फाजिलपुर गांव में बुधवार को सैकड़ों ग्रामीण जरूरतमंदों एवं असहायों के बीच कंबल वितरण आयोजित कर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए पुण्य तिथि मनाई गई।इस अवसर पर सीवान जिले की मसहूर महिला डॉ मिताली कुमारी ने अपने दिवंगत भाई रोहित कुमार की 13 वीं पुण्य तिथि के अवसर पर कंबल वितरण कर ठंड में सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सैकड़ों जरूरतमंदों के बीच अपने हाथों की। विदित है कि डा. मिताली प्रत्येक वर्ष विभिन्न अवसरों पर जरूरतमंद, गरीब व असहाय लोगों के बीच सेवा करती रहती हैं। डा. मिताली ने बताया कि जरुरतमंदों के बीच कंबल वितरण, वस्त्र वितरण करने से मुझे बहुत सकुन मिलता है वहीं गरीब, असहाय और जरुरत मंदों की आशीर्वाद भी प्राप्त होता है। डा. मिताली ने बताया कि मेरे हॉस्पिटल सीवान में भी इलाज के दौरान गरीबों को भारी छूट दी जाती है। इस अवसर पर उपस्थित मुख्य अतिथि बीडीओ राहुल कुमार व थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर विजय कुमार यादव सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों को भी डा मिताली द्वारा अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया।वहीं इस कंबल वितरण को देखकर उनके कार्यों की सराहना की मुख्य अतिथियों द्वारा की गई। इस अवसर पर समाजसेवी आसमा खातून, समाजसेवी ज्योति कुमारी, शिक्षक मौलाना शमीम तोराबी, जाफर इमाम, जाफरी हैदरी, मोहम्मद हारून, मोहम्मद चांद, गुड्डू अली, शेरा अली, वसी जाफर, शाहिद अली, साजिद हुसैन, मकसूद आलम, खुर्शीद आलम, अर्जुन कुमार, फहीम अहमद, कुन्दन यादव सहित दर्जनों लोगों कु भूमिका सराहनीय रहा।

राहुल गांधी कब्र खोद रहे है, देश के दलित-पिछड़े मोदी सरकार से जुड़ कर विकास कर रहें है - मनोज शर्मा

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना, 5 फरवरी 2025। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता और पूर्व विधायक श्री मनोज शर्मा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के आरोपों पर क्रमवार तरीके से जवाब दिया है। श्री शर्मा ने अपने बयान में कहा कि कांग्रेस और कांग्रेस के नेता राहुल गांधी पुराने गड़े मुर्दे उखाड़ रहे हैं। दरअसल, स्व जगलाल चौधरी जी की मृत्यु 1975 में हुई थी, पिछले 50 साल से ना तो राहुल गांधी को जगलाल चौधरी की याद आई और ना ही बिहार कांग्रेस को उनकी याद रही। इस दरमियान सबसे लंबे समय तक सत्ता में कांग्रेस की सरकार रही ना तो उनके पुण्यतिथि मनाया गया और ना ही जयंती मनाई गई। अब जब बिहार में चुनावी साल है तो इन लोगों ने अपने पुराने दलित नेताओं की कब्र खोदनी शुरू कर दी है। राहुल राहुल गांधी को अपना ज्ञान तो है नहीं, जो दूसरे पढाते हैं वह पढ़ लेते हैं। इनको शायद पता नहीं है माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने दलितों के पैर धोकर उनके चंद्रामृत को पिया है। आदिवासी दलित के ऐसे प्रिय नेता श्री मोदी जी पर जब राहुल गांधी आरोप लगा रहे हैं तो उन्हें मोदी सरकार की उन योजनाओं को एक बार सरसरी निगाह से पढ़ लेनी चाहिए, उन्हें पता चल जाएगा कि केंद्र सरकार कितनी योजनाएं दलित, महा दलित, पिछड़े, आदिवासी के लिए चला रही है।

राहुल गांधी सत्ता के अभाव में कब्र खोद रहे है और देश दलित पिछड़े मोदी सरकार से जुड़ कर विकास कर रहे है। राहुल गांधी के ज्ञान वर्धन के लिए कुछ योजनाओं का जिक्र कर रहा हूं, जिससे दलित औरपिछडे समाज के लोगों ने भरपुर लाभ उठाया है।- आयुष्मान भारत योजना- इस योजना का मकसद है बीपीएल कार्डधारक गरीबों को मुफ्त इलाज मिल सके। विभिन्न आंकड़े कहते हैं कि देश में गरीबों में बहुतायत दलित-पिछड़े-आदिवासी शामिल हैं, इसलिए इस योजना का लाभ भी इन्हीं लोगों को सबसे ज्यादा मिल रहा है। स्वच्छ भारत मिशन- मोदी सरकार की एक बहुत ही महत्वपूर्ण योजना में शामिल है स्वच्छ भारत मिशन, जिसके माध्यम से सरकार द्वारा हर द्वार पर शौचालय बनाने के लिए आर्थिक सहायता दी जाती है और इसका भी सबसे बड़ा लाभार्थी दलित-पिछड़ा और आदिवासी वर्ग है। प्रधानमंत्री आवास योजना- प्रधानमंत्री आवास योजना भी पीएम मोदी के कार्यकाल की एक महत्वपूर्ण योजना है, जिसके माध्यम से वंचित वर्ग जिसमें दलित-आदिवासी-पिछड़े बहुतायत में शामिल हैं, लाभान्वित हुए हैं।उज्ज्वला योजना- दलितों-आदिवासियों-पिछड़ों को सबसे ज्यादा इस योजना का लाभ मिला है, क्योंकि आमतौर पर आर्थिक रूप से पिछड़े यही वर्ग हैं तो जाहिर तौर पर इस वर्ग की महिलाओं को इस योजना ने धुएं से मुक्ति दिलाने का काम किया है जिससे वह कई रोगों से बचेंगी।पीएम किसान सम्मान निधि- यह योजना छोटे और सीमांत किसान परिवारों यानी जिनके पास दो हेक्टेयर तक जमीन है, को ध्यान में रखकर मोदी सरकार द्वारा लॉन्च की गयी थी। जाहिर तौर पर इसके भी सबसे बड़े लाभार्थी दलित-पिछड़े-आदिवासी हैं, क्योंकि वही सबसे कम जोतों के मालिक हैं। इस योजना के तहत सरकार किसान परिवारों को सालाना 6 हजार रुपये की आर्थिक मदद तीन किश्तों में देती है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना- प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना यानी फ्री राशन योजना के सबसे बड़े लाभार्थी दलित-पिछड़े-आदिवासी हैं। केंद्र की मोदी सरकार ने ह्यप्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजनाह्न यानी पीएमजीकेएवाई को 5 साल के लिए आगे बढ़ाने का फैसला किया था। 1 जनवरी 2024 से 5 साल तक 81.35 करोड़ लोगों को फ्री राशन मिलता रहेगा। पीएम विश्वकर्मा योजना- लोहार, सुनार, कुम्हार, बढ़ई, चर्मकार, दर्जी समेत 18 पारंपरिक कार्यों से जुड़े कारीगरों को केंद्र सरकार की पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत ट्रेनिंग दी जाती है ।

कमर अख्तर जन सुराज विचार मंच के जिला प्रमुख नियुक्त

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सीतामढ़ी । जन सुराज विचार मंच का जिला प्रमुख महुलिया निवासी मो कमर अख्तर को नियुक्त किया गया है। जन सुराज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मनोज कुमार भारती ने उन्हें नियुक्त करते हुए कहा कि अत्यंत खुशी हो रही है कि आपको जन सुराज विचार मंच के सीतामढ़ी जिले का जिला प्रमुख नियुक्त किया जा रहा है। जन सुराज के प्रति आपके समर्पण और योगदान को देखते हुए संगठन की तरफ से आपको यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी जा रही है। पूरे जन सुराज परिवार की ओर से आपको इसकी हार्दिक बधाई।

विचार मंच के माध्यम से जन सुराज हमारी विचारधारा और बिहार के विकास के लिए हमारे विजन को समाज के प्रबुद्ध वर्ग के लोगों तक पहुंचाने का प्रयास करेगा। बिहार की उन्नति और प्रगति के लिए समाज के बुद्धिजीवी वर्ग को उनकी भागीदारी के लिए जागरुक बनाएगा।इस अभियान को सफल बनाने में आपकी भूमिका महत्वपूर्ण रहेगी और हमारा विश्वास है कि आप जन सुराज की विभिन्न इकाइयों के साथ समन्वय स्थापित करके इस अभियान को समाज के प्रबुद्ध वर्ग तक पहुंचाने में अपना पूर्ण योगदान देंगे।

दो दिवसीय जिला स्तरीय किसान मेला सह कृषि उत्पाद प्रदर्शनी का डीएम ने किया उद्घाटन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सीतामढ़ी । डुमरा के मुरादपुर स्थित कृषि विभाग के परिसर में आत्मा के तत्वाधान में आयोजित दो दिवसीय जिला स्तरीय किसान मेला सह कृषि उत्पाद प्रदर्शनी का उद्घाटन जिलाधिकारी रिची पांडेय के द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जिलाधिकारी ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि कृषि देश की रीढ़ है और इसे आधुनिक तकनीक के साथ जोड़ने की आवश्यकता है। इस मेले से किसानों को नई जानकारी और संसाधन प्राप्त होगा, जो उनकी आय बढ़ाने में मददगार होंगे।

डीएम ने जिलास्तरीय किसान मेला सह प्रदर्शनी में विभिन्न क्षेत्रों से आए किसानों से आह्वान किया कि इसकी जानकारी अपने आसपास के किसानों को भी दें एवं दिखाएं। कृषि कर्मियों से आह्वान किया गया कि टीम भावना से कार्य करें। किसानों के साथ हमेशा खड़ा रहें। उनकी समस्याओं का समाधान करें। छोटे किसानों के घर जाकर उनकी समस्याओं का निदान करें। जलवायु अनुकूल कृषि तकनीक को अपनाने के लिए किसानों को प्रेरित करें। फसल विविधीकरण को बढ़ावा दें। जिला में अधिकांश लघु एवं सीमान्त कृषक है। यह क्षेत्र बाढ़ प्रभावित भी है। ऐसी स्थिति में किसानों के उत्थान के लिए तथा फसलों के उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाने के लिए राज्य सरकार द्वारा कई लाभकारी योजनाएं चलाई जा रही है, जिसका अधिकाधिक किसानों को सूचना देकर लाभ पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के वृक्षावरण में वृद्धि, मृदा संरक्षण, फसलों की खेती से वंचित भूमि पर फलदार वृक्ष एवं हरी सब्जी लगाकर कृषकों की आय में वृद्धि तथा अधिक रोजगार का सृजन कराएं। जिला स्तर से किसानों को उपलब्ध कराए जाने वाले उर्वरक एवं बीज का सतत अनुश्रवण किया जाए। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा

कि किसान अपने खेतों की मिट्टी की जांच अवश्य करावे ताकि खेतों की उर्वरता में वृद्धि हो सके। उन्होंने कहा कि रासायनिक खाद से मुक्ति के लिए कृषि कार्य के साथ पशुपालन को बढ़ावा देने की दिशा में प्रभावी कार्य किया जाए।

मेले में खेती के साथ-साथ पशुपालन को भी बढ़ावा देने के बारे में विस्तृत रूप जानकारी दी गई ।बताया गया कि मखाना खेती के इच्छुक किसान को भी जिले में बढ़ावा दिया जा रहा है। जिले के चोरौत एवं पुपरी प्रखंड में इसका प्रशिक्षण दिया जा रहा है ।खस की खेती को बढ़ावा देने के लिए रूनी सैदपुर एवं सुप्पी के किसानों के द्वारा लगभग डेढ़ एकड़ में इसकी खेती की जा रही है। लीची ,केला ,आम ताइवान एवं अन्य फल सब्जियां के साथ जिले में लगभग 25000 स्ट्रॉबेरी का पौधा किसानों को निःशुल्क उपलब्ध कराया गया है। जिले में आत्मा द्वारा फल– फूल एवं सब्जियों का निशुल्क पौधा का वितरण किया जा रहा है एवं नवाचार गतिविधियों का निरंतर प्रयोग किया जा रहा है किया जा रहा है। किसानों द्वारा लगाए जा रहे फल –फूल एवं सब्जी तथा स्ट्रॉबेरी का होलसेल बाजार में बिक्री भी कराया जा रहा है ताकि किसान आर्थिक रूप से मजबूत हो सके।

वही प्रदर्शनी मेला में जिले से आए हुए किसानों को रासायनिक खाद से मुक्ति के लिए पशुपालन एवं खेती की आवश्यकता के बारे में बताया गया ।पशुपालन कार्य कर रासायनिक खाद से मुक्ति के लिए उसके जैविक अपशिष्ट से गुणवत्तापूर्ण जैविक खाद्य का उपयोग अपने खेत में किया जा सकता है ।पशुओं के टीकाकरण से पशुओं के बचाव के साथ-साथ उसके उत्पादकता को भी बढ़ाया जा रहा है और गुणवत्तापूर्ण दूध उत्पादन किया जा रहा है ।साथ ही पशु बांझपन को दूर किया जा रहा है। वर्ष 2014 से क्रियान्वित राष्ट्रीय गोकुल मिशन योजना के तहत जिसका मुख्य उद्देश्य पशुओं का संवर्धन एवं विकास है इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम को पूरे देश के साथ बिहार राज्य में भी लागू किया गया है। इसके तहत गुणवत्तापूर्ण पशु वीर्य का उत्पादन /संरक्षण कर सेक्स सॉर्टेड सीमेन का उत्पादन किया जा रहा है ।इसके तहत कृत्रिम गभार्धान कार्य करने से शत प्रतिशत बाछी का जन्म होता है। जो आज के समय में पशुपालकों के हित में मिल का पत्थर साबित हो रहा है । इसकी जानकारी जिला पशुपालन पदाधिकारी द्वारा दी गई।

वहीं डीडीएम नाबार्ड द्वारा बताया गया कि खेती में किए गए नवाचार को एक मंच प्रदान करना है ताकि मेले में आए किसान उन नवाचार को देखें और वैसी ही खेती को वे अपनाएं ।कहा कि हम सभी का उद्देश्य है कि किसानों के आय में वृद्धि हो ।उन्होंने बताया कि कृषि लागत कम करने एवं उचित मूल्य पर कृषि उपज को बेचने के लिए कृषि उत्पादक संघ बनाया जा रहा है।

सभी राशनकार्ड धारी 31 मार्च तक ईकेवाईसी करा सकते हैं

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के तहत उपभोक्ता मामले प्रधान सचिव खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, बिहार पटना के पत्रांक प्रङ्ग6 विविध (ई०के०वाई०सी०) 02/2025, दिनांक 03.01.2025 के द्वारा सभी संबंधित को 31 मार्च 2025 तक आधार सीडिंग का निदेश प्राप्त हुआ है। प्राप्त निर्देश के आलोक में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के तहत आच्छादित सदस्य किसी भी लक्ष्यित जन वितरण प्रणाली विक्रेता की दुकान पर संधारित ई पॉश यंत्र के माध्यम से निःशुल्क आधार सीडिंग (ािङ उ) करा सकते हैं। साथ ही विशेष कार्य पदाधिकारी खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, बिहार पटना के पत्रांक 3026/ खाद्य, दिनांक 21 जून 2024 के द्वारा निर्देश प्राप्त है कि राज्य के वैसे राशन कार्डधारी जो अपनी आजीविका / अन्य कारणों से राज्य से बाहर (इन बारह राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों यथा गुजरात, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, कर्नाटक, उड़ीसा, पुडुचेरी, राजस्थान, तामिलनाडु, तेलंगाना, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश एवं पश्चिम बंगाल को छोड़कर) कार्य/ निवास कर रहे हैं, वे भी उक्त राज्य में ही अपने नजदीकी जन वितरण प्रणाली विक्रेता के पास जाकर अपनाी-ङ उ/ आधार सीडिंग करा सकते हैं। यदि किसी उचित मूल्य विक्रेता द्वारा उक्त निर्णय के अनुसार मुफ्त ाीङ उ नहीं किया जाता है तो निकटवर्ती अनुमंडल पदाधिकारी से या विभागीय टॉल फ्री संख्या 1800-3456-194 एवं 1967 पर शिकायत कर सकते हैं।

सहाबे केराम की गुस्ताखी ना करें - मुफ़्ती शमशाद मिस्बाही

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सीतामढ़ी ।सहाबे केराम की गुस्ताखी ना करें, जो लोग सहाबे केराम को मानते है और अहले बैत को नहीं मानते वह गलत है, और वह लोग जो अहले बैत को मानते है और सहाबे केराम के विपरित बोलते है वे भी हक पर नहीं है। उक्त बातें मदरसा अमजदीया घोषी के शैखूल हदीस मुफ्ती शमशाद मिस्बाही ने जिले के परिहार प्रखंड मच्छपकौनी स्थित मदरसा रजा ए मुस्तफा मच्छपकौनी में उर्से हुजूर शईद ए मिल्लत व दस्तारे हिफ्जो केरात के मौके पर कहीं ।मदरसा के सचिव मौलाना अब्दुल कादिर मिस्बाही की अध्यक्षता, मौलाना मुफ्ती जाहिद हुसैन अमजदी की कयादत व मौलाना ओबेदुल्ला कादरी के संचालन में आयोजित जलसे में मदरसा से उच्च शिक्षा प्राप्त 10 बच्चों

के सर पर दस्तारे हिफ़्ज व केरत का ताज रखा गया।

जलसे को संबोधित करते हुए मौलाना ईसा मिस्बाही ने कहा कि पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा पढ़ी जाने वाली किताब कुरान ए मजीद है। मौके पर उपस्थित मुफ्ती आसिफ रजा अलीमी, मौलाना मिकाइल रिजवी, मौलाना अली इमाम, हाफिज अकबर अली, कारी नजमुल होदा, कारी गुलाम गौश, मौलाना हेदायत अली, मास्टर अयूब, मास्टर गुफरान, हाफिज सहीद रजा एवं शोषित इंकलाब पार्टी के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो० गौहर सिद्दीकी के अलावा हजारों लोग उपस्थित थे।

जलसे का आगाज हाफिज कारी अफरोज की तिलावते कुरान से हुई। विशेष शायर अमीर हमजा खलीलाबादी, रौनक नेपाली, बिस्मिल नेपाली, रेजाउल्लाह फैजी इत्यादि शायरों ने नाते पाक पढ़ी।

नीतीश कुमार के शासन में सर्वे के नाम पर गरीबों से जमीन छीनकर भूफाफियों को दिया जा रहा है : जौहर आजाद

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। शहर के सर्किट हाउस में मंगलवार को आजाद समाज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष जौहर आजाद ने प्रेस वार्ता कर मीडिया कर्मियों को बताया कि इन दिनों बिहार सरकार के मुखिया नीतीश कुमार ने जो भूमि सर्वे करा रहे हैं। नीतीश कुमार के द्वारा गरीबों से जमीन छीनकर भूमाफियाओं को दिया जा रहा है। जिससे मुस्लिम, अनुसूचित जाति जन जाति समुदाय के लोग अपने जमीन से वंचित हो रहे हैं वहीं दूसरी ओर भूमाफिया मालामाल किया जा रहा है। श्री आजाद ने कहा कि गरीबों के जमीन पर बने मकानों को बुलडोजर से तोड़कर भूमाफिया के हवाले किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि नीतीश कुमार ने बिहार में शराब बंदी कराकर गरीबों के हक के लिए कुछ भी नहीं किया बल्कि थानेदारों को करोड़पति बनाने का काम किया है। पुलिस अपराधी को पकड़ने में असफल हैं वहीं दूसरी ओर शराब पीने वाले के पीछे पड़ी रहती है। जौहर आजाद ने कहा कि बिहार में जमीन का रशीद काटने के नाम पर लाखों रुपये का हेराफेरी किया जा रहा है। इस मामले को लेकर बिहार वासियों में नीतीश कुमार के प्रति नाराजगी देखी जा रही है, जनता आने वाले विधानसभा चुनाव में बदला जरूर लेगी। इधर पूछे जाने पर प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि हमारी पार्टी समस्तीपुर से सभी सीटी पर अपना उम्मीदवार खड़ा करेगी और विजयी हासिल करेगी। मौके पर प्रदेश महासचिव डीएस रवि दास, आजाद समाज पार्टी के जिला कार्यकारी अध्यक्ष इंद्र प्रसाद, भीम आर्मी के जिला अध्यक्ष डॉक्टर निलेश कुमार, युवा आजाद समाज पार्टी के जिला अध्यक्ष मो अनामुल हुसैन आदि मौजूद थे।

इंटरमीडिएट की परीक्षा तीसरे दिन शांतिपूर्ण संपन्न

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

बखरी के चारों परीक्षा केंद्रों पर चल रहे इंटरमीडिएट की परीक्षा तीसरे दिन बुधवार को शांतिपूर्ण संपन्न हुई ।जानकारी देते हुए एसडीएम सन्नी कुमार सौरव ने बताया कि किसी भी परीक्षा केंद्र से किसी प्रकार की कोई शिकायत प्राप्त नही हुई है ।परीक्षा के सफल संचालन को लेकर उनके द्वारा एवं अन्य सभी पदाधिकारियों के द्वारा भी अनुमंडल अंतर्गत बनाए गए सभी परीक्षा केंद्रों का सतत निरीक्षण किया जा रहा है ।साथ ही केंद्राधीक्षकों को भी आवश्यक निर्देश दिए जा रहे हैं ।छात्राओं ने प्रथम पाली में भौतिकी और द्वितीय पाली में भूगोल और बिजनेस स्टडी की परीक्षा शांतिपूर्ण ढ़ंग से दी है ।परीक्षा को लेकर प्रशासनिक व्यवस्था चाक चौबंद देखी गई ।एसडीएम सन्नी कुमार सौरव और एसडीपीओ कुंदन कुमार के नेतृत्व में सुपर जोनल दंडाधिकारी अनुमंडल लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी दीपक कुमार के साथ सुपर जोनल पुलिस पदाधिकारी साइबर थाना के पुलिस निरीक्षक दुर्गेश कुमार, जोनल पदाधिकारी बीडीओ महेशचंद्र के साथ पुलिस निरीक्षक अजय कुमार राय, स्टैटिक मजिस्ट्रेट नगर कार्यपालक अधिकारी प्रफुल्ल चंद्र के साथ पुअनि विक्रम चौधरी, बीपीआरओ कुमार शानू के साथ पुअनि कुंदन कुमार के अलावे नवनियुक्त केंद्राधीक्षक अमरजीत कुमार, विकास चंद्र भारती, कल्पना कुमारी और नीरज कुमार परीक्षा संचालन में मुस्तैदी से जुटे हुए हैं।

नीलाम पत्र वाद में बकायेदारों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के दलसिंहसराय अनुमंडल पदाधिकारी सह नीलाम पत्र पदाधिकारी प्रियंका कुमारी के द्वारा विभिन्न बैंक से ऋण प्राप्त कर बकाया राशि जमा नही किए जाने के कारण दलसिंहसराय / रोसड़ा अनुमंडल अंतर्गत कुल 45 बकाएदारों के विरुद्ध गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है। निर्गत गिरफ्तारी वारंट सम्बंधित को अनुपालन हेतु भेजा गया है। इनमें दलसिंहसराय थाना के 28, उजियारपुर थाना के 9, विद्यापतिनगर थाना के 3, अंगारघाट थाना के 2 एवं रोसड़ा अनुमंडल के विभूतिपुर थाना के 3 बकायेदार ऋणी शामिल है।

समाजसेवी राजू सहनी के टीम द्वारा अग्नि पीड़ितों के बीच नगद समेत जरूरत की सामान मुहैया कराया गया

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के उजियारपुर प्रखंड क्षेत्र के अंगारघाट थाना के चैता गांव में अगलगी की घटना के शिकार हुए परिवारों के बीच जिले के चर्चित समाजसेवी उजियारपुर प्रखंड के भगवानपुर कमला गांव निवासी समाजसेवी राजू सहनी के प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने जाकर बुधवार को मुलाकात किया तथा उनका हालचाल जाना। इस दौरान समाजसेवी राजू सहनी के प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने अग्नि पीड़ित सभी चार परिवारों के बीच, प्रति परिवार 02 बैग चावल, 10 किलो मसुर दाल, 05 किलो नमक, 05 लीटर सरसों तेल, 02 किलो मसाला, सत्तू, चुड़ा, गुड़, कंबल, साड़ी, धोती, 10 पीस का खाना बनाने वाला बर्तन सेट, जिसमें बड़ा व छोटा टोकना, 02 थाली, 02 ग्लास, करछुल, रोटी बनाने वाला तावा, कड़ाही समेत अन्य सामान भी शामिल था आदि का वितरण किया। इस दौरान जब समाजसेवी राजू सहनी से उनके मोबाइल नंबर पर संपर्क की गयी तो उन्होंने बताया कि उन्हें न्यूज के माध्यम से जानकारी मिली कि

उजियारपुर प्रखंड के चैता उत्तरी गांव के वार्ड 04 में 30 जनवरी की देर रात को चार भाईयों के परिवार के घरों में आग लग गयी है जिसमें घर का सारा सामान जलकर राख हो गया है। जिसके बाद उन्होंने अपने साथियों को खाने पीने का सामान, बर्तन, कपड़ा, कंबल आदि के साथ पीड़ित परिवार से मिलने के लिए भेजा था। जहां सारा सामान अग्नि पीड़ित परिवारों में शामिल, अर्जून दास, अरूण दास, धर्मेंद्र दास व राजकुमार दास व उनके परिजनों सहित सैकड़ों ग्रामीणों के बीच में वितरण कर दिया गया है। इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि वह हमेशा से मानव सेवा के लिए सदैव तत्पर रहे हैं और आगे भी वह मानव सेवा करते ही रहेंगे। अभी तत्काल जो उनसे संभव हो पाया है पीड़ित परिवार को उपलब्ध करा दिया गया है। आने वाले दिनों में भी वह पीड़ित परिवार के साथ खड़ा रहेंगे। इधर समाजसेवी राजू सहनी के द्वारा उपलब्ध कराए गये खाने पीने का सामान, कपड़ा व बर्तन आपको पाकर अग्नि पीड़ितों के चेहरे खिल उठे। इस दौरान सभी अग्नि पीड़ित महिलाएं व स्थानीय ग्रामीण समाजसेवी राजू सहनी को आशीर्वाद दे रहे थे। बताया जाता है कि समाजसेवी राजू सहनी के द्वारा मानवहित के लिए किया गया यह कोई पहला काम नही है। इससे पहले भी वह करीब 10 वर्षों से निर्धन, असहाय, गरीब व विधवा विकलांग लोगों के लिए काम करते रहे हैं। इनके द्वारा प्रत्येक वर्ष 50 हजार से भी अधिक निर्धन व असहाय लोगों के बीच कंबल का वितरण किया जाता रहा है। यही नही विगत दिनों कल्याणपुर थाना क्षेत्र के मुक्तापुर में बदमाशों के द्वारा ई रिक्शा चालक गणेश सहनी की हुई हत्या के बाद उनके दिव्यांग पत्नी व मां से मुलाकात कर उन्हें करीब 30 हजार रुपए का राशन व नकद राशि भी उपलब्ध कराया था, साथ ही समस्तीपुर विधानसभा क्षेत्र के लगुनियां रघुकंठ गांव निवासी स्व ज्ञानरंजन कुमार कुशवाहा के परिजनों से भी मुलाकात कर करीब 30 हजार का राशन किरासन व कपड़े उपलब्ध कराया था। मौके पर भगवानपुर कमला पंचायत के सरपंच पति जयराम सहनी, श्रीराम सहनी, रामश्रेष्ठ सहनी, सुजित कुमार, चन्दन सहनी, चंद्रकांत सिंह, राजेश कुमार सिंह, ललित कुमार सिंह, वरुण कुमार राय, सियाराम राय, रंजीत प्रसाद, सुखलाल सहनी, नकुल सहनी, मदन सहनी, बटोरन सहनी सहित दर्जनों की संख्या समाजसेवी राजू सहनी के प्रतिनिधिमंडल के सदस्य मौजूद थे।

परीक्षार्थी ने बताया कि प्रश्नपत्र हार्ड था

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के वारिसनगर ब्लॉक के सारी स्थित आदर्श मध्य विद्यालय परीक्षा केंद्र पर बुधवार को इंटर की परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। प्रथम पाली में एक एवं दूसरी पाली तीन परीक्षार्थी परीक्षा नही दिया। केंद्रधीक्षक संतोष कुमार ने बताया कि आज भौतिकी एवं भूगोल व बिजनेस स्टडी का परीक्षा था। पदाधिकारियो की टीम ने परीक्षा सेंटर का जायजा लिया ।परीक्षा देने के बाद जब परीक्षार्थी बाहर निकले तो बताया कि ऑब्जेक्टिव प्रश्नपत्र हल्का था, जबकि सब्जेक्टिव प्रश्न बहुत हार्ड था। जिसका जवाब लिखने में परेशानी हो रही थी।

अनियंत्रित ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार की मौत,

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
पंकज कुमार सिंह

मशरक के बंगरा पश्चिम टोला गांव निवासी युवक की अनियंत्रित ट्रक की चपेट में आने से मौत हो गई। मृतक बंगरा पश्चिम टोला गांव निवासी हरेंद्र पंडित का 24 वर्षीय पुत्र ललन पंडित के रूप में हुई। परिजनों ने बताया कि मृतक एकमा में फाइनेंस कंपनी में काम करता है उसी में कंपनी के कार्य के लिए बाइक से निकला था कि अनियंत्रित ट्रक की चपेट में आ गया। जिसमें घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मौत की खबर पर परिजनों में मातम छा गया है।

केन्द्रीय सरकार की आम बजट पर बखरी विधायक सूर्यकांत पासवान का प्रतिक्रिया उन्होंने कहा बिहार के लिए ढ़पोरशंखी बजट हैं

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

बखरी (बेगूसराय) ' केन्द्रीय सरकार की आम बजट को अगर बिहार के परिप्रेक्ष्य में देखा जाए तो एक पंक्ति में मैं विधायक सूर्यकांत पासवान कहना चाहूंगा कि यह बजट बिहार के लिए ह्लऊपर से फिट-फाट , नीचे से सिमरिया घाटह्व हैं ।केन्द्रीय बजट ने बिहार को अगर कोशी कैनाल और मखाना के नाम पर कुछ दिया भी है तो इससे बिहार के मिथिला व कोशी क्षेत्र को फायदा मिलेगा। मगध क्षेत्र, शाहाबाद और पश्चिमी बिहार को निराशा ही हाथ लगी हैं ।कुल मिलाकर यह बजट बिहार के लिए ढ़पोरशंखी बजट हैं।

एक माह पूर्व अपहृत बुधवार को खुद पहुंची थाना

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर प्रखंड क्षेत्र के नगर निगम क्षेत्र में एक माह पूर्व अपहृत बुधवार को खुद पहुंची थाने। पुलिस ने भेजा अग्रिम कार्रवाई के लिए न्यायालय व मेडिकल जांच हेतु समस्तीपुर ।उसकी मां ने एक माह पूर्व जनवरी में पुत्री की अपहरण करने के मामले में आवेदन देते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई थी जहां 19 वर्षीय युवती ने थाने पर पहुंची बताया कि मैं खुद घर से निकली थी। किसी बाहरी व्यक्ति ने मेरा अपहरण नहीं किया। इस मामले में थानाध्यक्ष राकेश कुमार शर्मा ने बताया कि अग्रिम कार्रवाई हेतु अनुसंधान कर्ता महिला एसआई शिम्पी ने 164 के बयान के लिए व्यवहार न्यायालय समस्तीपुर ले गयी है। न्यायालय के आदेश के बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

स्वर्गीय रामानंद प्रसाद देव की प्रथम पुण्यतिथि 6 फरवरी को

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर प्रखंड क्षेत्र के बरहेता गांव में माघ शुक्ल पक्ष नवमी तिथि को कामता सरस्वती विद्या मंदिर के संस्थापक वरिष्ठ राष्ट्रीय स्वयंसेवक स्वर्गीय रामानंद प्रसाद देव की प्रथम पुण्यतिथि 6 फरवरी को उनके पैतृक निवास बरहेता गांव में आयोजित की जाएगी। इसको लेकर आरएसएस के जाने-माने कार्यकर्ता निर्मल प्रसाद देव ने बताया कि सारी तैयारी पूरी कर ली गई है। इस संबंध में श्री देव ने बताया कि आगामी 6 फरवरी को महाअष्टयाम श्री सुंदरकांड का पाठ के साथ कार्यक्रम की शुरूआत करने की बात भाजपा नेता ने कही। इसको लेकर गांव घर के कीर्तन मंडली के सदस्य के अलावे राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के जिला अंतर जिला के कार्यकर्ता के अलावा राष्ट्रीय संघ सेवक संघ के रामकुमार बाबू, दरभंगा के सांसद गोपाल ठाकुर, भाजपा जिला अध्यक्ष नीलम सहनी अन्य भाजपा के पदाधिकारी आदि प्रथम पुण्यतिथि में शिरकत करने की बात आयोजक श्री सिंह ने बताई।

जेडीयू नेता एहतशामुल हक ने बुलाई बैठक

जिला संवाददाता
साहिल अंसारी
रोजनामा इंडो गल्फ

लरूआरा/ बेगुसराय 05/02/2025बेगूसराय अंतर्गत लारूआरा में हुई इसलाहे मौसहरा की बैठकजिसकी अध्यक्षता पूर्व मुखिया चक हमीद बखरी के प्रोफेसर निसार अहमद ने की । बैठक के मुख्य अतिथि जेडीयू के पूर्व प्रदेश महासचिव डॉङ्क एहतसमूल हक अंसारी ने सभा संबोध करते कहा ।अंसारी मोमिन जाती की बेरादरी के शादी विवाह में कम खर्च करने पर जोड़ दिया एवं सामाजिक बुराइयों से युवाओं को दूर रखने की व्यवस्था बननी चाहिए शादी विवाह में बेटी वालों के यहां कम से कम तादाद में बारात ले जाने को कहा अपने बेरादरी लोगों से दहेज परम्परा खत्म करने के गुजारिश किए आधुनिक युग में शिक्षित नवयुवकों को विशेष रूप से आने वाले दिनों में सामाजिक आर्थिक राजनीतिक और शैक्षणिक रूप से मजबूत होने कहा वही अगामी विधानसभा चुनाव के लिए विचार विमर्श करते हुए ने चिंता व्यक्त किया कि हमारे जाति के लोगों को चुनाव में हिस्सेदारी से वंचित रखा जाता है !मौके पर में हदीस अंसारी आशिक अंसारी हसन अंसारी ग्राम कचहरी लरूआरा के पूर्व सरपंच डॉक्टर शकील रही वर्तमान सरपंच प्रतिनिधि मकसूद अंसारी फैयाज उर्फ चुन्नू अंसारी इबादुर्रहमान उर्फ मिंटू साबिर अंसारी मौजूद थे

कृषि को आधुनिक तकनीक के साथ जोड़ने की आवश्यकता है

मो. सदरे आलम नौमानी

सीतामढ़ी:सीतामढ़ी के डुमरा के मुरादपुर स्थित कृषि विभाग के परिसर में आत्मा सीतामढ़ी के तत्वाधान में आयोजित दो दिवसीय जिला स्तरीय किसान मेला–सह– कृषि उत्पाद प्रदर्शनी का उद्घाटन जिलाधिकारी रिची पांडेय के द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जिलाधिकारी ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि कृषि देश की रीढ़ है और इसे आधुनिक तकनीक के साथ जोड़ने की आवश्यकता है।इस मेले से किसानों को नई जानकारी और संसाधन प्राप्त होंगे जो उनकी आय बढ़ाने में मददगार होंगे। डीएम ने जिलास्तरीय किसान मेला सह प्रदर्शनी में विभिन्न क्षेत्रों से प्रदर्श लेकर आए किसानों से आह्वान किया कि इसकी जानकारी अपने आसपास के किसानों को भी दें एवं दिखाएं। कृषि कर्मियों से आह्वान किया गया कि टीम भावना से कार्य करें। किसानों के साथ हमेशा खड़ा रहें। उनकी समस्याओं का समाधान करें। छोटे किसानों के घर जाकर उनकी समस्याओं का निदान करें। जलवायु अनुकूल कृषि तकनीक को अपनाने के लिए किसानों

को प्रेरित करें। फसल विविधीकरण को बढ़ावा दें।सीतामढ़ी जिला में अधिकांश लघु एवं सीमान्त कृषक है। यह क्षेत्र बाढ़ प्रभावित भी है ऐसी स्थिति में किसानों के उत्थान के लिए तथा फसलों के उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाने के लिए राज्य सरकार द्वारा कई लाभकारी योजनाएं चलाई जा रही है जिसका अधिकाधिक किसानों को सूचना देकर लाभ पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के वृक्षावरण में वृद्धि, मृदा संरक्षण, फसलों की खेती से वंचित भूमि पर फलदार वृक्ष एवं हरी सब्जी लगाकर कृषकों की आय में वृद्धि तथा अधिक रोजगार का सृजन कराएं।जिला स्तर से किसानों को उपलब्ध कराए जाने वाले उर्वरक एवं बीज का सतत अनुश्रवण किया जाए। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि किसान अपने खेतों की मिट्टी की जांच अवश्य करावे ताकि खेतों की उर्वरता में वृद्धि हो सके। उन्होंने कहा कि रासायनिक खाद से मुक्ति के लिए कृषि कार्य के साथ पशुपालन को बढ़ावा देने की दिशा में प्रभावी कार्य किया जाए। मेले में खेती के साथ-साथ पशुपालन को भी बढ़ावा देने के बारे में विस्तृत रूप जानकारी दी गई।बताया गया कि मखाना खेती के इच्छुक किसान को भी जिले में बढ़ावा दिया जा रहा है। जिले के चोरौत एवं पुपरी प्रखंड में इसका प्रशिक्षण दिया जा रहा है।खस की खेती को बढ़ावा देने के लिए रूनी सैदपुर एवं सुप्पी के किसानों के द्वारा लगभग डेढ़ एकड़ में इसकी खेती की जा रही है। लीची ,केला ,आम ताइवान एवं अन्य फल सब्जियां के साथ जिले में लगभग 25000 स्ट्रॉबेरी का पौधा किसानों को निःशुल्क उपलब्ध कराया गया है। जिले में आत्मा द्वारा फल– फूल एवं सब्जियों का निशुल्क पौधा का वितरण किया जा रहा है एवं नवाचार गतिविधियों का निरंतर प्रयोग किया जा रहा है किया जा रहा है। किसानों द्वारा लगाए जा रहे फल –फूल एवं सब्जी तथा स्ट्रॉबेरी का होलसेल बाजार में बिक्री भी कराया जा रहा है ताकि किसान आर्थिक रूप से मजबूत हो सके। वही प्रदर्शनी मेला में जिले से आए हुए किसानों को रासायनिक खाद से मुक्ति के लिए पशुपालन एवं खेती की आवश्यकता के बारे में बताया गया।पशुपालन कार्य कर रासायनिक खाद से मुक्ति के लिए उसके जैविक अपशिष्ट से गुणवत्तापूर्ण जैविक खाद्य का उपयोग अपने खेत में किया जा सकता है।पशुओं के टीकाकरण से पशुओं के बचाव के साथ-साथ उसके उत्पादकता को भी बढ़ाया जा रहा है और गुणवत्तापूर्ण दूध उत्पादन किया जा रहा है।साथ ही पशु बांझपन को दूर किया जा रहा है। वर्ष 2014 से क्रियान्वित राष्ट्रीय गोकुल मिशन योजना के तहत जिसका मुख्य उद्देश्य पशुओं का संवर्धन एवं विकास है इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम को पूरे देश के साथ बिहार राज्य में भी लागू किया गया है। इसके तहत गुणवत्तापूर्ण पशु वीर्य का उत्पादन /संरक्षण कर सेक्स सॉर्टेड सीमेन का उत्पादन किया जा रहा है।इसके तहत कृत्रिम गभार्धान कार्य करने से शत प्रतिशत बाछी का जन्म होता है। जो आज के समय में पशुपालकों के हित में मिल का पत्थर साबित हो रहा है । इसकी जानकारी जिला पशुपालन पदाधिकारी द्वारा दी गई।वही डीडीएम नाबार्ड द्वारा बताया गया।

नीलाम पत्र वाद में बकायेदारों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के दलसिंहसराय अनुमंडल पदाधिकारी सह नीलाम पत्र पदाधिकारी प्रियंका कुमारी के द्वारा विभिन्न बैंक से ऋण प्राप्त कर बकाया राशि जमा नही किए जाने के कारण दलसिंहसराय / रोसड़ा अनुमंडल अंतर्गत कुल 45 बकाएदारों के विरुद्ध गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है। निर्गत गिरफ्तारी वारंट सम्बंधित को अनुपालन हेतु भेजा गया है। इनमें दलसिंहसराय थाना के 28, उजियारपुर थाना के 9, विद्यापतिनगर थाना के 3, अंगारघाट थाना के 2 एवं रोसड़ा अनुमंडल के विभूतिपुर थाना के 3 बकायेदार ऋणी शामिल है।

मूर्ति विसर्जन के दौरान शरारती तत्वों ने किया पुलिस पर हमला, तीन पुलिस कर्मी घायल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के वारिसनगर थाना क्षेत्र के धुरलख पंचायत के साजनपुर गांव में सरस्वती पूजा के विसर्जन के दौरान कुछ शरारती तत्वों ने पुलिस पर हमला बोल दिया। जिसमें थानाध्यक्ष निरंजन कुमार, एएसआई अफरोज आलम व सिपाही शिवम कुमार चोटिल हो गये। पुलिस ने हमले में शामिल एक युवक को गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष निरंजन कुमार ने बताया कि सरस्वती पूजा के विसर्जन में अपने क्षेत्र में घूम रहे थे, इसी बीच साजनपुर के पास पुलिस को देखते ही नशे की हालत मे एक युवक ने अमर्यादित भाषा का प्रयोग करने लगा। जब पुलिस गाड़ी रोककर पुलिस बल उतरकर युवक को पकड़ लिया और गाड़ी में बैठाने लगा। इसी बीच भीड़ जुट गई और पकड़े गये अभियुक्त को छुराने लगा व पकड़ाये हुए युवक ने थानाध्यक्ष के कमर से पिस्टल छीनने का प्रयास कर रहा था। जब पीछे से पुलिस की अन्य गाड़ी आते देख सब लोग भागने लगा और इसी बीच ईंट फेकने लगा। जिसे थानाध्यक्ष निरंजन कुमार, जमादार अफरोज आलम व सिपाही शिवम कुमार चोटिल हो गये। वही अन्य पुलिस ने पकाड़ाये हुए युवक का पीएचसी में स्वास्थ्य परीक्षण कराया वहां डाक्टर ने नशे में होने की पुष्टि की।

मूर्ति विसर्जन के दौरान युवक के पैर पर चढ़ा ट्रेक्टर का चक्का, उपचार जारी

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर थाना क्षेत्र के नगर निगम क्षेत्र मूसेपुर वार्ड संख्या 8 निवासी महेश पासवान का 16 वर्षीय पुत्र अनिल कुमार को मूर्ति विसर्जन के दौरान ट्रैक्टर का चक्का पैर पर चढ़ गया, जिसके कारण वह गंभीर जख्मी हो गया है, जिसका समस्तीपुर सदर अस्पताल में इलाज जारी है, लोगों का बताना है कि मूसेपुर बजरंग चौक पर यह युवक ट्रैक्टर से उतर रहा था, इसी क्रम में ट्रैक्टर का चक्का अनिल कुमार के पैर पर चढ़ गया जिससे वह गंभीर जख्मी हो गया।

हरलाखी लिटिल स्टार क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो.अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी हरलाखी प्रखंड के बिसौल पंचायत सरकार भवन परिसर मे टीम विजय मार्शल द्वारा आयोजित लिटिल स्टार क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन समारोह किया गया,उद्घाटन समारोह के बाद पहला लीग मैच कौआहा बरही बनाम करुणा के बिच खेला गया,टॉस हार कर पहले बल्लेवाजी करते हुए करुणा की टीम 12 ओवर मे सभी विकेट खोकर 156 रन बनाई,157 के जवाब मे उतरी कौआहा बरही की टीम पूरा 15 ओवर खेलते हुवे सभी विकेट खो कर मात्र 111 रन बना पाई,इसी तरह 45 रनो से करुणा की टीम जीत कर क्वाटर फाईनल मे जगह बनाया,

मैन ऑफ द मैच निशांत कुमार हुए जिन्होंने मात्र 20 गेंद खेलते हुवे 60 रन और 3ओवर की गेंदवाजी मे 3 विकेट लिये थे.. !निर्णायक एम्पायर की भूमिका मे हिरा लाल पासवान, राजेश सदा ।मुख्य अथिति के रूप मे आये गायत्री हॉस्पिटल के संचालक डॉ. सुनील कुमार, जिला परिषद सदस्या सीमा यादव,संत जेवियर्स पब्लिक स्कूल के संचालक रवि राज,साहिल,हरी ओम यादव, दिपेन्द्र मंडल, संतोष मंडल, साजन झा, बचन देव झा, हर्ष नरायण झा,समेत सैकड़ो ग्रामीण व युवा मौजूद रहें.. !

48वीं वाहिनी, सशस्त्र सीमा बल, जयनगर ने सीमावर्ती गाँव गारा में लगाया निशुल्क मानव चिकित्सा शिविर का हुआ आयोजन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी जयनगर 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, जयनगर द्वारा नागरिक कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत वाह्य सीमा चौकी देवधा के कार्यक्षेत्र अंतर्गत आने वाले गाँव झ गारा में श्री गोविंद सिंह भण्डारी, कमांडेंट 48वीं वाहिनी, सशस्त्र सीमा बल जयनगर के निदेर्शानुसार डॉक्टर सुनेहा सिंह (चिकित्सा पदाधिकारी) की मौजूदगी में निशुल्क मानव चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया ।

इस दौरान 48वीं वाहिनी के चिकित्सा कर्मियों द्वारा गारा गाँव एवं उसके आस-पास के गांवों के लोगों के स्वास्थ्य की जांच कर आवश्यकतानुसार दवाइयों का वितरण किया एवं सीमावर्ती लोगों को स्वास्थ्य संबंधी जानकारियाँ दी

गयी ।

इस चिकित्सा शिविर में कुल 63 स्थानीय लोगो ने भाग लिया, जिसमे पुरुष झ 26, महिलाये -23 एवं बच्चे- 14 लाभान्वित हुए । डाक्टर सुनेहा सिंह (चिकित्सा पदाधिकारी) 48वीं वाहिनी, सशस्त्र सीमा बल, जयनगर द्वारा वहाँ उपस्थित सभी लोगो को खान पान पर विशेष ध्यान देने का सुझाव दिया तथा समय समय पर शारीरिक जांच करवाते रहने का भी सुझाव दिया ।

अयोध्या गंगा घाट पर डूबे छात्र का 5 वां दिन शव बरामद, आए थे गंगा में स्नान करने

संवाददाता
साहिल अंसारी
रोजनामा इंडो गल्फ

तेघड़ा/बेगूसराय तेघड़ा थाना क्षेत्र के अयोध्या मिथिला गंगा घाट पर 31 जनवरी शुक्रवार को नहाने के दौरान पैर फिसलने से बजलपुरा भगवती स्थान निवासी मनोज यादव के 20 वर्षीय पुत्र सन्नी कुमार की डूबने से मौत हो गई थी। सन्नी कुमार शुक्रवार की दोपहर अपने कुछ दोस्तों के साथ गंगा स्नान करने के लिए यहां आया था। और नहाने के दौरान वह गहरे पानी में चला गया। जिसके कारण वह डूब गया।जिसके बाद स्थानीय गोताखोरों एवं एसडीआरएफ के टीम द्वारा लगातार चार दिन तक शव ढूंढने का काफी प्रयास किया गया। फिर भी चार दिन तक शव को ढूंढने में सफलता हाथ नहीं लगी । पांचवा दिन दोपहर में घटनास्थल अयोध्या घाट से करीब 2 किलोमीटर दूरी पर बजलपुरा घाट बेसिक स्कूल सामने गंगा नदी में कुछ स्थानीय लोगों ने शव को तैरते हुए देखा। शव को देखने के बाद पूरे क्षेत्र में खबर तेजी से फैल गया । तब तक मृतक सन्नी के घर वालों सहित पूरे क्षेत्र के लोग हजारों की संख्या में घाट पर एकत्रित हो गए।इस बीच स्थानीय गोताखोर एवं मछुआरों के सहयोग से नदी से शव को बाहर निकाला गया । तेघड़ा थाना के एएसआई मनीष कुमार पुलिस बल के साथ घटना स्तर पर पहुंचकर। कागजी प्रक्रिया करते हुए लाश को अपने कब्जे में करके पोस्टमार्टम के लिए बेगूसराय सदर अस्पताल भेज दिया गया । इस घटना को लेकर के जहां परिवार में कोहराम मचा हुआ है। वहीं क्षेत्र में शोक की लहर फैली हुई है ।बताते चले कि सन्नी स्थानीय श्री विश्वेश्वर राष्ट्रीय उच्च विद्यालय का छात्र था। और शनिवार से चल रहे इंटर का परीक्षा देता। सन्नी के पिता पेशे से मजदूर है। वह तीन भाई बहनों में सबसे बड़ा था। सन्नी की मौत के बाद पूरे गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है।

मंडल रेल परामर्शदात्री समिति की प्रथम बैठक सफलतापूर्वक संपन्न

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

समस्तीपुरः 05 फरवरी 2025 समस्तीपुर मंडल रेल परामर्शदात्री समिति (डीआरयूसीसी) की वर्ष 2024-26 की प्रथम बैठक आज मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के मंथन सभागार में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मंडल रेल प्रबंधक (मरेप्र) श्री विनय श्रीवास्तव ने की। बैठक में मंडल क्षेत्राधिकार के सभी 18 सदस्यों ने भाग लिया। वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्रीमती अनन्या स्मृति ने सर्वप्रथम सभी सदस्यों का स्वागत किया ।उनके द्वारा बैठक का संचालन भी किया गया। इसके पश्चात मंडल रेल प्रबंधक श्री विनय श्रीवास्तव ने अपना अध्यक्षीय संबोधन दिया, जिसमें उन्होंने मंडल द्वारा वित्त वर्ष 2024-25 में प्राप्त उपलब्धियों पर संक्षिप्त रूप से चर्चा की।उन्होंने बताया कि चालू वित्तीय वर्ष में मकई , खाद्यान्न , सीमेंट, रेलवे मैटेरियल एवं कंटेनर की बुकिंग के फल स्वरुप 752 रैक का लदान किया गया है जो पिछले वर्ष की कुल लदान 652 रैक की तुलना में 15.34% अधिक है ।समस्तीपुर मंडल में मकई लदान में वित्तीय वर्ष 2024 - 25 में कुल 208 रैक का लदान किया गया है जिससे कुल एक अरब रुपए रेल राजस्व की

प्राप्ति हुई है ।विपणन प्रयासों के फलस्वरूप मंडल द्वारा 2233 क्विंटल लीची देश के विभिन्न शहरों भेजा गया। मंडल में "एक स्टेशन एक उत्पाद" योजना के तहत 36 स्टेशनों पर इसका संचालन किया जा रहा है ।दीपावली एवं छठ पर्व के समय अत्यधिक भीड़ को देखते हुए यात्री सुविधा के उद्देश्य से प्रत्येक दिन लगभग 40 'ट्रेन ऑन डिमांड' ट्रेनों का सफलतापूर्वक परिचालन किया गया ।यात्रियों की सुविधा हेतु जयनगर ,रक्सौल तथा नरकटियागंज स्टेशनों के प्लेटफार्म पर लिफ्ट का प्रावधान किया गया है ।इस वित्तीय वर्ष में 877 दिव्यांगजनों को ट्रेन के किराए में रियायत की सुविधा हेतु दिव्यांगजन कार्ड जारी किया गया है ।दुर्गा पूजा के समय मंडलीय रेलवे चिकित्सालय, समस्तीपुर के द्वारा मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर भीड़ प्रबंधन के दौरान कुल 86 'मे आई हेल्प यू बूथ' लगाकर कुल 2163 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया ।प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र' सफलतापूर्वक खरीद औरस्थापना के मामले में पहले चरण में दरभंगा स्टेशन पर स्थापित कर यह मंडल पूरे जोन में पहला और भारतीय रेलवे में दूसरे स्थान पर रहा है, जबकि दूसरे चरण में समस्तीपुर स्टेशन पर स्थापना कर यह मंडल पूरे भारतीय रेलवे में पहले स्थान पर रहा ।यात्री सुविधा हेतु मंडल के 20 स्टेशनों पर ठंडे पर जल हेतु 48 अदद वाटर कूलर का प्रावधान किया गया ।बैठक के दौरान डीआरयूसीसी के सदस्यों के साथ विभिन्न एजेंडा बिंदुओं पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। सदस्यों ने रेल यात्री सुविधाओं, संरक्षा, संरचना विकास और परिचालन से संबंधित महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

मंडल रेल प्रबंधक श्री श्रीवास्तव ने बैठक में प्रस्तुत सभी प्रस्तावों और सुझावों पर नियमानुसार विचार करने एवं उन्हें चरणबद्ध रूप से लागू करने का आश्वासन दिया।आज की इस बैठक में मण्डल से क्षेत्रीय रेल परामर्शदात्री समिति के लिए एक सदस्य का सर्वसम्मत्ति से चुनाव किया गया। इसके लिए सभी सदस्यों द्वारा श्री कृष्ण कुमार को चुना गया

राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान अपने दिल्ली आवास पर गुप्त नवरात्र के अष्टमी के पावन अवसर पर सपरिवार माता रानी की पूजा-

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

प्रकाशनार्थ पटना 5/2/2025केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री सह लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान अपने दिल्ली आवास पर गुप्त नवरात्र के अष्टमी के पावन अवसर पर सपरिवार माता रानी की पूजा-अर्चना करने के पश्चात कन्या पूजन कर आशीर्वाद लिया। तथा माता रानी से कामना किया कि जगत जननी मां जगदंबा समस्त देशवासियों को सुख शांति और समृद्धि प्रदान करें।

इस आशय की जानकारी पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी कुंदन कुमार ने दी।

बिहार में क्यों घट गई हज यात्रा पर जाने वालों की संख्या, उएड बोले- पता नहीं; पूर्व अध्यक्ष ने बताई वजह

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

हज यात्रा पर जाने वाले आजमीने हज की संख्या बिहार में लगातार घट रही है। कोराना महामारी के बाद यानी 2022 के छोड़ दें तो इस वर्ष बिहार से हज यात्रा पर जाने वाले हज यात्रियों की संख्या साल 2012 से लेकर अब तक सबसे कम है। कोरोना के कारण 2020 और 2021 में हज यात्रा रद्द कर दी गयी थी। वहीं 2022 में हज यात्रा के लिए बिहार का कोटा मात्र 2,367 था, जबकी यात्रा पर जाने के लिये 2210 लोगों ने आवेदन दिया था और 1900 हज यात्री यहां से रवाना हुए थे।बिहार के लिए हज यात्रियों का कोटा इस वर्ष 12,406 है जबकि मात्र 2,673 आजमीने हज ने बिहार राज्य हज कमेटी को आवेदन कर पंजीकरण कराया है। इनमें 1,558 पुरुष, 1,113 महिला एवं दो बच्चे शामिल हैं। खास बात ये है कि हर वर्ष विभिन्न कारणों से पंजीकरण की संख्या से लगभग दस प्रतिशत कम लोग ही अंतत हज यात्रा पर रवाना होते हैं। हालांकि बिहार से हज यात्रियों की संख्या घटने के सवाल पर बिहार राज्य हज कमेटी के सीइओ मो. राशिद हुसैन कोई भी सटीक कारण बताने से इनकार करते हैं वे कहते हैं कि उन्हें भी नहीं पता कि इसका क्या कारण है। हज कमेटी अपने स्तर पर हज यात्रा के लिए सभी जिलों में हज बेदारी मुहिम चलाती है। कारण कुछ भी हो सकता है लेकिन वे केवल अनुमान के आधार पर कोई बयान साझा नहीं करना चाहते।

हज यात्रा के लिए बेदारी मुहिम पड़ी कमजोर-कासमी

सीमा क्षेत्र युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम का भव्य समापन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

सीमा क्षेत्र युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम का भव्य समापन।--मिथिला चित्रकला संस्थान में पेंटिंग क्लास और मिथिला हाट में जलपान एवं नौका विहार को युवाओं ने बताया अविस्मरणीय पल।- मधुबनी। नेहरू युवा केंद्र, मधुबनी के बैनर तले नगर के चंद्रा कॉम्प्लेक्स में आयोजित पांच दिवसीय सीमा क्षेत्र युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम का समापन हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। समापन सत्र के मुख्य अतिथि एसडीएम सदर, मधुबनी अश्वनी कुमार की उपस्थिति में प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा किए।

उत्तर प्रदेश टीम के लीडर शिवम शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम के पहले दिन मिथिला पाग और चादर के माध्यम से किए गए पारंपरिक स्वागत ने उन्हें गहरे

सांस्कृतिक जुड़ाव का अहसास कराया। उन्होंने मधुबनी डीएम से संवाद के अनुभव को विशेष बताते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

दूसरे दिन बैंकिंग साक्षरता सत्र में भाग लेकर उन्होंने वित्तीय जागरूकता को एक महत्वपूर्ण सीख बताया। तीसरे और चौथे दिन क्षेत्रीय भ्रमण के दौरान सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) कैंप, मरनिया में सैनिकों से संवाद, बॉर्डर एवं ग्राम भ्रमण, मिथिला चित्रकला संस्थान में पेंटिंग क्लास और मिथिला हाट में जलपान एवं नौका विहार को उन्होंने अविस्मरणीय अनुभव बताया।

मध्य प्रदेश से सरिता और ओडिशा से शिवश्च समेत अन्य प्रतिभागियों ने भी अपनी स्मृतियों को साझा किया।

समापन सत्र में कार्यक्रम के सफल आयोजन में योगदान देने वाले मिथिला फाउंडेशन के आदित्य चौधरी, सूरज कुमार मंडल, कौशल किशोर, राकेश रोशन, सोनू कुमार आदि सदस्यों को एसडीएम अश्वनी कुमार द्वारा सम्मानित किया गया।

यह आयोजन न केवल युवा प्रतिभागियों के लिए एक ज्ञानवर्धक अनुभव बना, बल्कि सांस्कृतिक एवं प्रशासनिक समझ को भी बढ़ाने में सहायक रहा।

सीमा क्षेत्र युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम का भव्य समापन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

सीमा क्षेत्र युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम का भव्य समापन।--मिथिला चित्रकला संस्थान में पेंटिंग क्लास और मिथिला हाट में जलपान एवं नौका विहार को युवाओं ने बताया अविस्मरणीय पल।- मधुबनी। नेहरू युवा केंद्र, मधुबनी के बैनर तले नगर के चंद्रा कॉम्प्लेक्स में आयोजित पांच दिवसीय सीमा क्षेत्र युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम का समापन हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। समापन सत्र के मुख्य अतिथि एसडीएम सदर, मधुबनी अश्वनी कुमार की उपस्थिति में प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा किए।

उत्तर प्रदेश टीम के लीडर शिवम शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम के पहले दिन मिथिला पाग और चादर के माध्यम से किए गए पारंपरिक स्वागत ने उन्हें गहरे

सांस्कृतिक जुड़ाव का अहसास कराया। उन्होंने मधुबनी डीएम से संवाद के अनुभव को विशेष बताते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

दूसरे दिन बैंकिंग साक्षरता सत्र में भाग लेकर उन्होंने वित्तीय जागरूकता को एक महत्वपूर्ण सीख बताया। तीसरे और चौथे दिन क्षेत्रीय भ्रमण के दौरान सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) कैंप, मरनिया में सैनिकों से संवाद, बॉर्डर एवं ग्राम भ्रमण, मिथिला चित्रकला संस्थान में पेंटिंग क्लास और मिथिला हाट में जलपान एवं नौका विहार को उन्होंने अविस्मरणीय अनुभव बताया।

मध्य प्रदेश से सरिता और ओडिशा से शिवश्च समेत अन्य प्रतिभागियों ने भी अपनी स्मृतियों को साझा किया।

समापन सत्र में कार्यक्रम के सफल आयोजन में योगदान देने वाले मिथिला फाउंडेशन के आदित्य चौधरी, सूरज कुमार मंडल, कौशल किशोर, राकेश रोशन, सोनू कुमार आदि सदस्यों को एसडीएम अश्वनी कुमार द्वारा सम्मानित किया गया।

यह आयोजन न केवल युवा प्रतिभागियों के लिए एक ज्ञानवर्धक अनुभव बना, बल्कि सांस्कृतिक एवं प्रशासनिक समझ को भी बढ़ाने में सहायक रहा।

महाकुंभः अखाड़ों के संत काशी-हरिद्वार जाएंगे

महाकुंभ- मुस्लिम बच्चे ने बांसुरी से बजाया 'राम आएंगे : रविंद्र पुरी बोलेः भगदड़ में कच्छा-बनियान गैंग पर शक

प्रयागराज। महाकुंभ का बुधवार को 24वां दिन है। 13 जनवरी से अब तक 38.66 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु स्नान कर चुके हैं। अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रविंद्र पुरी ने कहा- कुछ माताओं-बहनों ने मुझे बताया कि कच्छा-बनियान गैंग और यू-ट्यूबर गैंग के लोगों ने मेले को खराब करने की साजिश की। इसकी जांच बहुत जरूरी है। पीएम मोदी ने संगम में स्नान और गंगा की पूजा-अर्चना की। अखाड़े के साधु-संत कैंप में अपने सामान की पैकिंग कर रहे हैं। दो दिन बाद यानी 7 फरवरी को अखाड़े काशी और हरिद्वार के लिए रवाना होंगे। पूजा कर धर्म ध्वजा उतारी जाएगी। बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल ने कहा- आज मैं त्रिवेणी संगम आई हूं। यूपी सरकार को सलाम कि उन्होंने इतनी मेहनत की और इतनी अच्छी व्यवस्था की। वहीं, संगम पर मुस्लिम बच्चे ने बांसुरी से 'राम आएंगे' की धुन बजाकर लोगों का मन मोह लिया। अखाड़ा सेक्टर में अखिल भारतीय श्रीपंच तेरह भाई खालसा के बाहर संतों ने अग्नि साधना शुरू की। भक्त संतों की तपस्या देख अभिभूत नजर आए। गाजीपुर के वसुका गांव निवासी पीएसआई अंजनी राय की महाकुंभ में ड्यूटी के दौरान हुई मौत का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष अजय राय ने बुधवार को मृतक के पैतृक घर पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त की और मौत को लेकर गंभीर सवाल उठाए। अजय राय ने कहा कि अंजनी राय एक बहादुर और जांबाज पुलिस अधिकारी थे। उनकी भगदड़ में हुई जो संदिग्ध है और इस मामले की जांच हाईकोर्ट के जज से करवाई जानी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस विभाग अपने ही दारोगा की मौत की सच्चाई को छिपा रहा है लगाई केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने संगम में डुबकी लगाई। उन्होंने बुधवार को पर वीडियो शेयर करते हुए लिखा- महाकुंभ 144 साल में एक बार आता है यानी कई पीढ़ियों में एक बार। ऐसे ऐतिहासिक धार्मिक क्षण पर किसी को राजनीति नहीं करनी चाहिए। मैं भाग्यशाली हूं कि मैंने पवित्र त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाई। कृपया सभी लोग दिशा-निदेशों का पालन करें, क्योंकि महाकुंभ में आने वाले लोगों की कुल संख्या अकल्पनीय है। महाकुंभ में महामंडलेश्वर नारायणनाथ गिरी के साथ 30 से ज्यादा निरंजनी अखाड़े के महापुरुष संगम स्नान के लिए शोभायात्रा के रूप में निकले। ढोल-नगाड़ों की धुन पर हर-हर महादेव के जयकारे लगाते जा रहे हैं। संतों ने बताया- ये महानपुरुष हरिद्वार के अर्धकुंभ में नागा साधु की दीक्षा लेंगे। साउथ की ब्लॉकबस्टर मूवी 'कृ्ई में रॉकी भाई यश की हीरोइन बनकर एक्टिंग से दिल जीतने वाली एक्ट्रेस श्रीनिधि शेट्टी महाकुंभ पहुंचीं। आज उन्होंने सोशल मीडिया इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें शेयर की हैं। उन्होंने संगम में आस्था की डुबकी लगाई। वह अपने पिता के साथ आई हैं। इस दौरान चेहरे पर मास्क पहनकर अपनी पहचान छिपाए रखी। महाकुंभ से साधु-संत काशी और हरिद्वार के लिए जाने की तैयारी कर रहे हैं। संतों ने अपने शिविर के समान की पैकिंग शुरू कर दी है। संत का कहना है कि वह 7 फरवरी को महाकुंभ से कूच कर जाएंगे। पूजा कर धर्म ध्वजा उतारी जाएगी। अखाड़ा सेक्टर में अखिल भारतीय श्रीपंच तेरह भाई खालसा के बाहर संतों ने अग्नि साधना शुरू की। भक्त संतों की तपस्या देख अभिभूत नजर आए। जयपुर की रेखा गुप्ता ने कहा- मैं दूसरी बार कुंभ आई हूं। उन्होंने हर-हर महादेव के जयकारे लगाए। इससे पहले 2019 के अर्ध कुंभ में आई थी।इस बार मोदी-योगी ने बहुत अच्छी व्यवस्थाएं की हैं। बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल महाकुंभ पहुंचीं। उन्होंने कहा- आज मैं त्रिवेणी संगम आई हूं। यहां मुझे किसी बड़े त्योहार की अनुभूति हो रही है। यह मेरे लिए सौभाग्य की बात है कि मैं आज यहां आई। मुझे इस बात की खुशी है कि सब लोगों में इतना विश्वास है और सभी इतनी आस्था के साथ यहां पर आए हैं। उत्तर प्रदेश सरकार को सलाम कि उन्होंने इतनी मेहनत की है और इतनी अच्छी व्यवस्था की है। महाराष्ट्र की प्रिया ने कहा- पहली बार महाकुंभ आई हूं। बहुत अद्भुत एक्सपीरियंस रहा। यहां बहुत अच्छा लग रहा है। प्रिया के साथ आई डॉ. नेहा ने बताया- व्यवस्थाएं बहुत अच्छी हैं। क्राउड ज्यादा है। इसे हैंडल करना सबके बस की बात नहीं। सरकार की व्यवस्था अच्छी है, लोगों को भी साथ देना चाहिए। जिससे मैनेजमेंट बेहतर बना रहे। संगम स्नान के बाद साधु-संतों के आशीर्वाद के लिए श्रद्धालु अखाड़े की तरफ आ रहे हैं। उन्हें करीब 5 से 6 किलोमीटर पैदल चलना पड़ रहा है। बिहार से आए श्रद्धालु ने बताया- व्यवस्थाएं बहुत ही बेहतर हैं। लेकिन, पैदल चलने से उन्हें थोड़ी दिक्कतें हो रही हैं। महाकुंभ में पीएम के आने से श्रद्धालुओं को कोई परेशानी न हो, इसका ख्याल रखा जा रहा है। पांटून पुल नंबर-7 को प्रशासन ने साधु-संतों के लिए, पुल नंबर 8, 5 को संगम से अखाड़ा की तरफ जाने के लिए और संगम की तरफ जाने के लिए पुल नंबर 9, 14 को खोला गया है।

होटल लीला ग्लैक्सी के मालिक को मातृ शोक

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। नगर निवासी और होटल लीला गैलेक्सी के प्रबंधक किशोर कुमार निषाद की माता के निधन पर विधायक पीएन पाठक सहित सैकड़ों गणमान्य जनों ने शोक व्यक्त किया है। बीते सोमवार की शाम को श्री निषाद की माता सुंदरी देवी पत्नी स्व 0 श्रवण निषाद (80 वर्ष) का निधन हो गया। जिनका अंतिम संस्कार छोटी गंडक नदी के कोन्हवलिया घाट पर किया गया। निधन पर विधायक पीएन पाठक की पत्नी श्रीमती मीनू पाठक, विधायक प्रतिनिधि रुद्र प्रताप सिंह, अनिल प्रताप राव, आद्या पाण्डेय, छेदी शर्मा, सभासद गिरिजेश सिंह, रत्नेश श्रीवास्तव, अमित मालवीय, मस्तराज सिंह, दीपक शर्मा, बलिस्टर भारती, अवधेश कुशवाहा, ओमप्रकाश कुशवाहा सहित काफी लोग श्री निषाद के आवास पर पहुंचे और शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी।

आशा इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल में रंगारंग कार्यक्रम के साथ वार्षिकोत्सव सम्पन्न

संवाददाता

कुशीनगर। आशा इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल धुरिया रोड कसया कुशीनगर में आयोजित वार्षिकोत्सव समारोह रंगारंग कार्यक्रम के साथ संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि देवरिया सदर विधायक शलभ मणि त्रिपाठी ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से कहा कि बच्चों को नैतिक और संस्कारिक रूप से शिक्षित करना राष्ट्रहित में सर्वोपरि है। सपा नेता राजेश प्रताप राव उर्फ बंटी बाबू ने बच्चों को संस्कार एवं माता पिता तथा गुरुजनों के सम्मान करने की

सिख बच्चों को दी। सुमित त्रिपाठी ने गुणवत्ता युक्त शिक्षा देने पर विद्यालय प्रबंधतंत्र की सराहना की। थानाध्यक्ष कसया ओमप्रकाश तिवारी ने अनुशासन की सिख बच्चों को दी। श्रीमती आशा देवी एवं सेवानिवृत्त प्राचार्य बुद्ध इंटरमीडिएट कॉलेज सुरेश गुप्त, डॉक्टर ज्ञान प्रकाश राय, भाजपा जिला अध्यक्ष दुर्गेश राय, अमित मोदनवाल, ओमप्रकाश जायसवाल, बार संघ कसया अध्यक्ष वीरेंद्र लाल श्रीवास्तव, सतीश मणि त्रिपाठी, चौकी प्रभारी ने अपने विचार रखे।अतिथियों का स्वागत विद्यालय प्रबंधक इंजीनिय अभिषेक तिवारी जी ने माल्यार्पण कर बच्चों द्वारा पेंसिल से बनाई गई कुछ कलाकृतियां भेंट की। कार्यक्रम में बच्चों ने मन मोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर तालियां बटोरी। प्रधानाध्यापक रामेश्वर तिवारी ने सभी का आभार व्यक्त किया। अध्यक्षता विद्यालय के ट्रस्टी घनश्याम तिवारी ने की। संचालन विशेष चौबे, श्रीमती प्रियंका सिंह, विश्वेष चौबे, राहुल गोंड, स्मिता मणि ने किया।

श्री दूधेश्वर नाथ महादेव कुंभ मेला शिविर में चल रहे गुप्त नवरात्रि अनुष्ठान में कई देशों के भक्त शामिल हुए

संवाददाता

प्रयागराज। श्री दूधेश्वर नाथ महादेव मठ मंदिर द्वारा सेक्टर 20 संगम लोअर मार्ग पर शास्त्री ब्रिज के नीचे कुंभ मेला क्षेत्र में लगाए गए श्री दूधेश्वर नाथ महादेव कुंभ मेला शिविर में चल रहे गुप्त नवरात्रि अनुष्ठान में बुधवार को इंग्लैंड, अमेरिका समेत कई देशों के भक्त शामिल हुए। सभी ने जूना अखाड़े के अंतरराष्ट्रीय संरक्षक एवं अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के महामंत्री श्रीमहंत हरि गिरि महाराज के दिशा.निर्देशन व श्री दूधेश्वर मंदिर के पीठाधीश्वर व जूना अखाड़ा के अंतरराष्ट्रीय प्रवक्ता श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज की अध्यक्षता में चल रहे गुप्त नवरात्रि अनुष्ठान में मां .धूमावती, मां बगलामुखी के साथ महाकाली, महालक्ष्मी, महासरस्वती समेत सभी देवी-देवताओं की आराधना की व रात्रि में शतचंडी महायज्ञ में आहुति

देकर विश्व कल्याण की कामना की। श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज ने बताया कि धूमावती माता को अभाव और संकट को दूर करने वाली माता कहते है। इनकी साधना से व्यक्ति की पहचान महाप्रतापी और सिद्ध पुरूष के रूप में होती है। मां बगलामुखी की साधना दुश्मन के भय से मुक्ति और वाक सिद्धि के लिए की जाती है। जो साधक नवरात्रि में इनकी साधना करता है वह हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त करता है। महाभारत के युद्ध में भगवान कृष्ण के कहने पर अर्जुन ने कौरवों पर विजय हासिल करने के लिए माता बगलामुखी की पूजा अर्चना की थी। बुधवार को अमेरिका से आए श्री दूधेश्वर वेद विद्यापीठ के पूर्व प्रधानाचार्य प्रमोद कुमार पाढ़ी, उनके साथ आए भारत गर्ग, लंदन से आए हुए महाराजश्री के भक्त मुकेश भाई देसाई, अमेरिका से आए वेणुगोपाल एवं उनके साथ आए अन्य भक्तों, गाजियाबाद निवासी विवेक प्रकाश गर्ग व उनके साथ आए अन्य हरि भक्तों ने पूजा-अर्चना में भाग लेने के साथ ही महाराजश्री से भेंटकर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। पूजा एवम हवन आचार्य तोयराज उपाध्याय तथा यश दीक्षित, सुधांशु त्रिपाठी, मोहित शुक्ला, अंबर, अंबुज, हिमांशु, धरनीधर, सौरभ, अंशुमन, ध्रुव व सुधांशु पांडे ने कराया। महाराजश्री ने कहा कि यह दूधेश्वर मंदिर व गाजियाबाद ही नहीं उत्तर प्रदेश व देश के लिए भी गौरव का विषय है कि श्री दूधेश्वर वेद विद्यापीठ के आचार्य व विद्यार्थी आज पूरे विश्व में सनातन धर्म व भारतीय संस्कृति का परचम फहरा रहे हैं। विश्व प्रसिद्ध व ऐतिहासिक अयोध्या के राम मंदिर से लेकर विश्व के अन्य बडे मंदिरों में यह के आचार्य व विद्यार्थी पुजारी के रूप में धर्म व संस्कार की शिक्षा दे रहे हैं। भारत ही नहीं विश्व के कई देशों के विश्वविद्यालयों, शिक्षण संस्थाओं व संस्थानों में भी ये कार्यरत हैं। अमेरिका के तो सभी 50 प्रांतों के मंदिरों में श्री दूधेश्वर वेद विद्या पीठ के आचार्य व विद्यार्थी पुजारी हैं। विद्यापीठ के पूर्व प्रधानाचार्य प्रमोद कुमार पाढ़ी 1[illegible] वर्ष से अमेरिका में हैं और उन्हें ग्रीन कार्ड भी मिल चुका है। पूर्व प्रधानाचार्य हरे कृष्ण महापात्र भी अमेरिका में ही हैं। वहीं प्रथम प्रधानाचार्य मनोज पाढी वाशिंगटन में हैं। यहां के आचार्यो व विद्यार्थियों में अमेरिका में मंदिर की स्थापना भी कर दी है। विद्यापीठ के वर्तमान प्रधानाचार्य आचार्य तयोराज उपाध्याय व अन्य सभी आचार्यो व शिक्षकों की मेहनत के चलते ही आज अमेरिका इंग्लैंड, जापान, सिगापुर, मलेशिया इंडोनेशिया, आबु धाबी आदि देशों के मंदिरों में श्री दूधेश्वर वेद विद्यापीठ के आचार्य व विद्यार्थी पुजारी के रूप में भगवान की सेवा कर रहे हैं। श्रीमहंत नारायण गिरि ने बताया कि गुप्त नवरात्रि अनुष्ठान की पूणार्हुति गुरूवार को मां मातंगी व मां कमला की पूजा-अर्चना के साथ होगी। वहीं श्री दूधेश्वर नाथ महादेव कुंभ मेला शिविर पूर्णमासी 12 फरवरी तक चलेगा। 8 फरवरी तक शिविर पूरी तरह से फुल हैं। अतः भक्त 8 फरवरी के बाद ही आएं।

मानदेय वृद्धि एवं सेवा नियमावली बनाने को लेकर मुख्यमंत्री को पंचायत सहायकों ने भेजा पत्र

संवाददाता

कुशीनगर। तमकुहीराज व सेवरही के पंचायत सहायकों ने मुख्यमंत्री को मांग पत्र जरिए रजिस्ट्री भेजकर मानदेय वृद्धि एवं सेवा नियमलवाली बनाने की मांग की है। पंचायत सहायकों की समस्या को लेकर एक बैठक भी की गई जिसमें वक्ताओं ने कहा कि ग्राम पंचायत स्तर पर पंचायत सहायक/एकाउंटेंट-कम-डाटा एंट्री ऑपरेटर की नियुक्ति की गई थी।

पंचायत सहायक अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए ग्राम पंचायत सचिवालय का संचालन

कर लोगों को योजनाओं का लाभ पहुंचा रहे हैं। वर्तमान में पंचायत सहायक अपने अधिकारों से वंचित हैं और अनेक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, जिससे सचिवालय के संचालन में बाधाएं उत्पन्न हो रही है। ग्राम प्रधान और पंचायत सहायक के मध्य अनुबंध भी कार्य में बाधा उत्पन्न करने के प्रमुख कारणों में से एक है।वर्तमान में पंचायत सहायक को मात्र 6 हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय दिया जा रहा है, जो एक परिवार के भरण-पोषण के लिए अपर्याप्त है। एक मनरेगा मजदूर भी 237 रुपये प्रतिदिन की मजदूरी प्राप्त करता है जबकि पंचायत सहायक कुशल कर्मी होने के बावजूद, तकनीकी कार्यो को संपन्न करते हुए इतने कम मानदेय पर कार्य कर रहे हैं। पूर्णकालिक नौकरी होने के कारण उनकी पढ़ाई भी बाधित है। जिससे उनका भविष्य इसी नौकरी पर निर्भर हो गया है। पत्र में पंचायत सहायक का मानदेय बढ़ाकर अतिकुशल श्रेणी 26910 रुपए प्रति महीना किया जाए और मानदेय को ग्रामनिधि से हटाकर राज्यपोषित किया जाए। अनुबंध प्रणाली को समाप्त करते हुए पंचायत सहायकों की सेवा नियमावली बनाई जाए। महिला पंचायत सहायक के लिए स्थानांतरण नीति लागू किया जाए तथा नगर पंचायत में जाने वाले ग्राम पंचायत के पंचायत सहायकों को अन्य जगह विभागों में समायोजन किया जाए। पंचायत सहायक ग्राम पंचायत अधिकारी के समान कार्य कर रहे हैं तो ग्राम पंचायत अधिकारी के रिक्त पदों की भर्तियों में 50% आरक्षण प्रदान किया जाए। बैठक में आलोक उपाध्याय, नेहा गोंड, रमेश कुमार प्रसाद, धनंजय गुप्ता, अवनीत यादव, नारद यादव, सोनू, प्रीति मिश्रा, सीमा वर्मा, बबिता भारती, लाडली, साहब हुसैन, अखिलेश सिंह, संदेश यादव, दीपक शर्मा, रोशन पाठक, अवधेश सिंह, वेद प्रकाश, शुभम, रंजन, रूबी, पप्पू मौजूद रहें।

संक्षिप्त डायरी

हमीरपुर की राठ पुलिस ने अवैध असलहे के साथ अभियुक्त को किया गिरफ्तार

संवाददाता

हमीरपुर । उत्तर प्रदेश के हमीरपुर की राठ पुलिस ने अपराधियों की धरपकड़ के लिये चलाये जा रहे अभियान के तहत बुन्लेखण्ड एक्सप्रेस वे के नजदीक स्थित बुन्लेखण्ड ढाबा के पास से बिहुनी खुर्द निवासी 23 वर्षीय नन्दराम उर्फ नन्दू पुत्र अनाडी को गिरफ्तार किया गया, पकड़े गये युवक के कब्जे से एक देशी तमंचा 12 बोर बरामद करने में पुलिस को कामयाबी मिली। राठ पुलिस ने पकड़े गये मुल्जिम के खिलाफ मु०अ०सं० 45/2025 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर अदालत में पेश किया गया है। राठ पुलिस ने बताया कि पकड़े गये मुल्जिम के खिलाफ पहले से ही मुस्कुरा थाने में मु०अ०सं० 182/2020 धारा 147/188/269/341/353 आईपीसी के तहत एक मामला दर्ज है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में खासतौर से एस आई शिवम दत्त सहित कांस्टेबल राजकुमार कुशवाहा शामिल रहे।

खबर का हुआ असर, मोरम खण्ड राठ के टोला खंगारन-6 में पडा.छापा, पट्टाधारक के खिलाफ हुआ 22 लाख का जुमार्ना

संवाददाता

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर राठ के टोला खंगारन मोरम खण्ड-6-- में जिलाधिकारी की रोक के बावजूद खण्ड के मैनेजर अंगद सिंह भदौरिया प्रतिबंधित पोकलैण्ड मशीनों से करा रहे थे, मोरम का अवैध खनन, जबकि खण्ड में आने वाले ट्रकों में ओवर लोड के साथ ही मोरम का अवैध परिवहन भी धडल्ले से किया जा रहा था, जिसकी खबर न्यूज स्पीक ने प्रमुखता के साथ छापी थी, जिसके बाद जिसके बाद जिलाधिकारी के निर्देश पर तेज तर्रार खनिज अधिकारी विकास परमार ने खनिज इंसपैक्टर पंकज सिंह सहित दल बल के साथ मोरम खण्ड टोला खंगारन -6- में छापा मारकर 2400 घन मीटर मोरम का अवैध खनन पकड़ने के बाद पट्टाधारक राम कुमार सिंह के खिलाफ बाईस लाख रुपये का हुआ जुमार्ना, वहीं मोरम खण्ड में अवैध खनन पकड़े जाने पर मोरम माफियाओं में हडकंप मचा हुआ है।

गरीबों, मजलूमों के अधिकारों की रक्षा होगीः संजय गुप्ता

संवाददाता

कुशीनगर। फाजिलनगर विकास खंड के गांव सोहंग-महुअवा खुर्द में बुधवार को समाजवादी पार्टी की पीडीए जन पंचायत का आयोजन किया गया। जिसमें पार्टी के नेताओं ने अपने विचार रखे। सपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व ब्लॉक प्रमुख संजय गुप्ता ने जन पंचायत को संबोधित करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी पीडीए के माध्यम से गरीब और मजलूम लोगों के अधिकारों की रक्षा करेगी। पूर्व जिला अध्यक्ष मु. इलियास अंसारी ने कहा कि सपा की पीडीए हर ग्राम पंचायत में बैठक कर पिछड़ों, अल्पसंख्यकों और दलितों को जोड़ने का कार्य कर रही है। वरिष्ठ नेता कलामुद्दीन, पूर्व ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि राम अवध यादव और जिला उपाध्यक्ष विजय यादव ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में ग्यासुद्दीन अंसारी, हामिद अंसारी, गुड्डू अंसारी, रियाज अहमद, अब्दुल वाहिद, एकबाल अहमद, सुदामा गुप्ता, जितेंद्र यादव, ओपी गिरी और शैलेंद्र पटेल सहित कई लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन उस्मान गनी नूरी ने किया। जबकि अध्यक्षता सपा के विधानसभा अध्यक्ष रविंद्र प्रसाद वर्मा ने की।

श्रीरामकथा व श्रीरामलीला से राममय हो रहा कसया नगर

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। नगर स्थित श्रीरामजानकी मंदिर (मठ) में पंद्रहवें वर्ष दस दिवसीय श्रीराम महायज्ञ के दूसरे दिन मंगलवार की रात अयोध्या धाम से आये कलाकारों द्वारा श्रीरामलीला के अंतर्गत नारद मोह की कथा का मंचन किया गया जिसे देखकर दर्शक भाव-विभोर हो गए। कथा के माध्यम से कलाकारों ने संदेश दिया कि भक्त का जीवन अहंकार मुक्त रहना चाहिए। वहीं तीसरे दिन बुधवार को दोपहर में श्रीधाम वृंदावन से आये कथा वाचक अंकुश जी महाराज ने श्रीराम कथा की अमृत वर्षा कराते हुए कहा कि भक्ति के लिए भगवत कृपा जरूरी है। केवल मनुष्य ही परमात्मा को पा सकता है। कथा का प्रारम्भ यजमान मीनू पाठक, सुमित त्रिपाठी, विनय पांडेय व उमा पांडेय आदि द्वारा व्यास पीठ के पूजन से हुआ। इस दौरान आचार्य रामजी पांडेय के देख रेख में श्रीराम महायज्ञ एवं अयोध्या धाम से आये संतो द्वारा अखंड श्रीसीताराम नाम संकीर्तन चलता रहा। श्रद्धालु भारी संख्या में यज्ञ मंडप की परिक्रमा करते रहे। महंत त्रिभुवन शरण दास, व्यवस्थापक देव नारायण शरण, विष्णु शरण, परशुराम दास, सुरेश प्रसाद गुप्ता, राम आशीष शुक्ल, सुरेश तिवारी, मणि प्रकाश यादव, शिवम राय, निशांत सिंह, अर्चना पाठक, संगीता पाठक, आशीष पांडेय, राकेश गिरी, संजीव दुबे, मदन अग्रहरि, सुधा रानी, आरती गुप्ता, विजय प्रकाश राव, विजय सिंह, लक्ष्मण लाल श्रीवास्तव, जगदीश जायसवाल, आलोक श्रीवास्तव, धनंजय तिवारी, विपिन बिहारी श्रीवास्तव, काशीनाथ सिंह, घनश्याम जायसवाल, अनिरुद्ध यादव, प्रियंका तिवारी, दीपू तिवारी, संजय पांडेय, अनमोल तिवारी, दिव्यांशु श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

देहरादून, देहरादून जिले का मुख्यालय है जो भारत की राजधानी दिल्ली से 230 किलोमीटर दूर दून घाटी में बसा हुआ है। 9 नवंबर, 2000 को उत्तर प्रदेश राज्य को विभाजित कर जब उत्तराखण्ड राज्य का गठन किया गया था, उस समय इसे उत्तराखण्ड (तब उत्तरांचल) की अंतरिम राजधानी बनाया गया। देहरादून नगर पर्यटन, शिक्षा, स्थापत्य, संस्कृति और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए प्रसिद्ध है। इसका विस्तृत पौराणिक इतिहास है।

प्राकृतिक सौंदर्य के लिए प्रसिद्ध

देहरादून

इतिहास

देहरादून का इतिहास कई सौ वर्ष पुराना है। देहरादून से 56 किलोमीटर दूर कालसी के पास स्थित शिलालेख से इस पर तीसरी सदी ईसा पूर्व में सम्राट अशोक का अधिकार होने की सूचना मिलती है। देहरादून ने सदा से ही आक्रमणकारियों को आकर्षित किया है। खलीलुल्लाह खान के नेतृत्व में 1654 में इस पर मुगल सेना ने आक्रमण किया था। सिरमोर के राजा सुभाक प्रकाश की सहायता से खान गढ़वा के राजा पृथ्वी शाह को हराने में सफल रहे। गद्दी से अपदस्थ किए गए राजा को इस शर्त पर गद्दी पर आसीन किया गया कि वे नियमित रूप से मुगल बादशाह शाहजहाँ को कर चुकाया करेंगे। इसे 1772 में गुज्जरों ने लूटा था। तत्कालीन राजा ललत शाह जो पृथ्वी शाह के वंशज थे, की पुत्री की शादी गुलाब सिंह नामक गुज्जर से की गई थी। गुलाब सिंह के पुत्र का नियंत्रण देहरादून पर था और उनके वंशज इस समय भी नगर में मिल सकते हैं। गढ़वाल के राजा ललत शाह के पुत्र प्रदुमन शाह के शासन काल में रोहिल्ला नजीब के पोते गुलाम कादिर के नेतृत्व में अफगानों का आक्रमण हुआ। जिसमें उसने गुरू राम राय के अनुयायियों और शिष्यों को मौत के घाट उतार दिया। जिन लोगों ने हिन्दू धर्म त्यागने का निर्णय लिया, उन्हें छोड़ दिया गया। लेकिन अन्य लोगों के साथ बहुत निमर्मतापूर्वक व्यवहार किया गया। सहारनपुर के राज्यपाल और अफगान प्रमुख नजीबुदौल्ला भी देहरादून को अपने अधिकार में करने के उद्देश्य में सफल रहा उसके बाद देहरादून पर गुज्जरों, सिक्खों, राजपूतों और गोरखाओं के लगातार आक्रमण हुए और यह उपजाऊ और सुंदर भूमि शीघ्र ही बंजर स्थल में बदल गई। 1783 में एक सिक्ख प्रमुख बुघेल सिंह ने देहरादून पर आक्रमण किया और बिना किसी बड़े प्रतिरोध के सहजता से इस क्षेत्र को जीत लिया। 1786 में देहरादून पर गुलाम कादिर का आक्रमण हुआ। उसने पहले हरिद्वार को लूटा और फिर देहरादून पर कहर बरपाया। उसने नगर पर आक्रमण किया और उसे जमकर लूटा तथा बाद में देहरादून को बर्बाद कर दिया। 1801 तक अमर सिंह थापा के नेत्वृत्व में गोरखा ने दून घाटी पर आक्रमण किया और उस पर अधिकार कर लिया। 1814 में नालापानी के लिए अमर सिंह थापा के पोते बालभद्र सिंह थापा के नेत्वृत्व में गोरखा और जनरल जिलेस्पी के नेत्वृत्व में ब्रिटिश के बीच युद्ध हुआ। गोरखाओं ने इस लड़ाई में जमकर बराबरी कि और जनरल समेत कई ब्रिटिश सेनाओं को अपने प्राणों से हाथ धोना पड़ा। इस बीच गोरखाओं को एक असामान्य स्थिति का सामना करना पड़ा और उन्हें नालापानी के किले को छोड़ कर जाना पड़ा। 1815 तक गोरखाओं को हरा कर ब्रिटिश शासन ने इस पूरे क्षेत्र पर अपना अधिकार कर लिया। देहरादून के दो स्मारक प्रसिद्ध हैं। इनमें से एक कलंगा स्मारक का निर्माण ब्रिटिश जनरल गिलेस्पी और उसके अधिकारियों की स्मृति में कराया गया है। दूसरा स्मारक गिलेस्पी से लोहा लेनेवाले कैप्टन बलभद्र सिंह थापा और उनके गोरखा सिपाहियों की स्मृति में बनवाया गया है। कालंगा गढ़ी सहस्त्रधारा सड़क पर स्थित है। घंटा घर से इसकी दूरी 4.5 किलोमीटर है। इसी वर्ष देहरादून तहसील के वर्तमान क्षेत्र को सहारनपुर जिले से जोड़ दिया गया। इसके बाद 1825 में इसे कुमाऊँ मण्डल को हस्तांतरित कर दिया गया। 1828 में अलग-अलग उपायुक्त के प्रभार के अंतर्गत देहरादून और जॉनसार बवार हस्तांतरित कर दिया गया और 1829 में देहरादून जिले को मेरठ खण्ड को हस्तांतरित कर दिया गया। 1842 में देहरादून को सहारनपुर जिले से जोड़ दिया गया और इसे जिलाधीश के अधिनस्थ एक अधिकारी के अधिकार क्षेत्र में रखा गया। 1871 से यह एक अलग जिला है। 1968 में इस जिले को मेरठ खण्ड से अलग करके गढ़वा खण्ड से जोड़ दिया गया।

देहरादून और कुछ महत्वपूर्ण स्थानों के बीच की दूरी

दिल्ली - 240 किमी
यमुनोत्री - 279 किमी
मसूरी - 35 किमी
नैनीताल - 297 किमी
हरिद्वार - 54 किमी
शिमला - 221 किमी
ऋषिकेश - 67 किमी
आगरा - 382 किमी
रुड़की - 43 किमी

रेल: देहरादून उत्तरी रेलवे का एक प्रमुख रेलवे स्टेशन है। यह भारत के लगभग सभी बड़े शहरों से सीधी ट्रेनों से जुड़ा हुआ है। ऐसी कुछ प्रमुख ट्रेनें हैं- हावड़ा-देहरादून एक्सप्रेस, चेन्नई- देहरादून एक्सप्रेस, दिल्ली- देहरादून एक्सप्रेस, बांद्रा-देहरादून एक्सप्रेस, इंदौर- देहरादून एक्सप्रेस आदि।

वायु मार्ग: जॉली ग्रांट एयरपोर्ट देहरादून से 25 से किलोमीटर है। यह दिल्ली एयरपोर्ट से अच्छी तरह से जुड़े हुए हैं। एयर डेक्कन दोनों एयरपोर्टों के बीच प्रतिदिन वायु सेवा संचालित करती है।

दर्शनीय स्थल

तपकेश्वर मंदिर -यह मंदिर सिटी बस स्टेंड से 5.5 कि.मी. की दूरी पर गढ़ी कैंट क्षेत्र में एक छोटी नदी के किनारे बना है। सड़क मार्ग द्वारा यहां आसानी से पहुंचा जा सकता है। यहां एक गुफा में स्थित शिवलिंग पर एक चट्टान से पानी की बूंदें टपकती रहती हैं। शिवरात्रि के पर्व पर आयोजित मेले में लोग बड़ी संख्या में यहां एकत्र होते हैं और यहां स्थित शिव मूर्ति पर श्रद्धा-सुमन अर्पित करते हैं।

मालसी डियर पार्क-देहरादून से 10 कि.मी. की दूरी पर मसूरी के रास्ते में यह एक सुंदर पर्यटन स्थल है जो शिवालिक श्रंखला की तलहटी में स्थित है। मालसी डियर पार्क एक छोटा सा चिड़ियाघर है जहां बच्चों के लिए प्राकृतिक सौंदर्य से घिरा एक पार्क भी विकसित किया गया है। सुंदर वातावरण के कारण यहां ताज़गी का अहसास होता है जिससे यह एक आदर्श दर्शनीय-स्थल और पिकनिक-स्पॉट बन चुका है। सहस्त्रधारा सल्फर मिश्रित पानी का झरना है, जिसका औषधिय महत्व भी है। बाल्डी नदी और यहां की गुफाएं एक रोमांचक दृश्य उत्पन्न करती हैं। बस स्टेंड से 14 कि.मी. की दूर, यहां नियमित बस सेवा और टैक्सियों द्वारा पहुंचा जा सकता है। यह पिकनिक के लिए एक अच्छा स्थान है।

कलंगा स्मारक-देहरादून-सहस्त्रधारा मार्ग पर स्थित यह स्मारक ब्रिटिशों और गोरखाओं के बीच 180 वर्ष पहले हुए युद्ध में बहादुरी की गाथाएं याद दिलाता है। रिसपाना नदी के किनारे पहाड़ी पर 1000 फुट की ऊंचाई पर बना यह स्मारक गढ़वाली शासकों के इतिहास को दर्शाता है।

लक्ष्मण सिद्ध-ऋषिकेश की ओर देहरादून से 12 कि.मी. दूर यह एक प्रसिद्ध मंदिर है। किवदंती है कि एक साधु ने यहां समाधि ली थी। मंदिर तक सुलभता से पहुंच होने के कारण विशेषकर रविवार को यहां बड़ी संख्या में दर्शनार्थी आते हैं।

चन्द्रबदनी- देहरादून-दिल्ली मार्ग पर देहरादून से 7 कि.मी. दूर यह मंदिर चन्द्रबदनी(गौतम कुंड) के लिए प्रसिद्ध है। पौराणिक कथाओं के अनुसार इस स्थान पर महर्षि गौतम अपनी पत्नी और पुत्री अंजनी के साथ निवास करते थे. इस कारण मंदिर में इनकी पूजा की जाती है। ऐसा कहा जाता है कि स्वर्ग-पुत्री गंगा इसी स्थान पर अवतरित हुई, जो अब गौतम कुंड के नाम से प्रसिद्ध है। प्रत्येक वर्ष श्रद्धालु इस पवित्र कुंड में डुबकी लगाते हैं। मुख्य सड़क से 2 कि.मी. दूर, चारों ओर से शिवालिक पहाड़ियों के मध्य में यह एक सुंदर पर्यटन स्थल है।

साई दरबार-राजपुर रोड पर शहर से 8 कि.मी. की दूरी पर घंटाघर के समीप साईं दरबार मंदिर है। इसका बहुत अधिक सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व है तथा देश-विदेश से दर्शनार्थी यहं आते हैं। साईं दरबार के समीप राजपुर रोड पर ही भगवान बुद्ध का बहुत विशाल और भव्य तिब्बती मंदिर है।

रॉबर्स केव (गुच्छुपानी)- पिकनिक के लिए एक आदर्श स्थान रॉबर्स केव सिटी बस स्टेंड से केवल 8 कि.मी. दूर है। हरिद्वार-ऋषिकेश मार्ग पर लच्छीवाला-डोईवाला से 3 कि.मी. और देहरादून से 22 कि.मी. दूर है। सुंदर दृश्यावली वाला यह स्थान पिकनिक-स्पॉट है। यहां हरे-भरे स्थान पर फॉरेस्ट रेस्ट हाउस में पर्यटकों के लिए ठहरने की व्यवस्था है।

वन अनुसंधान संस्थान- घंटा से 7 कि.मी. दूर देहरादून-चकराता मोटर-योग्य मार्ग पर स्थित यह संस्थान भारत में सबसे बड़ा फॉरेस्ट-बेस प्रशिक्षण संस्थान है। जो तथा इसमें एक बॉटनिकल म्यूजियम भी है। एफआरआई (देहरादून) से 3 कि.मी. आगे देहरादून-तकराता मार्ग पर 8 कि.मी. की दूरी पर स्थित इंडियन मिलिटरी एकेडमी सेना अधिकारियों के प्रशिक्षण का एक प्रमुख संस्थान है।

तपोवन- देहरादून-राजपुर रोड पर सिटी बस स्टेंड से लगभग 5 कि.मी. दूर स्थित यह स्थान सुंदर दृश्यों से घिरा है। कहावत है कि गुरु द्रोणाचार्य ने इस क्षेत्र में तपस्या की थी।

संतौला देवी मंदिर- देहरादून से लगभग 15 कि.मी. दूर स्थित प्रसिद्ध संतौला देवी मंदिर पहुंचने के लिए बस द्वारा जैतांवाला तक जाकर वहां से पंजाबीवाला तक 2 कि.मी. जीप या किसी हल्के वाहन द्वारा तथा पंजाबीवाला के बाद 2 कि.मी. तक पैदल रास्ते से मंदिर पहुंचा जा सकता है।

जलवायु : देहरादून की जलवायु समशीतोष्ण है। यहां का तापमान 16 से 36 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है जहां शीत का तापमान 2 से 24 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है। देहरादून में औसतन 2073.3 मिलिमीटर वर्षा होती है। अधिकांश वर्षा जून और सितंबर के बीच होती है। अगस्त में सबसे अधिक वर्षा होती है।

नगर के विषय में: राजपुर मार्ग पर या डालनवाला के पुराने आवासीय क्षेत्र में पूर्वी यमुना नहर सड़क से देहरादून शुरु हो जाता है। सड़क के दोनों किनारे स्थित चौड़े बरामदे और सुन्दर ढालदार छतों वाले छोटे बंगले इस शहर की पहचान हैं। इन बंगलों के फलों से लदे हुए पेड़ों वाले बगीचे बरबस ध्यान आकर्षित करते हैं। घण्टाघर से आगे तक फैला हुआ रंगीन पलटन बाजार यहाँ का सर्वाधिक प्राचीन और व्यस्त बाजार है। यह बाजार तब अस्तित्व में आया जब 1820 में ब्रिटिश सेना की टुकड़ी को आने की आवश्यकता पड़ी। आज इस बाजार में फल, सब्जियां, सभी प्रकार के कपड़े, तैयार वस्त्र (रेडीमेड गारमेंट्स) जूते और घर में प्रतिदिन काम आने वाली वस्तुयें मिलती हैं। इसके स्टोर माल, राजपुर सड़क तक है जिसके दोनों ओर विश्व के लोकप्रिय उत्पादों के स्टोर रूम हैं। अनेक प्रसिद्ध रेस्तरां भी राजपुर सड़क पर है। कुछ छोटी आवासीय बस्तियाँ जैसे राजपुर, क्लेमेंट टाउन, प्रेमनगर और रायपुर इस शहर के पारंपरिक गौरव हैं।

देहरादून के राजपुर मार्ग पर भारत सरकार की दृष्टिबाधितों के लिए स्थापित पहली और एकमात्र राष्ट्रीय स्तर की संस्था राष्ट्रीय दृष्टिबाधित संस्थान (एन.आई.वी.एच.) स्थित है। इसकी स्थापनी 19वीं सदी के नब्बे के दशक में विकलांगों के लिए स्थापित चार संस्थाओं की श्रंखला में हुआ जिसमें राष्ट्रीय दृष्टिबाधित संस्था के लिए देहरादून का चयन किया गया। यहाँ दृष्टिबाधित बच्चों के लिए स्कूल, कॉलेज, छात्रावास, ब्रेल पुस्तास्तलय एवं ध्वन्यांकित पुस्तकों का पुस्तकालय भी स्थापित किया गया है। इसके कर्मचारी इसके अन्दर रहते हैं इसके अतिरिक्त (तेज यादगार) शार्प मेमोरियल नाम क निजी संस्था राजपुर में हैं यें दृष्टि अपंगता तथा कानों सम्बन्धि जाज संस्थान तथा राजपुर सड़क पर दूसरी अन्य संस्थाये बहुत च्छा कार्य कर रही है। उत्तराखण्ड सरकार का एक और नया क है। करूणा विहार, बसन्त विहार में कुछ कार्य शुरू किये है। तथा गहनता से बच्चों के लिये कार्य कर

सड़क मार्ग

देहरादून देश के विभिन्न हिस्सों से सड़क मार्ग से जुड़ा हुआ है और यहां पर किसी भी जगह से बस या टेक्सी से आसानी से पहुंचा जा सकता है। सभी तरह की बसें, (साधारण और लक्जरी) गांधी बस स्टेंड जो दिल्ली बस स्टेंड के नाम से जाना जाता है, यहां से खुलती हैं। यहां पर दो बस स्टैंड हैं। देहरादून और दिल्ली, शिमला और मसूरी के बीच डिलक्स/ सेमी डिलक्स बस सेवा उपलब्ध है। ये बसें क्लेमेंट टाउन के नजदीक स्थित अंतरराज्यीय बस टर्मिनस से चलती हैं। दिल्ली के गांधी रोड बस स्टैंड से एसी डिलक्स बसें (वोल्वो) भी चलती हैं। यह सेवा हाल में ही यूएएसआरटीसी द्वारा शुरू की गई है। आईएसबीटी, देहरादून से मसूरी के लिए हर 15 से 70 मिनट के अंतराल पर बसें चलती हैं। इस सेवा का संचालन यूएएसआरटीसी द्वारा किया जाता है। देहरादून और उसके पड़ोसी केंद्रों के बीच भी नियमित रूप से बस सेवा उपलब्ध है।

रहें है तथा कुछ नगर के चारों ओर केन्द्र है। देहरादून राफील रेडरचेशायर अंतरराष्ट्रीय केन्द्र है। रिस्पना ब्रिज शायर गृह डालनवाला में हैं। जो मानसिक चुनौतियों के लिए कार्य करते है। मानसिक चुनौतियों के लिए काम करने के अतिरिक्त राफील रेडरचेशायर अंतरराष्ट्रीय केन्द्र ने टी.बी व अधरंग के इलाज के लिये भी अस्पताल बनाया। अधिकाँश संस्थायें भारत और विदेश से स्वेच्छा से आने वालो को आकर्षित तथा प्रोत्साहित करती है। आवश्यकता विहीन का कहना है कि स्वेच्छा से काम करने वाले इन संस्थाओं को ठीक प्रकार से चलाते है। तथा अयोग्य, मानसिक चुनौतियो और कम योग्य वाले लोगो को व्यक्तिगत रूप से चेतना देते है।

देहरादून अपनी पहाड़ियों और ढलानों के साथ-साथ साईकिलिंग का भी एक महत्वपूर्ण स्थान है। चारों ओर पर्वतों और हरियाली से घिरा होने के कारण यहाँ साईकिलिंग करना बहुत सुखद है। लीची देहरादून का पर्यायवाची है क्योंकि यह स्वादिष्ट फल चुनिंदा जलवायु में ही उगता है। देहरादून देश की उन जगहों में से एक है जहाँ लीची उगती है। लीची के अतिरिक्त देहरादून के चारों ओर बेर, नाशपत्ती, अमरूद और आम के पेड़ है। जो नगर की बनावट को घेरे हुये है। ये सारी चीजें घाटी के आकर्षण में वृद्धि करती है। यदि मई माह या जून के शुरू की गर्मियों में भ्रमण के लिये जाएं तो तुम इन फलों को केवल देखेंगे ही नहीं बल्कि खरीदेंगे भी। बासमती चावल की लोकप्रियता देहरादून या भारत में ही नही बल्कि विदेशों में भी है। एक समय अंग्रेज भी देहरादून में रहते थे और वे नगर पर अपना प्रभाव छोड़ गये। उदाहरण के रूप में देहरादून की बैकरीज (बिस्कुट आदि) आज भी यहाँ प्रसिद्ध है। उस समय के अंग्रेजों ने यहाँ के स्थानीय स्टाफ को सेंकना सिखाया। यह निपुणता बहुत अच्छी सिद्ध हुई तथा यह निपुणता अगली संतति सन्तान में भी आयी। फिर भी देहरादून के रहने वालो के लिये यहाँ के स्थानीय रस्क, केक, होट क्रोस बन्स, पेस्टिज और कुकीज मित्रों के लिये सामान्य उपहार है, कोई भी ऐसी नही बनाता जैसे देहरादून में बनती है। दूसरा उपहार जो पर्यटक यहाँ से ले जाते है विख्यात क्वालिटी की टॉफी जोकि क्वालिटी रेस्टोरेन्ट (गुणवत्ता वाली दुकानों) से मिलती हैं। यद्यपि आज बडी संख्या में दूसरी दुकानों (स्टोर) से भी ये टॉफी मिलती है परन्तु असली टॉफी आज भी सर्वोतम है। देहरादून में आनंद के और बहुत से पर्याप्त विकल्प है।

नया इनकम टैक्स कानून करदाताओं की जिंदगी आसाना बनाएगा : अग्रवाल

इस बार के बजट से करोड़ करदाता खुश

नई दिल्ली ।

केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट 2025 में नया इनकम टैक्से स कानून लाने की बात कही थी। इस घोषणा के बाद से ही टैक्सपेयर्स के बीच यह कयास शुरू हुआ है कि आखिर नया इनकम टैक्से स कानून कैसा होगा और इसका उन पर के या असर होगा। टैक्सपेयर्स की दुविधा और शंका को शांत कर केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के चेयरमैन रवि अग्रवाल ने बताया कि नया इनकम टैक्स कानून प्रत्यक्ष कर को काफी आसान करेगा और करदाता की जिंदगी भी आसान होगी। रिपोर्ट के अनुसार सीबीडीटी चेयरमैन ने बताया कि यह बहुत संतोष की बात है कि इस बार बजट को इतनी सकारात्मकता से लिया गया है और इतना ही नहीं हमारे करोड़ करदाता खुश हैं। टैक्से स में दिया गया पूरा लाभ करीब 1 लाख करोड़ रुपये का है और इस साल का बजट लक्ष्य 22.37 लाख करोड़ रुपये है, तब यह कुल करों का 5 प्रतिशत बनता है। लोगों के हाथ में यह 1 लाख करोड़ रुपये होने का अर्थव्यवस्था पर प्रभाव दिखेगा। व्यापार विकसित होगा।

सीबीडीटी चेयरमैन अग्रवाल के मुताबिक, टैक्स छूट के रूप में हमारी ओर से दिया गया पैसा वापस लौटेगा। यह कंपनियों के माध्यम से आएगा, यह व्यापार आय के माध्यम से आएगा, यह वेतन के माध्यम से भी आ सकता है, क्योंकि अगर कंपनियां बढ़ती हैं, तब वेतन भी बढ़ेगा। इस 1 लाख करोड़ रुपये की राहत का सकारात्मक प्रभाव देश की इकानामी पर दिखाई देगा। हम इस साल 15 प्रतिशत की दर से बढ़ रहे हैं, क्योंकि इस राहत के कारण बजट लक्ष्य 12.46 प्रतिशत रखा गया है। सीबीडीटी अध्यक्ष ने कहा कि इसका फायदा उठाने के लिए दो चीजें हैं। एक करदाता को रिटर्न फाइल करना होगा और फिर अगर रिफंड बनता है, तब वह व्यक्ति रिफंड ले सकता है। रिटर्न की संख्या लगभग वहीं रहेगी। यह लगभग 9 करोड़ होगी। पहले 7 लाख रुपये तक की आय पर छूट मिलती थी, अब यह 12 लाख रुपये तक हो गई है। इस बजट में डेढ़ करोड़ करदाताओं के लिए, जो इस श्रेणी (7 से 12 लाख रुपये) में थे, उनकी टैक्स देनदारी शून्य होगी। लाभ पाने वाले वास्तविक करदाताओं की संख्या करीब 3 करोड़ होगी।

एपीएसईजेड ने जनवरी 2025 में अब तक का सबसे अधिक 39.9 मिलियन मीट्रिक टन कार्गो हैंडल किए

पिछले साल की तुलना में 13 फीसदी अधिक

अहमदाबाद ।

अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड (एपीएसईजेड) ने जनवरी 2025 में अब तक का सबसे अधिक 39.9 मिलियन मीट्रिक टन (एमएमटी) कार्गो हैंडल किए है। यह पिछले साल की तुलना में 13 फीसदी अधिक है। उपलब्धि में कंटेनर कार्गो में 32 फीसदी और तरल पदार्थ और गैस में 18 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। यह जानकारी एपीएसईजेड ने दी।

अदाणी समूह के प्रमुख बंदरगाह ने जनवरी 2025 में कुल 372.2 एमएमटी कार्गो हैंडल किया। यह सालाना आधार पर 20 फीसदी अधिक है। इसमें तरल पदार्थ और गैस की हैंडलिंग में भी 9 फीसदी की बढ़ोत्तरी है। कंपनी ने बताया कि विभिन्न कार्गो सेगमेंट में शानदार प्रदर्शन ने अदाणी पोर्ट्स को वैश्विक स्तर पर एक अग्रणी बंदरगाह के रूप पहचान दिखाई है। इसके अलावा मुंद्रा पोर्ट ने भी जनवरी में कई बड़ी उपलब्धियां हासिल की। कंपनी ने कहा, विभिन्न कार्गो सेगमेंट में रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन ने अदाणी पोर्ट को एक अग्रणी वैश्विक बंदरगाह और भारतीय अर्थव्यवस्था के इंजन के रूप में रेखांकित किया है। एपीएसईजेड मुंद्रा ने 17.20 मिलियन मीट्रिक टन कार्गो का मासिक रिकॉर्ड बनाया, जो समुद्री व्यापार के इतिहास में किसी भी भारतीय बंदरगाह द्वारा अब तक का सबसे अधिक है। इसके पहले का रिकॉर्ड 17.11 मिलियन मीट्रिक टन था, जिसे मुंद्रा पोर्ट ने खुद ही पार किया। कंटेनर कार्गो हैंडलिंग में भी मुंद्रा पोर्ट ने नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। मुंद्रा पोर्ट ने एक महीने में 7.72 लाख ट्वेंटी-फुट इक्विवेलेंट (टीईयू) कंटेनर संभाले, जो पहले के रिकॉर्ड से कई अधिक है। कंपनी के अनुसार, यह उपलब्धि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में अदाणी पोर्ट्स की महत्वपूर्ण भूमिका को दिखाती है। मुंद्रा पोर्ट की मरीन टीम ने 415 जहाजों को हैंडल किया, जो पिछले 406 जहाजों के रिकॉर्ड से अधिक है। जहाजों के मूवमेंट के बारे में बताए तब इस बार 884 मूवमेंट दर्ज किए गए, जबकि पिछला रिकॉर्ड 876 था। रेलवे डिवीजन ने भी शानदार प्रदर्शन किया। रेलवे एक महीने में 1.47 लाख टीईयू कंटेनर संभाले, जो पहले के 1.44 लाख टीईयू के रिकॉर्ड से अधिक है। रेलवे टीम ने 682 ट्रेनों को हैंडल कर नया रिकॉर्ड बनाया, जबकि पहले यह संख्या 662 थी।

रतन टाटा के सबसे खास दोस्त शांतनु नायडू को मिली बड़ी जिम्मेदारी

सोशल मीडिया पर भावुक पोस्ट में खुशी के साथ गम का भी किया इजहार

नई दिल्ली।

उद्योगपति रतन टाटा का निधन हुआ था तो उनका सबसे करीबी और खास दोस्त शांतनु नायडू अकेला रह गया था। अब उन्हें एक बडी जिम्मेदारी मिली तो खुशी के साथ-साथ उन्हें रतन टाटा के ना होने का अफसोस भी हुआ। दरअसल शांतनु को टाटा ग्रुप की ऑटो कंपनी टाटा मोटर्स में जनरल मैनेजर और स्ट्रैटजिक इनिशिएटिव्स का प्रमुख बनाया गया है। इस नई जिम्मेदारी को लेकर उन्होंने एक भावुक पोस्ट में उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय टाटा ग्रुप और अपने पिता को दिया। शांतनु नायडू ने लिखा-मुझे ये बताते हुए खुशी हो रही है कि मैं टाटा मोटर्स में जनरल मैनेजर, हेड-स्ट्रेटेजिक इनिशिएटिव्स के रूप में नई जिम्मेदारी संभाल रहा हूं। मुझे याद है जब मेरे पिता सफेद शर्ट और नेवी ब्लू पेंट पहनकर टाटा मोटर्स प्लांट से घर आते थे, और मैं खिड़की से उनका इंतजार करता था। जिंदगी जहां से चली थी फिर वहीं आ गई। शांतनु रतन टाटा के निजी सचिव रह चुके हैं। रतन टाटा ने खुद शांतनु को फ़ोन कर कहा था कि आप जो करते हैं मैं उससे बहुत प्रभावित हूं, क्या मेरे असिस्टेंट बनोगे। शांतनु और टाटा कई सालों से एक साथ काम कर रहे थे। उम्र के अंतर के बावजूद दोनों की बॉन्डिंग काफी अच्छी थी। यह दोनों मिलकर सड़क पर दुर्घटनाग्रस्त आवारा पशुओं की मदद के लिए काम करते थे। कहा जाता है कि रतन टाटा अपना पर्सनल निवेश जिन स्टार्टअप्स में करते हैं, उनके पीछे शांतनु का दिमाग होता था। यह भी जा रहा है कि शांतनु ने ही रतन टाटा को सोशल मीडिया से परिचित कराया था। उन्हें हैशटैग, ट्रेंड और इमोजी के बारे में सब कुछ सिखाया। अपनी किताब आई केम ओपन ए लाईटहाउस में शांतनु नायडू ने रतन टाटा के साथ अपनी दोस्ती के बारे में लिखा है। वहीं जब उनके दोस्त का निधन हुआ तो वह बिल्कुल टूट गए थे।

कार में पानी जाने से खराब हो सकता है इलेक्ट्रिकल सिस्टम, इंजन

नई दिल्ली ।

क्या आप जानते है कि कार में पानी जाने से इलेक्ट्रिकल सिस्टम, इंजन और अन्य जरूरी कंपोनेंट्स खराब हो सकते हैं, जिससे मरम्मत का भारी खर्च उठाना पड़ सकता है। कार के इंजन में कई इलेक्ट्रिकल कंपोनेंट्स और वायरिंग होती हैं, जहां पानी जाने से शॉर्ट सर्किट का खतरा होता है। इससे पूरी इलेक्ट्रिकल प्रणाली फेल हो सकती है और कार की परफॉर्मेंस पर असर पड़ सकता है। इसके अलावा, इंजन के एयर इनटेक में पानी जाने से हाइड्रोलॉक जैसी गंभीर समस्या हो सकती है, जिससे इंजन पूरी तरह बंद हो सकता है और महंगी मरम्मत की जरूरत पड़ सकती है। फ्यूल टैंक के ढक्कन और फ्यूल फिलर के आसपास पानी चला जाए तो ईंधन में पानी मिल सकता है, जिससे इंजन के प्रदर्शन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। इसी तरह, आधुनिक कारों में लगे एबीएस सेंसर, पार्किंग सेंसर और रिवर्स कैमरा जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भी पानी के कारण खराब हो सकते हैं, जिससे उनकी रिपेयरिंग का खर्च बढ़ सकता है। सस्पेंशन और ब्रेक सिस्टम पर पानी का ज्यादा संपर्क जंग लगने की समस्या पैदा कर सकता है, जिससे कार की सुरक्षा प्रभावित हो सकती है। वहीं, कार के इंटीरियर में पानी जाने से फर्श, सीट्स और डैशबोर्ड पर फंगस और बदबू की समस्या हो सकती है, जिससे सफाई और मरम्मत का अतिरिक्त खर्च बढ़ सकता है। इसलिए, कार धोते समय हमेशा सावधानी बरतनी चाहिए और संवेदनशील हिस्सों पर पानी जाने से बचना चाहिए ताकि आपकी कार लंबे समय तक बेहतरीन स्थिति में बनी रहे। बता दें कि कार की सही देखभाल उसके प्रदर्शन और जीवनकाल को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाती है।

मर्सिडीज की 1954 मॉडल रेसिंग कार ने बनाया रिकॉर्ड, नीलामी में 460 करोड़ में बिकी

बर्लिन ।

मर्सिडीज की 1954 मॉडल रेसिंग कार ने नीलामी में एक नया रिकॉर्ड बनाया है। यह ऐतिहासिक ग्रां प्री कार 460 करोड़ में नीलाम हुई, जिससे यह अब तक की सबसे महंगी बिकने वाली रेसिंग कार बनी है।

क्यों खास है यह मर्सिडीज रेसिंग कार?

नीलामी में बनाया रिकॉर्ड- यह कार एक अज्ञात खरीदार ने खरीदी, जिसकी पहचान उजागर नहीं की गई है। इसके पहले 2013 में एफ1 कार मॅकलारेन एमपी 4/4 करी 140 करोड़ में बिकी थी, लेकिन अब इस मर्सिडीज ने नया रिकॉर्ड नाया है। मर्सिडीज-बेंज डब्ल्यू 196 को 1954-55 में ग्रां प्री रेसिंग लिए बनाया गया था। इस कार ने जर्मनी, स्विट्जरलैंड और इटली सी प्रतिष्ठित रेसों में जीत दर्ज की थी। यह मर्सिडीज के लिए उस दौर में एक नई तकनीकी क्रांति लेकर आई थी। इस ऐतिहासिक नीलामी से साफ है कि विंटेज रेसिंग कारों की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है और ये ऑटोमोबाइल प्रेमियों के लिए बेहद कीमती धरोहर बनती जा रही हैं।

क्रिप्टो की कमाई को छुपाने पर 60 फीसदी टैक्स और 50 फ़ीसदी जुर्माना

नई दिल्ली । 2025 के केंद्रीय बजट में क्रिप्टो करेंसी के निवेशकों को बड़ा झटका लगा है। बजट में क्रिप्टो से होने वाली आय पर मौजूदा टेक्स को बरकरार रखा गया है। क्रिप्टो के ट्रांजैक्शन में सरकार निगाह रखेगी। क्रिप्टो के किसी भी निवेशक ने यदि अपनी जानकारी छुपाई,ऐसी स्थिति पर उनके ऊपर 60 फ़ीसदी टैक्स और 50 फ़ीसदी जुर्माना लगाने का प्रावधान किया गया है।

8वें वेतन आयोग लागू होते ही चपरासी से अधिकारी तक की होगी बल्ले-बल्ले

सैलरी में 2.86 के फिटमेंट फैक्टर के आधार पर हो सकती है बढ़ोतरी

नई दिल्ली।

पीएम नरेंद्र मोदी ने जनवरी 2025 में 8वें वेतन आयोग के गठन को मंजूरी दी थी, जो 1 जनवरी 2026 से लागू होगी। इसके बाद देशभर के सरकारी कर्मचारियों की सैलरी में बढ़ोतरी हो जाएगी। विशेषज्ञों के मुताबिक 8वें वेतन आयोग में कर्मचारियों की सैलरी में 2.86 के फिटमेंट फैक्टर के आधार पर बढ़ सकती है। जैसे चपरासी और सपोर्ट स्टाफ कर्मचारियों की मौजूदा बेसिक सैलरी 18,000 रुपए है। 2.86 फिटमेंट फैक्टर से इनकी सैलरी बढ़कर 51,480 रुपए हो जाएगी, जो कि 33,480 रुपए की बढ़ोतरी होगी। वहीं लोअर डिविजन क्लर्क की सैलरी 19,900 रुपए है। इनकी सैलरी 56,914 रुपए हो जाएगी, जिसमें 37,014 रुपए की बढ़ोतरी होगी। पुलिस कॉन्स्टेबल और स्किल स्टाफ की मौजूदा सैलरी 21,700 रुपए है। 8वें वेतन आयोग के बाद इनकी सैलरी 62,062 रुपए हो जाएगी, जो कि 40,362 रुपए बढ़ेगी। पुलिस स्टेनोग्राफर और जूनियर क्लर्क की सैलरी 25,500 रुपए है। इनकी सैलरी बढ़कर 72,930 रुपए हो जाएगी, जो कि 47,430 रुपए की वृद्धि होगी। सीनियर क्लर्क और हाई लेवल टेक्निकल ऑफिसर की मौजूदा सैलरी 29,200 रुपए है। 8वें वेतन आयोग के लागू होने के बाद इनकी सैलरी 83,512 रुपए हो जाएगी, जिसमें 54,312 रुपए की बढ़ोतरी होगी। इंस्पेक्टर और सब-इंस्पेक्टर की सैलरी 35,400 रुपए है। 8वें वेतन आयोग के लागू होने पर इनकी सैलरी 1,01,244 रुपए हो जाएगी, जो कि 65,844 रुपए बढ़ेगी। वहीं सुपरिटेंडेंट, सेक्शन ऑफिसर और असिस्टेंट इंजीनियर की मौजूदा सैलरी 44,900 रुपए है। इनकी सैलरी 1,28,414 रुपए हो जाएगी, जिसमें 83,514 रुपए की बढ़ोतरी होगी।

अब एटीएम से बार-बार कैश निकालने वालों को देनी होगी ज्यादा फीस

आरबीआई एटीएम चार्ज और इंटरचेंज फीस बढ़ाने पर कर रहा विचार

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) एटीएम से कैश निकालने वाले लोगों के लिए बदलाव करने की तैयारी कर रहा है। अब एटीएम से कैश निकालना महंगा हो सकता है क्योंकि आरबीआई एटीएम इंटरचेंज फीस और मुफ्त निकासी की सीमा के बाद लगने वाले चार्ज बढ़ाने पर विचार कर रहा है। रिजर्व बैंक मौजूदा समय में महीने में 5 कैश विथड्रावल फ्री देता था लेकिन अब आरबीआई इन 5 लेनदेन की लिमिट से ज्यादा पर लगने वाले चार्ज और एटीएम इंटरचेंज फीस को बढ़ाने की प्लानिंग कर रहा है। एक रिपोर्ट में जानकारी रखने वाले लोगों का हवाला देते हुए बताया गया कि एनपीसीआई ने पांच बार फ्री लिमिट पूरी होने के बाद कैश निकालने के चार्ज को मौजूदा चार्ज 21 रुपए से बढ़ाकर 22 रुपए करने की सिफारिश की है। इसके अलावा एनपीसीआई ने कैश लेनदेन के लिए एटीएम इंटरचेंज फीस को 17 रुपए से बढ़ाकर 19 रुपए करने की भी सिफारिश की गई है। इंटरचेंज फीस दूसरे बैंक के एटीएम से एक लिमिट के बाद पैसे निकालने पर लगाई जाती है यानी कि यह एटीएम सर्विस इस्तेमाल करने के बदले एक बैंक की तरफ से दूसरे बैंक को दी जाने वाली फीस है। रिपोर्ट के मुताबिक बैंक और व्हाइट-लेबल एटीएम ऑपरेटर मेट्रो और नॉन-मेट्रो शहरों में फीस बढ़ाने की एनपीसीआई की सिफारिश से सहमत हैं लेकिन अभी इस मामले में भारतीय रिजर्व बैंक और एनपीसीआई ने कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है। रिपोर्ट के मुताबिक बढ़ती महंगाई और पिछले दो सालों में 1.5-2 फीसदी की दर से बढ़ते उधार लागत, ट्रांसपोर्टेशन पर ज्यादा खर्च, कैश रीप्लेनिशमेंट और लागत के कारण नॉन-मेट्रो शहरों में एटीएम चलाने का खर्चा तेजी से बढ़ रहा है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। आज कारोबार के दौरान 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 312.53 अंकों या 0.40 फीसदी की गिरावट के साथ ही 78,271.28 पर बंद हुआ। दिनभर के कारोबार में सेंसेक्स ने 78,735.41 के उच्चतम स्तर और 78,226.26 के निचले स्तर पर पहुंचा।

वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 42.95 अंक तकरीबन 0.18 फीसदी नीचे आकर 23,696.30 पर बंद हुआ।

निफ्टी के 25 शेयर नुकसान के साथ ही आज लाल निशान में बंद हुए। इनमें एशियन पेंट्स, टाइटन कंपनी, नेस्ले इंडिया, ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज और टाटा कंज्यूमर शामिल रहे, जिनमें सबसे अधिक 3.40 फीसदी तक की गिरावट देखी गई जबकि ओएनजीसी, हिंदाल्को, अपोलो हॉस्पिटल्स और बीपीसीएल सबसे अधिक लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। इनमें 2.90

फीसदी तक की बढ़त दर्ज की गयी।

बेंचमार्क इंडेक्स से बेहतर प्रदर्शन किया, जहां स्मॉल-कैप शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़त रही। वहीं निफ्टी स्मॉलकैप100 इंडेक्स 1.85 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ, जबकि निफ्टी मिडकैप100 इंडेक्स ने 0.68 फीसदी की बढ़त दर्ज की। एनएसई के सेक्टोरल इंडेक्स भी अधिकतर लाभ के साथ ही ऊपर आकर बंद हुए। एफएमसीजी, रियल्टी, ऑटो और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स इंडेक्स 1.75 फीसदी तक की गिरावट रहीए। दूसरी ओर अन्य सेक्टर्स में निफ्टी पीएसयू बैंक, मेटल, ओएमसी और मीडिया इंडेक्स एक फीसदी से अधिक की बढ़त रही। वहीं गत दिवस बाजार भारी तेजी के साथ द हुआ था। इससे पहले आज सुबह बाजार कं सकारात्मक शुरुआत हुई। वहीं आज एशियाई ाजारों की कमजोर शुरुआत रही। सेंसेक्स और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी अभी 27 सितंबर के अपने रिकॉर्ड हाई लेवल से तकरी न 8.6 फीसदी और 9.7 फीसदी नीचे हैं। ये आंकड़े विदेशी निवेशकों की लगातार कवाली के साथ-साथ धीमी आर्थिक और कंपा यों के तिमाही परिणामों से प्रभावित हुए है। अ रिकी शेयरों में तेजी के बाद बुधवार को एशिअ ई बाजारों में भी तेजी रही।

मारुति सुजुकी ने की 2,12,251 यूनिट्स की बिक्री

नई दिल्ली । मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने जनवरी 2025 में 2,12,251 यूनिट्स की बिक्री कर अपनी अब तक की सबसे अधिक मासिक सेल दर्ज की। यह आंकड़ा जनवरी 2024 में बेची गई 1,99,364 यूनिट्स से ज्यादा है, जिससे कंपनी ने सालाना आधार पर ग्रोथ दर्ज की। हालांकि, छोटी कारों के सेगमेंट में गिरावट देखी गई। ऑल्टो और एस-प्रेसो जैसी कारों की बिक्री में कमी आई, जिससे यह आंकड़ा जनवरी 2024 में 15,849 यूनिट्स से घटकर 14,247 यूनिट्स रह गया। इस सेगमेंट की वायटीडी सेल भी गिरकर 1,03,889 यूनिट्स पर आ गई, जो पिछले साल इसी अवधि में 1,15,483 यूनिट्स थी। दूसरी ओर, बलेनो, सेलेरियो और डिजायर जैसी कॉम्पैक्ट कारों की बिक्री में वृद्धि दर्ज की गई। जनवरी 2024 में 76,533 यूनिट्स बिकी थीं, जो बढ़कर 82,241 यूनिट्स हो गई। हालांकि, इस सेगमेंट की वायटीडी सेल पिछले साल 6,86,544 यूनिट्स के मुकाबले घटकर 6,30,889 यूनिट्स रह गई। मारुति की सेडान सियाज़ की मांग में भी इजाफा हुआ। जनवरी 2024 में 363 यूनिट्स की बिक्री हुई थी, जो जनवरी 2025 में बढ़कर 768 यूनिट्स हो गई। वहीं, मारुति ईको की बिक्री जनवरी 2024 में 12,019 यूनिट्स थी, जो जनवरी 2025 में घटकर 11,250 यूनिट्स रह गई। कुल मिलाकर, जनवरी 2025 में मारुति सुजुकी की पैसेंजर व्हीकल्स की घरेलू बिक्री 1,73,599 यूनिट्स रही, जबकि वायटीडी आधार पर 14,49,233 यूनिट्स दर्ज की गई, जिससे कंपनी ने शानदार ग्रोथ हासिल की।हालांकि, वायटीडी सेल घटकर 6,629 यूनिट्स हो गई, जबकि पिछले साल यह 9,266 यूनिट्स थी। यूटिलिटी वाहनों की मजबूत मांग ने कंपनी की कुल बिक्री में बड़ा योगदान दिया। जनवरी 2025 में इस सेगमेंट में 65,093 यूनिट्स बिकीं।

दालों में आत्मनिर्भर बनेगा भारत, 2029 तक आयात खत्म करने के लिए 1 हजार करोड़ होंगे खर्च

नई दिल्ली।

भारत को दालों की आपूर्ती के लिए किसी देश की तरफ नहीं देखना पड़ेगा। 2029 तक दालों के मामले में भारत आत्म निर्भर हो जाएगा। इसके लिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक हजार करोड़ का प्रावधान किया है। निर्मला सीतारमण ने कहा, हमारी सरकार अब दलहन में आत्मनिर्भरता के लिए छह साल का मिशन शुरू करेगी। जिसमें तुअर (अरहर), उड़द और मसूर की दाल की पैदावार पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। भारत मुख्य रूप से कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, म्यांमार, मोजाम्बिक, तंजानिया, सूडान और मलावी से दालों का आयात करता है। इसके लिए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को एक लक्ष्य दिया गया है। लक्ष्य यह है कि साल 2029 तक देश में दालों की मांग को पूरा करने के लिए आयात पर भारत की निर्भरता को खत्म करना है। 2025-26 के केंद्रीय बजट में इस योजना के लिए 1,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इस पैसे से तीन दलहन फसलों के संबंध में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) आधारित खरीद और भंडारण की सुविधा प्रदान की जाएगी।

पिछले साल 4 जनवरी को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य घोषित किया था कि भारत 2028-29 तक दालों का आयात बंद कर देगा। अमित शाह ने नेशनल एग्रीकल्चरल कोऑपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (नेफेड) द्वारा तुअर (अरहर) खरीदने के कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए कहा था, दिसंबर 2027 तक देश को दालों के मामले में आत्मनिर्भर बनने की कोशिश करनी चाहिए। हम जनवरी 2028 से एक किलो दाल भी आयात नहीं करेंगे। पिछले साल अल नीनो मौसमी पैटर्न के कारण दालों की कीमतें बढ़ गईं, जो अधिकांश भारतीयों के लिए प्रोटीन का एक सामान्य सोर्स है। जबकि 2015-16 के बाद से कुल घरेलू उत्पादन में 37 फीसदी की वृद्धि हुई है, जिससे भारत को पहले ही आयात में कटौती करने में मदद मिली है।

फिर भी, दालों में आत्मनिर्भरता का लक्ष्य हासिल नहीं हो पाया है, जिससे कीमतें ऊंची बनी हुई हैं। प्रोटीन आधारित दालों की कीमतों में तेजी इंफ्लेशन और घरेलू खर्च बढ़ने का एक महत्वपूर्ण कारण हो सकती है। पिछले साल दालों में इंफ्लेशन लगभग 17 फीसदी बढ़ी, जिसका मुख्य कारण लगातार दो सालों से खराब मौसम और खराब मानसून के कारण कम उत्पादन था।

लोगों के सिर पर चढ़ा म्युचुअल फंड का जादू, पिछले 10 वर्षों में ही कारोबार 6 गुना बढ़ा

मुंबई । भारत में म्युचुअल फंड का क्रेज तेजी से बढ़ रहा है। पिछले 10 वर्षों में ही म्युचुअल फंड कारोबार 6 गुना से ज्यादा बढ़ी है। इसका एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (यूएम) दिसंबर 2024 में 67 लाख करोड़ तक पहुंच गया। रिपोर्ट के अनुसार, इस ग्रोथ में इक्विटी फंड्स का दबदबा कायम रहा, जो कुल एयूएम का 60.19 प्रतिशत है। दिसंबर तिमाही में म्युचुअल फंड्स में 198 हजार करोड़ का नेट इनफ्लो आया, जिसमें सक्रिय इक्विटी और फ्लेक्सी कैप फंड्स प्रमुख रहे। रिपोर्ट के अनुसार, भारत की एसेट मैनेजमेंट इंडस्ट्री ने पिछले 10 वर्षों में 6 गुना से अधिक का शानदार वृद्धि दर्ज की है। दिसंबर 2014 में जहां इसका एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) 10.51 लाख करोड़ था, वह दिसंबर 2024 तक बढ़कर 66.93 लाख करोड़ पर पहुंच गया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि कुल एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (एएमयू) में सबसे बड़ा हिस्सा 60.19 प्रतिशत के साथ इक्विटी फंड्स का है। इसके बाद 6.77 प्रतिशत डेट फंड्स में, 8.58 प्रतिशत हाइब्रिड फंड्स में और 4.45 प्रतिशत अन्य निवेश विकल्पों में है। इन आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि निवेशकों की पहली पसंद अभी भी इक्विटी फंड्स बने हुए हैं। दिसंबर तिमाही में म्युचुअल फंड इंडस्ट्री ने 198 हजार करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश दर्ज किया, जिसमें सबसे अधिक योगदान इक्विटी फंड्स का रहा, खासतौर पर एक्टिव सेगमेंट में।

अल्ट्रावॉयलेट ऑटोमोटिव ने लांच की एफ77 सुपरस्ट्रीट बाइक

नई दिल्ली । भारत में दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी अल्ट्रावॉयलेट ऑटोमोटिव ने अपनी एफ77 सुपरस्ट्रीट इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल लांच की है जिसकी शुरुआती कीमत 2.99 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) है। इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल एफ77 मैक 2 की तरह दो वेरिएंट में आती है - स्टैंडर्ड और रिकॉन। नई इलेक्ट्रिक बाइक के लिए बुकिंग आज से शुरू हो रही है, और डिलीवरी मार्च 2025 में शुरू होगी। इसके रेंज 211 किमी और टॉप स्पीड 151 केएमपीएच है। एफ77 सुपरस्ट्रीट के स्टैंडर्ड वेरिएंट की कीमत 2,99,000 रुपये है, जबकि रिकॉन वेरिएंट की कीमत 3,99,000 रुपये है। दोनों कीमतें शुरुआती और एक्स-शोरूम हैं। नई इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल को आप कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट के जरिए बुक कर सकते हैं। यह टर्बो रेड, आफ्टरबर्नर येलो, स्टेलर व्हाइट और कॉस्मिक ब्लैक में उपलब्ध है। इलेक्ट्रिक बाइक सिंगल-पीस हैंडलबार के साथ आती है जो मैक 2 की तुलना में चौड़ी और ऊंची है। इसके अलावा,अपराइट राइडिंग को ज्यादा कंफर्टेबल बनाने के लिए फुटपेग की पोजीशन में भी बदलाव किया गया है।अल्ट्रावायलेट एफ77 सुपरस्ट्रीट को बेहतर राइडिंग एर्गोनॉमिक्स के साथ लॉन्च किया गया है। इसका मतलब है कि नई लॉन्च की गई मोटरसाइकिल में अपराइट राइडिंग पोजीशन दी गई है जो सिटी कम्यूट और शार्ट राइड्स को आरामदायक बनाती है।

राहुल गांधी की देश-विरोधी बचकानी राजनीति

ललित गर्ग

राहुल गांधी नेता प्रतिपक्ष हैं और उन्होंने अन्य सांसदों की ही तरह देश की अखंडता और एकता की रक्षा करने की शपथ ली थी, लेकिन उनके द्वारा समय-समय पर दिये गये वक्तव्य एवं टिप्पणियां पूरी तरह से राष्ट्र विरोधी है। ऐसा लगता है कि राहुल गांधी भारत विरोधी अलगाववादी समूह के नेता बनने की राह पर अग्रसर हैं और उनका इरादा भारत की एकता, अखंडता और सामाजिक सद्भाव को नष्ट करना और देश को गृहयुद्ध की ओर धकेलना है।

एक बार फिर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को नीचा दिखाने के इरादे से ऐसा बयान दिया है जो भारत की साख को आघात लगाने वाला है बल्कि देश की एकता एवं अखण्डता को ध्वस्त करने वाला है। राहुल गांधी किस तरह गैर जिम्मेदाराना बयान देने में माहिर हो गए हैं, यह इस कथन से फिर सिद्ध हुआ कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर इसलिए बार-बार अमेरिका जा रहे थे, ताकि भारतीय प्रधानमंत्री को डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में बुलाया जाए। राहुल गांधी मोदी-विरोध में कुछ भी बोले, यह राजनीति का हिस्सा हो सकता है, लेकिन वे मोदी विरोध के चलते देश-विरोध में जिस तरह के अनाप-शनाप दावे करते हुए गलत बयान देते हैं, वह उनकी राजनीतिक अपरिपक्वता एवं बचकानेपन को ही दशार्ता है। आखिर कब राहुल एक जिम्मेदार एवं विवेकवान प्रतिपक्ष के नेता बनेंगे?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से राजनीति से हटकर भी गहरे व्यक्तिगत आत्मीय मित्रवत संबंध है, इसलिये उनका शपथ ग्रहण समारोह में बुलाने पर किसी तरह का संदेह नहीं हो सकता। लेकिन इस बात को लेकर राहुल के बयान पर हैरानी होना स्वाभाविक है। यही कारण है कि लोकसभा में संसदीय कार्यमंत्री किरण रिजिजू ने राहुल गांधी की इस विचित्र बात पर आपत्ति जताई, बल्कि विदेश मंत्री जयशंकर ने भी नाराजगी प्रकट करते हुए कहा कि वह ऐसी बात कहकर भारत की छवि खराब करने का काम कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि राहुल गांधी के झूठ का उद्देश्य राजनीतिक हो सकता है, लेकिन ऐसे झूठे, भ्रामक एवं गुमराह करने वाले बयान से भारत की छवि को गहरा नुकसान हुआ है। यह तय है कि विदेशी मंत्री के प्रतिवाद का राहुल गांधी की सेहत पर कोई असर नहीं पड़ने वाला है। ऐसी मिथ्या बातें करके वे प्रधानमंत्री पर हमला करने का कोई अवसर नहीं चुकते। वह प्रधानमंत्री के रूप में नरेन्द्र मोदी को कोई महत्व नहीं देते। आखिर यह किसी से छिपा नहीं कि वह उनके खिलाफ तू-तड़ाक वाली अशालीन एवं अमर्यादित भाषा का उपयोग करते रहे हैं। विडंबना यह है कि इस आदत का परित्याग वह नेता प्रतिपक्ष का पद हासिल करने के बाद भी नहीं कर पा रहे हैं। समस्या केवल यह नहीं कि वह प्रधानमंत्री पद की गरिमा की परवाह नहीं करते। समस्या यह भी है कि वह प्रायः ऐसी बचकानी बातें कर जाते हैं, जो राष्ट्रीय हितों के प्रतिकूल होती हैं या दूसरे देशों से संबंधों पर बुरा असर डालती हैं।

राहुल गांधी नेता प्रतिपक्ष हैं और उन्होंने अन्य सांसदों की ही तरह देश की अखंडता और एकता की रक्षा करने की शपथ ली थी, लेकिन उनके द्वारा समय-समय पर दिये गये वक्तव्य एवं टिप्पणियां पूरी तरह से राष्ट्र विरोधी है। ऐसा लगता है कि राहुल गांधी भारत विरोधी अलगाववादी समूह के नेता बनने की राह पर अग्रसर हैं और उनका इरादा भारत की एकता, अखंडता और सामाजिक सद्भाव को नष्ट करना और देश को गृहयुद्ध की ओर धकेलना है। इस तरह राहुल गांधी द्वारा देश में विभाजन के बीज बोने के प्रयास निंदनीय ही नहीं, घोर चिन्तनीय है। सत्ता के लालच में कांग्रेस एवं उनके नेता देश की अखंडता के साथ समझौता और आम आदमी के भरोसे को तोड़ने से बाज नहीं आ रहे हैं। राहुल के बयानों से ऐसा प्रतीत होता है कि उनकी लड़ाई सिर्फ भाजपा और आरएसएस से नहीं, बल्कि भारत से है। राहुल गांधी अक्सर भारत राष्ट्र अर्थात भारत के संविधान यानी आंबेडकर के संविधान के खिलाफ विषवमन करते दिखाई देते हैं। गांधी परिवार की ह्यमुंह में राम और बगल में छुरीह्न वाली कहावत जनता के सामने बार-बार आती रही है। आंबेडकर के अस्तित्व को नकार कर भारत के संविधान को बदलने के बाद गांधी परिवार देश का विभाजन, दुश्मन देश के नेताओं एवं शक्तियों के सपनों का टुकड़ों वाला भारत चाहता है। आखिर राहुल गांधी और कांग्रेसी किस बात के लिए संविधान की प्रति लेकर चलते हैं? इस तरह एक गैर जिम्मेदार और बचकाने नेता का लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष होना क्या देश का दुर्भाग्य नहीं है? राहुल गांधी को गंभीर आत्मनिरीक्षण करने की जरूरत है।

राहुल गांधी अपने आधे-अधूरे, तथ्यहीन एवं विध्वंसात्मक बयानों को लेकर निरन्तर चर्चा में रहते हैं। उनके बयान हास्यास्पद होने के साथ उद्देश्यहीन एवं उच्छृंखल भी होते हैं। राहुल ने पहले भी बातों-बातों में यह कहा था कि चीन ने भारत की जमीन पर कब्जा कर लिया है। वह देश के प्रमुख विपक्षी दल के नेता हैं। सरकार की नीतियों से नाराज होना, सरकार के कदमों पर सवाल उठाना उनके लिए जरूरी है। राजनीतिक रूप से यह उनका कर्तव्य भी है। लेकिन चीन के साथ उनकी सहानुभूति अनेक प्रश्नों को खड़ा करती है। ऐसे ही सवालों में आज तक इस सवाल का जवाब भी नहीं मिला कि आखिर राजीव गांधी फाउंडेशन को चीनी दूतावास से चंदा लेने की जरूरत क्यों पड़ी? वह यह नहीं बताते कि 2008 में अपनी बीजिंग यात्रा के दौरान सोनिया गांधी और उन्होंने कम्युनिस्ट पार्टी से समझौता क्यों किया था? इतना ही नहीं, जब राहुल गांधी राफेल विमान सौदे में कथित दलाली खोज लाए थे, तो यहां तक कह गए थे कि खुद फ्रांस के राष्ट्रपति ने उन्हें बताया था कि दोनों देशों में ऐसा कोई समझौता नहीं, जो राफेल विमान की कीमत बताने से रोकता हो। उनके इस झूठ का खंडन फ्रांस की सरकार को करना पड़ा था। डोकलाम विवाद के समय वह भारतीय विदेश मंत्रालय को सूचित किए बिना किस तरह चीनी राजदूत से मुलाकात करने चले गए थे। जब इस मुलाकात की बात सार्वजनिक हो गई तो उन्होंने यह विचित्र दावा किया कि वह वस्तुस्थिति जानने के लिए चीनी राजदूत से मिले थे। क्या इससे अधिक गैरजिम्मेदाराना हरकत और कोई हो सकती है?

राहुल गांधी के गैरजिम्मेदाराना बयानों से यही पता चलता है कि उन्हें न तो प्रधानमंत्री की बातों पर यकीन है, न रक्षा मंत्री की और न ही विदेश मंत्री की। यह भी स्पष्ट है कि उन्हें शीर्ष सैन्य अधिकारियों पर भी भरोसा नहीं। ध्यान रहे, वह सर्जिकल और एयर स्ट्राइक पर भी बतूके सवाल खड़े कर चुके हैं। उनकी कार्यशैली एवं बयानबाजी में अभी भी बचकानापन एवं गैरजिम्मेदाराना भाव ही झलकता है। लगता है कांग्रेस के शीर्ष नेता एवं प्रतिपक्ष के नेता होने के कारण वे अहंकार के शिखर पर चढ़ बैठे हैं, निश्चित ही राहुल के विष-बुझे बयान इसी राजनीतिक अहंकार से उपजे हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि भारत के सबसे बड़े दुश्मन राष्ट्र की वे तरफदारी करते एवं चीन के एजेंडे को बल देते नजर आते हैं। उनका यह रवैया नया नहीं, लेकिन यह देश के लिये घातक है। इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद-370 हटाए जाने के मोदी सरकार के फैसले की राहुल गांधी की अनावश्यक आलोचना को पाकिस्तान ने अपने पक्ष में भुनाने का काम किया था। अब भी वह सीमा विवाद पर चीन की बातों को अहमियत देते हैं और भारत सरकार की जानकारी पर यकीन नहीं करते। जनता यह गहराई से देख रही है कि राहुल किस तरह गलवान में हमारे सैनिकों की वीरता-शौर्य-बलिदान पर सवाल उठाते रहे हैं, भारत की बढ़ती साख, सुरक्षा एवं विकास की तस्वीर को बट्टा लगा रहे है। यह समझ आता है कि वह घरेलू मुद्दों पर सरकार को घेरें और उसकी आलोचना करें, लेकिन कम से कम ऐसी निराधार और मनगढ़ंत बातें तो न करें, जिससे प्रधानमंत्री पद का उपहास उड़े, देश हित आहत हो।

उल्लेखनीय बात यह है कि निन्दक एवं आलोचक कांग्रेस को सब कुछ गलत ही गलत दिखाई दे रहा है। मोदी एवं भाजपा में कहीं आहट भी हो जाती है तो कांग्रेस में भूकम्प-सा आ जाता है। मजे की बात तो यह है कि इन कांग्रेसी नेताओं को मोदी सरकार की एक भी विशेषता दिखाई नहीं देती, कितने ही कीर्तिमान स्थापित हुए हो, कितने ही आयाम उद्घाटित हुए हो, कितना ही देश को दुश्मनों से बचाया हो, कितनी ही सीमाओं एवं भारत भूमि की रक्षा की हो, कितना ही आतंकवाद पर नियंत्रण बनाया हो, कितनी ही देश के तरक्की की नई इबारतें लिखी गयी हो, समूची दुनिया भारत की प्रशंसा कर रही हो, लेकिन इन राहुल एवं कांग्रेसी नेताओं को सब काला ही काला दिखाई दे रहा है। कमियों को देखने के लिये सहस्त्राक्ष बनने वाले राहुल अच्छाई को देखने के लिये एकाक्ष भी नहीं बन सके हैं?

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

राहुल का चीन गान

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी अद्भुत नेता हैं उनके वक्तव्य में समझ और संयम को अलग कर दें तो सब कुछ होता है। संसद में राष्ट्रपति के अभी भाषण पर चर्चा के दौरान उन्होंने भरपूर आत्मविश्वास दिखाया और भरपूर आक्रामकता भी दिखाई। लेकिन उनके भाषण की विषय-वस्तु हमेशा की तरह अटपटी और अलबेली रही। उनके बारे में यह एक स्थापित तथ्य है कि भारती या विदेश में जहां कहीं मोदी या मोदी सरकार के विरुद्ध कुछ घटित होगा या कुछ बोला जाएगा या जहां से भी मोदी को कोई चुनौती मिल रही होगी, चाहे वह देश से हो या विदेश से, राहुल उसके पक्ष में खड़े दिखाई देते हैं। प्रायः उनके भाषण में मोदी विरोध या देश विरोध के बीच की रेखा धुंधली होती है। उन्होंने राष्ट्रपति के समूचे अभिभाषण को पुनरावृत्ति बताते हुए हर मोर्चे पर मोदी सरकार की विफलता को रेखांकित किया और अमेरिकी राष्ट्रपति ड़ोनाल्ड़ ट्रंप के शपथ-ग्रहण समारोह के मामले में यह आरोप भी लगाया कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कई बार अमेरिका जाकर मोदी के लिए निमंत्रण जुटाने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हुए। इस पर विदेश मंत्री ने कड़ी आपत्ति जताते हुए इसे निहायत ही झूठा आरोप बताया और कहा कि उनकी टिप्पणी भारत की छवि खराब करने वाली है। अन्य बातों के अलावा राहुल गांधी के भाषण का एक मुख्य मुद्दा चीन और भारत की तुलना थी जिसमें चीन भारत से कई वर्ष आगे है। उन्होंने कहा कि चीन अपनी विनिर्माण क्षमता से भारत को घेर रहा है। यानी वह अपनी प्रौद्योगिकी क्षमता से भारत के बाजार पर और अपनी सैन्य क्षमता से भारत की जमीन पर कब्जा कर रहा है। चीन जैसी क्षमता हासिल करने की कोशिश न करने के लिए उन्होंने न केवल एनड़ीए सरकार को दोषी ठहराया बल्कि अपनी यूपीए सरकार की भी आलोचना की। अब राहुल गांधी को यह कौन समझाए कि चीन की प्रौद्योगिकी या सैन्य क्षमता हो वह उसकी राज्य व्यवस्था का परिणाम है जिसमें ना तो भारत जैसे लोकतंत्र की कोई जगह है और न अधकचरे विचारों वाले किसी नेता के लिए कोई स्थान है।

चिंतन-मनन

विचार-निर्विचार, चिंतन-अचिंतन

पूरा विश्व, विचारों पर चलता है, सारे आविष्कार, युध्द, आतंकवाद, साहित्य सृजन, भाषण, प्रवचन, तू-तू, मैं-मैं सब विचारों की देन है। विचार ही सब कार्यों को अंजाम देता है। भक्ति, प्रार्थना, व्यवहार, सेवा सब विचारों की देन है। हम सोचते हैं तो करते हैं होता है। अब प्रश्न यह है कि विचार कैसे हो, दो श्रेणियों में बांटा गया है उन्हें, सकारात्मक, नकारात्मक, सकारात्मकता निर्माण करती है, नकारात्मकता विध्वंस, मनुष्य ने सभ्यता को ऊंचाई तक पहुंचाया है एक तरफ तो दूसरी तरफ नृशंसता के गर्त में भी। जैसे विचार वैसा वातावरण और वृत्त। विचार करना सुविचार करना कोई किसी को जबरदस्ती नहीं सीखा सकता क्योंकि संस्कार, लालन-पालन, शिक्षा, मनन-चिंतन, संगति, वातावरण से विचारों में परिवर्तन होता है। पता नहीं यह दुनिया कब से बनी है, मनुष्य ने सोचना कब से शुरू किया, उसमें कैसे-कैसे परिवर्तन होते गया यह एक बड़ा गूढ़ विषय है। इस पर शाष्त्र रचे जा सकते हैं। विचारों ने ही तो इतना ज्ञान इस विश्व को दिया है विज्ञान, साहित्य, शिक्षा, राजनीति, धर्म, कानून, जैसे-जैसे आवश्यकताएं होती गई या बढ़ती गई सब आविष्कार या रचना होती गई। आतंकवाद, विस्तारवाद, युध्द भी विचारों का खेल है। नेतृत्व के गलत विचारों का खामियाजा पूरे देश को देना होता है, कौम हो देना होता है। धार्मिक उन्माद भी कुछ गलत विचारों की देन है। बुध्दिहीन या कम बुध्दि वाले लोगों को बुध्दिमान चालाक लोग भेड़ों की तरह हांक कर अपने ढंग से उपयोग या दुरुपयोग करते हैं। इन्सान का अपना वजूद जब कमजोर होता है तो वह हिप्मोटाइज हो जाता है दूसरों से और पीछे-पीछे चलने लगता है, उसे पता नहीं होता कि वह कुएं में जाएगा या खाई में। हर कर्म के पीछे विचार होता है। सत्कर्म और बुरे कर्म। बिना विचारे कोई कुछ नहीं करता, यह अलग बात है कि कितनी गहराई और गंभीरता से विचार किया जाता है। आदमी हमेशा विचारों के हिंडोले में हिचकोले खाता रहता है, कभी आनंददायक कभी दुख देने वाले विचारों से स्वास्थ्य, विचार से रोग, वीरोचित कार्य कायराना कार्य। इसलिए विचारों को सुधार लीजिए सब कुछ ठीक हो जाएगा। मेडिकल इंसान और रिसर्च में भी यही पाया गया है कि रोग विचारों की देन है नकारात्मक विचारों की। सकारात्मक विचारों से, आशा, विश्वास से लोग निरोग होते देखे गए हैं। गीता में कहा गया है चित्त वृध्दि निरोध की स्थिति में आना याने सब दृष्टि से संतुलन, शांति, आनंद, निर्भयता में जीना। अति प्रसन्न और अति दुखी होना भी गलत है। हमेशा समस्थिति में रहना। भगवान विष्णु की तरह जो शेष नाग की शैया पर (विषमता) में भी शांत और प्रसन्न रहते हैं हमें हमारे पौराणिक दृष्टांतों से बहुत कुछ हासिल हो सकता है पर हम पढ़े सोचे और चलें तब। सोचिए आपको कैसे जीना है।

यातायात नियमों का उल्लंघन, बेमौत मरते लोग, जिम्मेवार कौन

नरेन्द्र भारती

देश में प्रतिदिन खून से सड़कें लाल हो रही हैं अक्सर देखा गया है की लोग यातायात नियमों का उल्लंघन करते हैं और बेमौत मरते रहते हैं 'बेशक प्रतिवर्ष की तरह 11 जनवरी2025से 17 जनवरी 2025 तक पूरे भारतवर्ष में सड़क सुरक्षा सप्ताह मनाया गया ऐसे आयोजनों प? करोड़ों रुपया खर्च किया गया सेमिनार लगाए गए और कार्यक्रम किये गए ' यातायात के प्रति लोगों को जागरूक किया गया लेकिन सड़क हादसे कम नहीं हो रहे हैं ' सड़क हादसे अभिशाप बनते जा रहे हैं 'मानव जीवन अनमोल है।देश के नागरिको को यातायात के नियमों का पालन करना चाहिए ताकि सड़क हादसों पर रोक लग सके।सड़क सुरक्षा के ऐसे आयोजन औपचारिकता भर रह गए हैं। प्रतिवर्ष सड़क सुरक्षा हेतू करोडों रुपया बहाया जाता है मगर नतीजा वही ढाक के तीन पात ही निकलता है अगर सही तरीके से पैसा खर्चा किया जाए तो इन हादसो पर विराम लग सकता है मगर ऐसा नहीं हो रहा है। हर वर्ष लाखों लोग मारे जा रहे है। प्रतिवर्ष डेढ लाख लोग सड़क हादसों में मारे जाते है।नववर्ष 2025 के पहले सप्ताह से ही लोग सड़क हादसों में मारे जा रहें है।देश में हर रोज इतने भीषण हादसे हो रहे है कि पूरे के पूरे परिवार मौत की नीद सो रहे हैं।कोहरे के कारण हजारों सड़क हादसे हो रहे है प्रतिदिन लोग मारे जा रहे है।यातायात के नियमों का पालन न करने पर ही इन हादसों में निरंतर वृद्वि हो रही है। क्योकि प्रशासन द्वारा लोगों को इन सात दिनों में यातायात नियमों के बारे में बताया जाता है फिर पूरा वर्ष लोग अपनी मनमानी करते है और यातयात नियमों का उल्लंघन करते है और मौत के मुंह में समाते जा रहे है।लापरवाही से सड़कें रक्तरंजित हो रही है।चिराग बूझ रहें हैं।बच्चे अनाथ हो रहे हैं। आज युवा लापरवाही के कारण जान गंवा रहे है।युवा देश के कर्णधार है जो देश का भविष्य है।प्रतिवर्ष लाखों युवा हादसों में बेमौत मारे जा रहे है।इकलौते चिराग अस्त हो रहे है।कोखें उजड़ रही है।माताओं व बहनों का सिंदूर मिट रहर हैं।बच्चे अनाथ हो रहे है।युवाओं को जागरुक करना होगा क्योकि युवा ही विकराल हो रही सड़क हादसों की समस्या को रोक सकते है लॉकडाउन में सड़क हादसों पर लगाम लग गई थी सड़क सुरक्षा सप्ताह पर लाखों रुपया बहाया जाता है मगर फिर भी सुधार नहीं होता।जब तक लोग यातायात के नियमों का उल्लधन करते रहेंगे तब तक इन हादसों में लोग बेंमौत मरतें रहेंगें। देश में जब 22 मार्च 2020 को जब लॉकडाउन लगा था तब हादसे पूरी तरह रुक गए थे।लॉकडाउन के खुलते ही सड़क हादसों में अप्रत्याशित वृद्वि हो गई।कोरोना महामारी में हादसे कम हो गए थे।लॉकडाउन में जगली जानवर सड़को पर विचरण करते थे।परिवहन पूरी तरह बंद था।प्रदूषण भी शून्य हो गया था।साल 2020 के अप्रैल व मई माह में यातायात के साधन बंद हो गए थे।जून माह में ज्यों ही लॉकडाउन खुल गया था तो फिर से करोडों वाहन सड़को पर दौड़ पड़े।जनवरी 2025 से ही सड़क हादसों की रफतार बढ़ती जा रही है । साल 2024 में भी सड़क हादसों का सिलसिला पूरी साल अनवरत चलता रहा था और लोग लाखो लोग हादसों का शिकार होते रहे थे। देश के सैंकडों सैनिक भी सड़क हादसों में शहीद हो गए थे।हजारों लोग बेमौत मारे जा रहे है। प्रतिदिन हो रही दुर्घटनाओं में हजारों लोग अपंग हो गए जो ताउम्र हादसों का दंश झेलते रहेगें देश में हर चार मिनट में एक व्यक्ति सड़क हादसे में मारा जाता है। प्रतिदिन देश की सडकें रक्तरजित हो रही है नौजवानों से लेकर बुजुर्ग काल का ग्रास बन रहे हैं। आंकडें बताते है कि सड़क दुर्घटनाओं में भारत अन्य देशों से शीर्ष पर हैं। शराब पीकर बाहन चलाना तथा चलते वाहनों में मोबाइल का प्रयोग ही हादसों का मुख्य कारण माना जा रहा है। इसके कारण ही लाखों लोग सड़क हादसों में मौत का शिकार हुए।2025 में भी सडक हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे हैं तथा प्रतिदिन दुर्घटनाओं का आंकड़ा बढता ही जा रहा है इसे सरकारों की लापरवाही की संज्ञा देना गलत नहीं होगा। ज्यादातर सड़क हादसे सर्दियों में होते है। लापरवाही के कारण हजारों सड़क हादसे हो रहे है सडक हादसे अभिशाप बनते जा रहे हैं। धुंध के कारण आपसी टक्कर में दुर्घटनाएं होती हैं। देश के प्रत्येक राज्यों में हादसों की दर बढती जा रही है दुर्घटना के बाद मुआवजे की राशि बांटने में व समाचार पत्रों में सुखियों में रहने में प्रशासन व नेता लोग आगे रहते हैं नेताओं द्वारा घड़ियाली आंसू बहाए जातें है।सड़क हादसों को रोकने के लिए एक नीति बनानी होगी।जागरुकता अभियान चलाने होगें।देश की सड़को पर लाशों के चिथड़े बिखर रहे हैं। पंजाब, दिल्ली व उतरप्रदेश व हिमाचल प्रदेश में धूंध के कारण दर्जनों हादसों में सैकड़ों लोग मारे जा रहे हैं। मगर राज्यों की सरकारों को इससे कोई सरोकार नहीं है। देश के प्रत्येक राज्यों में हादसों की दर बढती जा रही है दुर्घटना के बाद मुआवजे की राशि बांटने में व समाचार पत्रों में सुखियों में रहने में प्रशासन व नेता लोग आगे रहते हैं नेताओं द्वारा घड़ियाली आंसू बहाए जातें है।सड़क हादसों को रोकने के लिए एक नीति बनानी होगी।जागरुकता अभियान चलाने होगें। सरकारों को लोगों को यातयात नियमों से संबधित शिविरों का आयोजन करना चाहिए।आज करोडों के हिसाब से वाहन पंजीकृत है मगर सही ढंग से वाहन चलाने वालो की संख्या कम है क्योकि आधे से ज्यादा लोगों को यातयात के नियमों का ज्ञान तक नहीं होता।पुलिस प्रशासन चालान काटकर अपना कर्तव्य निभा रहे है मगर चालान इसका हल नहीं है इसका स्थायी समाधान ढूंढना होगा। बिना हैलमैट के नाबालिग से लेकर अधेड़ उम्र के लोग वाहनो को हवा में चलाते है और दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं। जानबूझकर व नशे की हालत में दुर्घटना करने वाले चालकों के लाईसैस रदद करने चाहिए। ज्यादातर हादसे में नाबालिग चालक ही मारे जाते हैं। प्रशासन की लापरवाही के कारण भी इसमें साफ झलकती है आज ज्यादातर युवा व लोग शराब पीकर व अन्य प्रकार का नशा करके वाहन चलाते है नतीजन खुद ही मौत को दावत देते हैं भले ही पुलिस यन्त्रों के माध्यम से शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर शिकंजा कस रही है मगर फिर भी लोग नियमों का उल्लघन करने से बाज नहीं आ रहे हैं। राज्यों की सरकारों द्वारा पुलिस को दी गई हाईवे पैट्रोलिंग की गाड़ियां भी यातायात को कम करने में नाकाम साबित हो रही हैं।बढती सड़क दुर्घटनाओं के अनेक कारण है सर्वेक्षण में यह बात सामने आई है कि 80 प्रतिशत हादसे मानवीय लापरवाही के कारण होते हैं।लापरवाह लोग सीट बैल्ट तक नहीं लगाते और तेज रफतार में वाहन चलाते हैं।देश में सड़क हादसों में स्कूली बच्चों के मारे जाने के हादसे भी समय-समय पर होते रहते हैं मगर कुछ दिन चैक रखा जाता है फिर वही परिपाटी चलती रहती है।जबकि होना तो यह चाहिए कि इन लापरवाह चालको को सजा देनी चाहिए ताकि मासूम बेमोत न मारे जा सके। अक्सर देखा गया है कि वाहन चालकों के पास प्राथमिक चिकित्सा बाकस तक नहीं होतें ताकि आपातकालिन स्थिती में प्राथमिक चिकित्सा उपलब्ध करवाई जा सके । प्रत्येक साल नवरात्रों में श्रध्दालू मंदिरों में ट्रको में जाते है और गाड़ियां दुर्घटनाग्रस्त हो जाती है तथा मारे जाते हैं। ओबरलोडिग से भी ज्यादातर हादसे होते हैं।सरकार को इन हादसों से सबक लेना चाहिए और व्यवस्था की खामियों को दूर करना चाहिए। सरकारों को अपना दायित्व निभाना चाहिए ताकि सड़क दादसों पर पूरी तरह रोक लग सके। सडक हादसे अभिशाप बनते जा रहे हैं।बेलगाम हो रहे यातायात पर लगाम लगाना सरकार व प्रशासन का कर्तव्य है लोगों को भी इसमें सहयोग करना होगा तभी इस समस्या का स्थायी हल हो सकता है यदि लोग सही तरीके से यातायात नियमों का पालन करते है तो सड़को पर हो रहे मौत के तांडव को रोका जा सकता हैकेन्द्र सरकार को इस पर गौर करना होगा तथा देश में बढ रही सड़क दुर्घटनाओ पर रोक के लिए कारगर कदम उठाने होगें नही तो देश के प्रत्येक महानगरों व शहरों से लेकर गांवों तक हर रोज लाशें बिछती रहेगी लोग मरते रहेंगें।

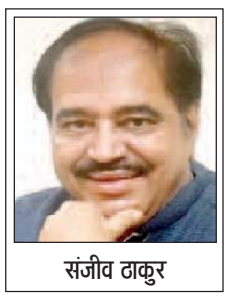

मुद्दाः धार्मिक-सामाजिक संघर्ष की विद्रूपताएं

संजीव ठाकुर

आजादी के बाद से भारत के समक्ष कई सामाजिक आर्थिक समस्याएं आई है। अक्सर सामाजिक क्षेत्र में समस्याओं ने अर्थव्यवस्था की उत्तरोत्तर प्रगति पर अवरोध खड़े किए हैं। देश की सामाजिक विषमताओं ने समाज में कई समस्याओं को जन्म दिया है एवं आर्थिक प्रगति पर विभिन्न सोपानों में लगाम लगाई है। भारतीय समाज में विषमता एवं विविधता भारत के लिए एक बड़ी समस्या बनकर सामने खड़ी है।

स्वतंत्रता के पूर्व तथा स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारतीय समाज में विषमताएं भारत के लिए चुनौती बनकर वर्तमान में कई बाधाएं उत्पन्न कर रही हैं। आज जातिगत संघर्ष बढ़ गए हैं, जातिगत संघर्षों को राजनीतिक महत्त्वाकांक्षा ने बहुत जटिल बना दिया है। राजनीति सदैव महत्त्वाकांक्षा के बल पर जातिगत समीकरण को नये-नये रूप तथा आयाम देती आई है और हमेशा समाज में वर्ग विभेद आर्थिक विभेद कर के अपना उल्लू सीधा करना मुख्य ध्येय बन चुका है उच्च वर्ग तथा निम्न वर्ग सदैव सत्ता के संघर्ष के लिए न सिर्फ एक दूसरे का परस्पर विरोध करते है बल्कि शासन प्रशासन के विरोध में भी खड़े पाए गए हैं। सत्ता पाने की लालसा में जातीय संघर्ष, नक्सलवाद तेजी से समाज में पनपता जा रहा है।

भारतीय परिपेक्ष में आज सिर्फ जाति ही नहीं धार्मिक महत्त्वाकांक्षा समाज के समक्ष चुनौती बन गया है भारत में हिन्दू-मुस्लिम जाति संघर्ष ऐतिहासिक तौर पर अपनी जड़ें जमा चुका है। वर्तमान में मंदिर और मस्जिद के झगड़े देश में अशांति पैदा करने का एक बड़ा सबक बन चुके हैं। और यही वर्ग-विभेद संघर्ष भारतीय आर्थिक विकास के बीच एक बड़ा अवरोध बनकर खड़ा है। पश्चिमी विद्वान भी कहते हैं कि भारत के राष्ट्र के रूप में विकसित होने में जाति एवं धर्म ही सबसे बड़ी बाधाएं हैं, जिन्हें दूर करना सर्वाधिक कठिन कार्य है क्योंकि इसकी जड़ें भारत के स्वतंत्रता के पूर्व से देश में गहराई लिए हुए हैं। जातीय वर्ग संघर्ष और भाषाई विवाद ऐसा मुद्दा रहा है जिससे लगभग एक शताब्दी तक भारत आक्रांत रहा है आजादी के बाद से ही भाषा विवाद को लेकर कई आंदोलन हुए खासकर दक्षिण भारत राज्यों द्वारा हिन्दी को राष्ट्रभाषा बनाए जाने एवं देश पर हिन्दी थोपे जाने के विरोध में विरोध प्रदर्शनों को प्रोत्साहित किया गया। आज भी विभिन्न राज्यों में भाषाई विवाद एक ज्वलंत एवं संवेदनशील मुद्दा बना हुआ है, चाहे वह बंगाल हो, तमिलनाडु हो, आंध्र प्रदेश हो, ओड़िसा और महाराष्ट्र में भी भाषाई विवाद अलग-अलग स्तर पर सतह पर पाए गए हैं। समान सिविल संहिता को लेकर बहुसंख्यक संविधान में आक्रोश है दूसरी तरफ अल्पसंख्यक समुदाय इसलिए डरा हुआ है कि कहीं उसकी अपनी अस्मिता एवं पहचान अस्तित्वहीन ना हो जाए। स्वतंत्रता के बाद से यह विकास की मूल धारणा थी कि पंचवर्षीय योजनाओं में वर्ग विहीन समाज में लोकतांत्रिक एवं धर्मनिरपेक्ष तरीके से समाज का आर्थिक विकास तथा रोजगार के साधन उपलब्ध हो सकेंगे। पर स्वतंत्रता के 75 साल के बाद भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में वर्ग विभेद भाषाई विवाद ने अभी भी आर्थिक विकास में कई बाधाएं उत्पन्न की है। संविधान में सदैव सकारात्मक वर्ग विभेद एवं विकास की अवधारणा को प्रमुखता से शामिल किया गया था और पंचवर्षीय योजनाओं में भी विकास को वर्ग विभेद से अलग रखकर विकास की अवधारणा को बलवती बनाया गया है।

सामाजिक आर्थिक तथा धार्मिक विविधता वाले समाज को विवादों से परे रख आर्थिक विकास की परिकल्पना एक कठिन और दुष्कर अभियान जरूर है पर असंभव नहीं है। और इसी की परिकल्पना को लेकर आजादी के पश्चात से पंचवर्षीय योजनाओं का प्रादुर्भाव सरकार ने समय-समय पर लागू किया है। विकास की अवधारणा में राष्ट्र की मुख्य धारा में समाज के पिछड़े वर्ग को शामिल कर उन्हें सम्मुख लाना होगा। यदि देश के पिछड़ा वर्ग और गरीब तबका विकास की मुख्यधारा से जुड़ता है तो गरीबी, भुखमरी, नक्सलवाद जैसे संकट अस्तित्वहीन हो जाएंगे और ऐसी समस्या धीरे-धीरे खत्म होती जाएगी। आवश्यकता यह है कि हमें राष्ट्रवाद को सर्वोपरि मानकर इस पर अमल करना होगा। फिर चाहे वह सांस्कृतिक राष्ट्रवाद हो या समावेशी राष्ट्रवाद हो। समाज की मुख्यधारा में राष्ट्रवाद को एक प्रमुख अस्त्र बनाकर देश की प्रगति में इसका इस्तेमाल किया जाना चाहिए। आजादी के 76 वर्ष बाद भी ब्रिटिश हुकूमत की तरह गरीबी, भूखमरी, बेरोजगारी, नक्सलवाद, आतंकवाद, सांप्रदायिकता, भाषावाद एवं क्षेत्रीय विघटनकारी प्रवृत्तियां सिर उठाये घूम रही हैं और हम इन पर अभी तक प्रभावी नियंत्रण नहीं लगा पाए हैं। हमें इन सब विसंगतियों से ऊपर उठकर राष्ट्रीय नागरिकता एवं भारत राष्ट्र की विकास की अवधारणा को राष्ट्रवाद से जोड़कर आर्थिक विकास को एक नया आयाम देना होगा, तब जाकर भारत वैश्विक स्तर पर आर्थिक रूप से मजबूत एवं आत्मनिर्भर बन सकेगा।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ्र 09 पटना झ्र 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादकः श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार मैनेजिंग एडिटरः डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादकः डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादकः तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

मेरे काम में मदद करती है शोभिता

नागा चैतन्य और शोभिता धूलिपाला ने अपना रिलेशनशिप दो साल तक सीक्रेट रखा। हालांकि, अब भी शादी के बंधन में बंधने के बाद दोनों साथ में बहुत कम तस्वीरें शेयर करते हैं। नागा अपनी फिल्म थंडेल में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म के प्रमोशन के द चैतन्य ने अपने रिश्ते को लेकर कुछ बातें की हैं।

तनाव से निकलने में करती हैं मदद

नागा चैतन्य ने अपनी आगामी फिल्म थंडेल के प्रमोशन के दौरान अपने रिश्ते को लेकर भी बात की है। उन्होंने कहा कि उनकी पत्नी काम में भी उनकी बहुत मदद करती हैं। चैतन्य ने कहा कि उनकी पत्नी बहुत समझदार हैं, जो हर तनावपूर्ण परिस्थिति से बाहर आने में उनकी मदद करती हैं। उनके चुने प्रोजेक्ट्स के बारे में उन्हें सलाह देती हैं। हर जरूरी राय उनके काम के बारे में वे हमेशा देती रहती हैं।

पत्नी शोभिता देती हैं सही सलाह

नागा चैतन्य ने कहा, मैं अपने सभी विचार उनके पास लेकर जाता हूं। जब भी किसी तरह की उलझन होती है, तो मैं उनके पास जाता हूँ। जब मैं तनाव में होता हूं, तो वह उसे समझ लेती हैं। वह तुरंत मुझसे पूछती हैं, क्या गड़बड़ है? क्या है? वह निश्चित रूप से मेरी बाउंसिंग बोर्ड हैं। वह मुझे बेहतरीन सलाह देती हैं। उनकी राय बहुत ही तटस्थ होती है और वह सही जगह से सोचती हैं। मैं उनकी राय को बहुत महत्व देता हूं। हर चीज उनके जरिए फिल्टर होती है। वह बहुत समझदार हैं।

इस दिन रिलीज होगी फिल्म

नागा चैतन्य की फिल्म 7 फरवरी 2025 को रिलीज होने वाली है। फिल्म का निर्देशन चंदू मोंडेती ने किया। नागा के साथ इस फिल्म में साई पल्लवी भी नजर आने वाली हैं। इससे पहले नागा चैतन्य को अपनी फिल्म 'लव स्टोरी' के लिए काफी सराहनाएं मिली थीं। इस फिल्म में उनके साथ साई पल्लवी नजर आई थीं। दोनों की केमिस्ट्री को काफी पसंद किया गया था।

एटली की ए6 में हुई रश्मिका की एंट्री

सलमान खान और रश्मिका मंदाना पहली बार सिकंदर में साथ नजर आएंगे। वे इस समय फिल्म की शूटिंग भी कर रहे हैं। इसी बीच एक रिपोर्ट आ रही है कि दोनों डायरेक्टर एटली के अगले प्रोजेक्ट के लिए फिर से साथ आने वाले हैं। बताया जा रहा है कि मेकर्स पुष्पा 2 में रश्मिका की एक्टिंग से बहुत प्रभावित हैं।

सूत्रों के हवाले से बताया है, सलमान खान और रश्मिका मंदाना दोनों ने सिकंदर के सेट पर शानदार काम किया। पुष्पा 2 में रश्मिका की एक्टिंग ने सलमान और एटली दोनों को प्रभावित किया। यही वजह है कि निर्माताओं ने सलमान और एटली की आने वाली फिल्म में भी उन्हें साइन करने का फैसला किया है।

रजनीकांत या कमल हासन की कास्टिंग

दिसंबर 2024 में एटली ने कंफर्म किया था कि उनकी फिल्म में सलमान लीड रोल में नजर आएंगे। इसका नाम अभी तय नहीं हुआ है और इसे ए6 टाइटल दिया गया है। कथित तौर पर एटली भारतीय सिनेमा की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक बनाने के लिए रजनीकांत या कमल हासन को लेकर कास्टिंग में बदलाव करने की कोशिश कर रहे हैं।

जल्द होगा धमाकेदार ऐलान

एटली ने बताया ए6 ऐसी फिल्म है, जिसमें बहुत समय और एनर्जी लगती है। हमने स्क्रिप्ट लगभग पूरी कर ली है और हम तैयारी के चरण में हैं। भगवान के आशीर्वाद से जल्द ही एक धमाकेदार ऐलान होगा।

सिकंदर में रश्मिका होंगी

सिकंदर की बात करें तो निर्माताओं ने फिल्म का टीजर जारी कर दिया है। 80 सेकंड के धमाकेदार ट्रेलर में सलमान खान पूरी तरह से एक्शन मोड में नजर आए हैं। ईद 2025 पर रिलीज होने वाली इस फिल्म में सलमान खान और रश्मिका मंदाना के साथ सत्यराज, प्रतीक बब्बर, काजल अग्रवाल और शरमन जोशी जैसे कलाकारों की टुकड़ी है।

जॉन अब्राहम के हाथ लगी रोहित शेट्टी की एक्शन थ्रिलर फिल्म

बॉलीवुड अभिनेता जॉन अब्राहम की नई फिल्म को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। खबर है कि अभिनेता बॉलीवुड के निर्देशक रोहित शेट्टी के साथ अपनी अगली फिल्म के लिए बातचीत कर रहे हैं। रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि यह एक एक्शन थ्रिलर फिल्म होगी। हालांकि, यह फिल्म रोहित शेट्टी की कॉप यूनिवर्स का हिस्सा नहीं होगी।

अप्रैल में शुरू होगी फिल्म की शूटिंग

रिपोर्ट्स के अनुसार, इस फिल्म की कहानी अभी लिखी जा रही है। बताया गया है कि रोहित शेट्टी और जॉन अब्राहम इस फिल्म की शूटिंग अप्रैल, 2025 तक शुरू करने की योजना बना रहे हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया कि रोहित के मन में इस फिल्म का आइडिया काफी समय से था। सिंघम अगेन (2024) रिलीज होने के बाद उन्होंने इस प्रोजेक्ट पर काम करना शुरू कर दिया, जबकि गोलमाल 5 की स्क्रिप्ट लॉक हो गई है।

क्या बायोपिक होगी रोहित शेट्टी की फिल्म?

रोहित शेट्टी पुलिस की कहानियों और कॉमेडी फ्रेंचाइजी से आगे जाना चाहते हैं। जॉन के साथ कुछ प्रारंभिक बैठकें हो चुकी हैं। एक रिपोर्ट में कहा गया था कि यह फिल्म मुंबई पुलिस के पूर्व संयुक्त आयुक्त राकेश मारिया की बायोपिक होगी।

फिल्म का शूटिंग शेड्यूल

फिल्म की शूटिंग मुंबई में 45 दिनों तक चलेगी। बताया गया कि अभिनेता और निर्देशक ने संभावित तारीखों पर चर्चा की है। वे दोनों गर्मियों में इसकी शूटिंग करने करना चाहते हैं, जिसके बाद रोहित खतरों के खिलाड़ी 15 की शूटिंग के लिए चले जाएंगे। यह जॉन अब्राहम की योजना के साथ पूरी तरह मेल खाता है, क्योंकि वह अगस्त में आइल ऑफ मैन पर अपनी मोटरसाइकिल रेसिंग फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे।

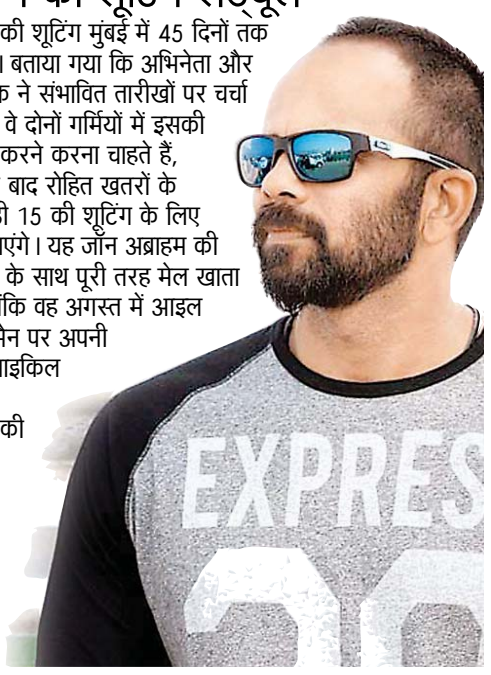

एसएसएमबी 29 के लिए प्रियंका चोपड़ा ने ली इतनी मोटी रकम

बॉलीवुड अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा एसएस राजामौली की बहुप्रतीक्षित फिल्म एसएसएमबी 29 में महेश बाबू के साथ लीड रोल में नजर आ सकती हैं। हालांकि, इस खबर की आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं हुई है, लेकिन रिपोर्ट्स के मुताबिक प्रियंका इस प्रोजेक्ट के लिए तैयारी कर रही हैं।

प्रियंका ने ली मोटी फीस

रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फिल्म के लिए प्रियंका चोपड़ा की फीस लगभग 30 करोड़ रुपये बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि शुरुआती बातचीत में प्रियंका ने इससे भी ज्यादा फीस की मांग की थी, लेकिन निर्माता और प्रियंका के बीच सफल बातचीत के बाद इस रकम पर सहमति बनी। प्रियंका का नाम जुड़ने से एसएसएमबी 29 की लोकप्रियता भारत के साथ विदेश में भी बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है।

विदेशी कलाकारों को कास्ट करने पर हो रहा विचार

एसएसएमबी 29 को लेकर जो जानकारी सामने आई है उसके मुताबिक फिल्म एक एडवेंचर होगी। यह इंडियाना जोंस जैसी क्लासिक फिल्म की लोगों को याद दिला सकती है। फिल्म की टीम विदेशी कलाकारों को भी कास्ट करने पर विचार कर रही है ताकि फिल्म की वैश्विक अपील को और बढ़ाया जा सके।

बड़े बजट में बन रही फिल्म

एसएस राजामौली की फिल्में हमेशा बड़े बजट की शानदार फिल्में बनाने के लिए जाने जाते हैं। एसएसएमबी 29 भी इससे अलग नहीं होने वाली है। महेश बाबू की मौजूदगी और राजामौली की निर्देशन क्षमता। इस फिल्म को एक बड़े हिट के रूप में स्थापित कर सकती है।

दो साल से चल रहा काम

यह फिल्म प्री-प्रोडक्शन में लगभग दो साल से तैयार हो रही है। फिल्म की पटकथा विजयेंद्र प्रसाद ने लिखी है जो राजामौली के पिता हैं। इसकी शूटिंग अप्रैल 2025 में शुरू होने की उम्मीद है। फिल्म की शूटिंग के लिए प्रमुख स्थानों में केन्या और आंध्र प्रदेश के बोरगुफाएं शामिल हैं। महेश बाबू ने अपनी भूमिका के लिए कड़ी ट्रेनिंग ली है और उनकी भूमिका का हनुमान से प्रेरित हो सकता है।

लवयापा के ट्रेलर रिलीज पर कांप रही थीं खुशी कपूर

खुशी कपूर सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली फिल्म लवयापा के लिए पूरी तरह तैयार हैं। अभिनेत्री जल्द ही जुनैद खान नजर आएंगी। फिल्म 7 फरवरी 2025 को फिल्म की रिलीज से पहले इस फिल्म की रिलीज को लेकर बात की है। उन्होंने बताया कि फिल्म की रिलीज को लेकर वे बहुत नर्वस हो रही हैं। जब उन्होंने ट्रेलर लॉन्च पर सिनेमा में ट्रेलर और कुछ गाने देखे तो वह कांप रही थीं। खुशी कपूर ने स्वीकार किया कि सिनेमाघरों में लवयापा की रिलीज के साथ उनकी ओटीटी फिल्म, द आर्चीज की तुलना से उन्हें तनाव हो रहा है। उस पल को याद करते हुए जब उन्होंने फिल्म के ट्रेलर लॉन्च पर पहली बार खुद को बड़े पर्दे पर देखा तो खुशी कपूर ने स्वीकार किया कि वह वास्तव में कांप रही थीं। इस फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज किए जाने को लेकर जुनैद ने कहा कि ओटीटी बनाम सिनेमा का सवाल वितरकों के लिए है, न कि कलाकारों के लिए। जुनैद के मुताबिक माध्यम के फर्क से कलाकारों के लिए कुछ भी नहीं बदलता है। अद्वैत चंदन के निर्देशन में बनी लवयापा 07 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

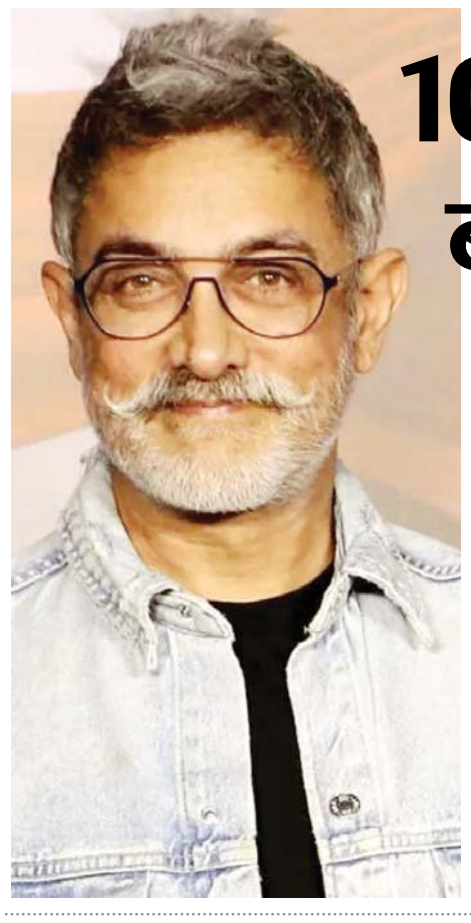

1000 करोड़ रुपये के बजट में बनेगी गजनी 2

सुपरस्टार आमिर खान ने नागा चैतन्य और साई पल्लवी की आने वाली फिल्म थंडेल के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में शिरकत की। इस इवेंट में साउथ के प्रोड्यूसर अल्लू अरविंद भी मौजूद थे। इवेंट के दौरान खान और अरविंद ने बहुचर्चित सीक्वल गजनी 2 के बारे में बड़ा संकेत दिया।

1000 करोड़ी फिल्म बनाएंगे अल्लू अरविंद

मीडिया से बातचीत करते हुए अल्लू अरविंद ने कहा, मुझे आपके साथ 1000 करोड़ की फिल्म बनानी चाहिए। शायद गजनी 2। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए आमिर खान ने कहा, गजनी 2 के बारे में इंटरनेट पर बहुत कुछ कहा जा रहा है। पिछले कुछ समय से ऐसी खबरें आ रही हैं कि अल्लू अरविंद तमिल और हिंदी दोनों में सीक्वल बनाने की योजना बना रहे हैं। अगर रिपोर्ट्स की मानें तो सूर्या गजनी 2 के तमिल वर्जन में मुख्य भूमिका निभाएंगे, जबकि आमिर खान को हिंदी वर्जन के लिए चुना जाएगा।

अल्लू अरविंद ने दिया अपडेट

रिपोर्ट्स के अनुसार, तमिल संस्करण में सूर्या मुख्य भूमिका निभाएंगे, जबकि आमिर हिंदी संस्करण के लिए अपनी भूमिका को दोहराएंगे। एक इंटरव्यू के दौरान सूर्या ने कहा, यह आश्चर्यजनक है कि आपने मुझसे अब गजनी 2 के बारे में पूछा। लंबे समय के बाद अल्लू अरविंद ने सीक्वल के विचार के साथ मुझसे संपर्क किया और पूछा कि क्या यह संभव होगा। मैंने कहा कि निश्चित रूप से सर, हम इस पर विचार कर सकते हैं। हां, बातचीत शुरू हो गई है और चीजें प्रक्रिया में हैं। गजनी 2 हो सकती है।

दोनों संस्करण एक साथ होंगे रिलीज

रिपोर्ट्स के अनुसार, पैन-इंडिया फिल्मों के उदय के साथ ल कप्रिय सितारों के साथ पंथ फिल्मों के रीमेक बन ते जा रहे हैं। सूर्या और आमिर खान दोनों गजनी 2 को लेकर उत्साहित हैं, लेकिन वे फिल्म से जुड़ा रीमेक लेबल नहीं चाहते हैं। वे इस बात से भी चिंतित हैं कि एक संस्करण को दूसरे से पहले रिलीज करने से नयापन खत्म हो सकता है और उन्होंने निर्माताओं के सामने अपनी चिंताएं व्यक्त की हैं। दोनों अभिनेताओं की बात सुनने के बाद अल्लू अरविंद और मधु मंटेना ने एक समाधान निकला कि गजनी 2 के दो संस्करणों को एक साथ शूट करें और उन्हें एक ही दिन रिलीज करें।

स्क्रिप्ट पर काम जारी

निर्माताओं का मानना है कि गजनी जैसी कल्ट क्लासिक का सीक्वल बनाना महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के साथ आता है, क्योंकि पहला भाग दोनों अभिनेताओं के लिए गेम-चेंजर था। उनकी प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि सीक्वल ऑर्गेनिक लगे और इसे केवल पैसों के फायदे के लिए नहीं बनाया गया हो। वे दोनों कॉन्सेप्ट को पसंद करते हैं। वर्तमान में स्क्रिप्ट पर काम किया जा रहा है और फैंस को 2025 के मध्य तक इसके बारे में खास जानकारी मिल सकती है।

एक बार फिर ओटीटी पर धमाल मचाएंगी तृप्ति

बॉलीवुड अभिनेत्री तृप्ति डिमरी के पास कई प्रोजेक्ट्स हैं, जिसकी शूटिंग में अभिनेत्री व्यस्त हैं। इस बीच अब अभिनेत्री के नए प्रोजेक्ट को लेकर दिलचस्प खबर सामने आ रही है। ऐसा लगता है कि तृप्ति के हाथ एक और बड़ा प्रोजेक्ट लगा है। खबर है कि तृप्ति डिमरी को एक बायोपिक ओटीटी सीरीज में दिवंगत परवीन बॉबी की भूमिका निभाने के लिए चुना गया है, जिसकी शूटिंग जल्द ही शुरू होने वाली है। 2024 में लगातार दो फिल्मों के जरिए बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने के बाद प्रशंसक तृप्ति को इस प्रतिष्ठित भूमिका में देखने के लिए बेताब हैं। तृप्ति डिमरी के पास आने वाले समय में कई रोमांचक फिल्में हैं। उन्होंने अपने बहुमुखी अभिनय से खुद को एक स्टार के रूप में साबित किया है और अब वह एक बार फिर ओटीटी स्पेस में अपनी पहचान बनाने के लिए तैयार हैं। इससे पहले बुलबुल और कला जैसी नेटफ्लिक्स फिल्मों में अभिनय कर चुकीं तृप्ति डिमरी को इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट में शामिल होना एक बेहतरीन अगला कदम लगता है।

इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में जीत से शुरुआत करने उतरेगी भारतीय टीम

नागपुर (एजेंसी)। रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम गुरुवार से यहां इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैच की एकदिवसीय क्रिकेट सीरीज के पहले मुकाबले में जीत से अपना अभियान शुरु करने उतरेगी। भारतीय टीम के हौंसले टी20 सीरीज में जीत से उत्साहित है और उसका लक्ष्य इस सिलसिले को बनाये रखना रहेगा। इसी माह शुरु हो रही आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी को देखते हुए भी ये सीरीज बेहद अहम मानी जा रही है। ऐसे में दोनो ही टीमों का लक्ष्य इसमें बेहतर प्रदर्शन कर लय हासिल करना रहेगा। इस सीरीज के जरिये भारत और इंग्लैंड का लक्ष्य आईसीसी टूर्नामेंट के लिए टीम संयोजन तैयार करने के साथ ही खिलाड़ियों के फार्म और फिटनेस पर भी नजर रखना रहेगा। ये सीरीज भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के लिए बेहत अहम है। ये दोनो पिछले कुछ समय से रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं और ऐसे में इनके प्रदर्शन पर सभी की निगाह रहेगी। यह हाल में महीने रणजी ट्रॉफी में भी असफल रहे थे। अब इन इन दोनों के खराब प्रदर्शन को देखते हुए टीम में इनकी जगह को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज चैम्पियंस ट्रॉफी से पहले भारत की अंतिम प्रतियोगिता होगी। ऐस में इसी पर सब कुछ निर्भर करता है। इसके बाद अभ्यास का कोई अवसर नहीं मिलेगा। भारतीय टीम के लिए कुछ खिलाड़ियों की फॉर्म ही चिंता का विषय नहीं है, उसे इस सीरीत से ये भी तय करना होगा कि ऋषभ पंत और केएल राहुल में से विकेटकीपर की जिम्मेदारी किसे दी जाये।

रोहित और शुभमन गिल पारी की शुरुआत करेंगे। उनके बाद कोहली और श्रेयस अय्यर उतरेंगे जबकि विकेटकीपर बल्लेबाज को पांचवें नंबर पर उतारा जा सकता है। इसके बाद हार्दिक पंड्या का नंबर आता है। भारतीय बल्लेबाजी क्रम में ऋषभ बाएं हाथ का बल्लेबाज होने के कारण विविधता लाते हैं। वह आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हैं और ऐसे में वह टीम के लिए तुरुप का इक्का साबित हो सकते हैं। भारतीय टीम प्रबंधन इन दोनों के साथ उतर सकता है पर ऐसे में अय्यर को बाहर बैठना पड़ेगा जो उपयोगी योगदान देते रहे हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज से तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और स्पिनर कुलदीप यादव को भी मैच अभ्यास का मौका मिलेगा। यह दोनों चोट से

उबर कर वापसी कर रहे हैं। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पीठ की चोट के कारण इस सीरीज से बाहर हैं। इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सरीजी में शानदार प्रदर्शन करने के कारण स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को भारतीय टीम में शामिल किया गया है। उन्हें यहां एकदिवसीय सीरीज में पदार्पण का अवसर मिल सकता है और अगर वह अच्छा प्रदर्शन जारी रखते हैं तो चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए टीम में उन्हें जगह मिल सकती है।

टीम प्रबंधन को स्पिन ऑलराउंडर के लिए भी कड़ा फैसला करना होगा। इस स्थान के लिए रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल और वाशिंगटन सुंदर दावेदार हैं। वहीं दूसरी ओर इंग्लैंड की टीम टी20 सीरीज में मिली हार से उबरकर जीत के साथ वापसी करना चाहेगी। इंग्लैंड की टीम में जो रूट को छोड़कर अधिकतर वही बल्लेबाज हैं जो सीरीज में शामिल थे। उसके बल्लेबाज टी20 में भारतीय गेंदबाजों विशेषकर स्पिनरों के सामने

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत: रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), यशस्वी जयसवाल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), हार्दिक पांड्या, रवींद्र जड़ेजा, वाशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती।

इंग्लैंड : जोस बटलर (कप्तान), हैरी ब्रूक, बेन डकेट, जो रूट, फिलिप साल्ट, जेमी स्मिथ, जैकब बेथेल, ब्रायडन कार्स, लियाम लिविंगस्टोन, जेमी ओवरटन, जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, साकिब महमूद, आदिल राशिद, मार्क वुड।

संघर्ष करते दिखे थे और जीत के लिए उसे इस कमी को दूर करना होगा। इसके साथ ही उसके गेंदबाजों को भी प्रभावि प्रदर्शन करना होगा।

रोनाल्डो मना रहे अपना 40वां जन्मदिन, कहा- मैं सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर

मैड्रिड (एजेंसी)। क्रिस्टियानो रोनाल्डो अपना 40वां जन्मदिन उसी आत्मविश्वास और आत्मसम्मान के साथ मना रहे हैं जिस पर उन्होंने अपने सफल करियर के दौरान हमेशा गर्व किया है। रियाल मैड्रिड के पूर्व स्टार और अब सऊदी अरब में खेल रहे रोनाल्डो बुधवार को 40 साल के हो गए और उन्हें इसमें कोई संदेह नहीं कि दुनिया का सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर कौन है।

रोनाल्डो ने स्पेनिश टेलीविजन चैनल ला सेक्स्टा के साथ इंटरव्यू में कहा, 'मैं फुटबॉल इतिहास का सर्वश्रेष्ठ स्कोरर हूं। हालांकि मैं बाएं पैर का अधिक इस्तेमाल नहीं करता लेकिन बाएं पैर से गोल करने के मामले में मैं इतिहास में शीर्ष 10 में हूं। इन आंकड़ों से पता चलता है कि मैं अब तक का सबसे संपूर्ण खिलाड़ी हूं। मैं खेल में अपने दिमाग का अच्छा इस्तेमाल करता हूं। मैं अच्छी फ्री किक लेता हूं। मैं तेज दौड़ लगाता हूं। मैं दमदार हूं। मैं अच्छी कूद लगाता हूं। मैंने कभी भी खुद से बेहतर किसी को नहीं देखा।'

पुर्तगाल के इस स्टार खिलाड़ी ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में सर्वाधिक 217 मैच खेले हैं जिनमें उनके नाम पर 135 गोल दर्ज हैं जो विश्व रिकॉर्ड है। रोनाल्डो ने पहले भी कई बार कहा है कि उन्हें लगता है कि वह फुटबॉल के इतिहास में अब तक के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बनकर उभरेंगे। जब भी उनसे इस चर्चा के बारे में पूछा गया कि उनमें और लियोनेल मेस्सी में कौन सर्वश्रेष्ठ है तो उन्होंने हमेशा अर्जेंटीना के खिलाड़ी की प्रशंसा की लेकिन वह खुद को बेहतर बताने से भी पीछे नहीं हटे।

रोहित शर्मा ने रिटायरमेंट की अटकलों पर तोड़ी चुप्पी, चैंपियंस ट्रॉफी के बाद ले सकते हैं फैसला

नागपुर (एजेंसी)। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने बुधवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने भविष्य के बारे में अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि ऐसे समय में उनके करियर के बारे में बात करना अप्रासंगिक है जब उनका ध्यान इंग्लैंड के खिलाफ तीन एकदिवसीय मुकाबलों और आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी पर है। भारत 19 फरवरी से शुरू हो रही चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारी इंग्लैंड के खिलाफ तीन एकदिवसीय मैच की श्रृंखला के साथ करेगा जिसका पहला मैच बृहस्पतिवार को यहां खेला जाएगा।

रोहित ने मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'जब तीन एकदिवसीय और चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन होना है तो मेरे लिए अपने भविष्य की योजनाओं के बारे में बात करना कितना प्रासंगिक है। (मेरे भविष्य पर) खबरें कई वर्षों से चल रही हैं और मैं उन खबरों पर स्पष्टीकरण देने के लिए यहां नहीं हूं।' भारतीय कप्तान ने कहा, 'मेरे लिए तीन मैच (इंग्लैंड के खिलाफ) और चैंपियंस ट्रॉफी बहुत महत्वपूर्ण हैं। मेरा ध्यान इन मुकाबलों पर है और मैं देखूंगा कि इसके बाद क्या होता है।'

रोहित पिछले कुछ समय से खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं और ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में उन्होंने पांच पारियों में 6.20 की औसत से केवल 31 रन बनाए। इसमें कोई संदेह नहीं है कि वह निकट भविष्य में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बारे में नहीं सोच रहे हैं लेकिन ऐसी खबरें हैं कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने उनसे चैंपियंस ट्रॉफी के बाद अपनी भविष्य की योजनाओं के बारे में बताने को कहा है।

जसप्रीत बुमराह को लेकर रवि शास्त्री का बयान, कहा- भारत के चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के चांस 35 प्रतिशत घटेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व कप्तान रवि शास्त्री का मानना है कि जसप्रीत बुमराह की संभावित अनुपस्थिति चैंपियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम को काफी कमजोर कर सकती है लेकिन उन्होंने इस मुख्य तेज गेंदबाज की राष्ट्रीय टीम में वापसी में जल्दबाजी नहीं करने की सलाह दी। बुमराह की जनवरी में सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचवें टेस्ट में पीठ की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था और उन्होंने दूसरी पारी में गेंदबाजी नहीं की थी।उन्होंने तब से भारत के लिए गेंदबाजी नहीं की है, हालांकि उन्हें प्रतिष्ठित वनडे टूर्नामेंट चैंपियंस ट्रॉफी के लिए शुरूआती टीम में शामिल किया गया है।

बुमराह इस समय राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में रिहैबिलिटेशन की प्रक्रिया से गुजर रहे हैं और बृहस्पतिवार से इंग्लैंड के खिलाफ शुरू होने वाली तीन मैचों की श्रृंखला के लिए वनडे टीम में नहीं हैं। खेल विज्ञान विशेषज्ञों से भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को उनकी फिटनेस पर अपडेट देने की उम्मीद है जिसके बाद चैंपियंस ट्रॉफी पर फैसला लिया जाएगा जो पाकिस्तान और संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित की जाएगी। इसका पहला मैच 19 फरवरी को कराची में होना है जबकि भारत अपने सभी मैच दुबई में खेलेगा।

शास्त्री ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) 'रिव्यू' में कहा, ''बुमराह के फिट नहीं होने से भारत की (चैंपियंस ट्रॉफी जीतने की) संभावना 30 प्रतिशत, नहीं 30 से 35 प्रतिशत कम हो जाएगी।'' शास्त्री ने कहा, ''पूरी तरह से फिट बुमराह के खेलने से आपके पास 'डेथ ओवरों' में अच्छी गेंदबाजी की गारंटी होती है।'' पिछले साल शानदार प्रदर्शन करने वाले बुमराह को आईसीसी के साल के सर्वश्रेष्ठ पुरुष क्रिकेटर के लिए सर गारफील्ड सोबर्स ट्रॉफी के साथ आईसीसी के साल के सर्वश्रेष्ठ पुरुष टेस्ट क्रिकेटर चुना गया। उन्होंने भारत को 2024 टी20 विश्व कप जीतने में अहम भूमिका निभाई थी।

ऑस्ट्रेलिया में पांच मैचों की बॉर्डर-गावस्कर टेस्ट श्रृंखला में दोनों टीम में सबसे ज्यादा 32 विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे थे। शास्त्री ने इस दिग्गज को जल्दबाजी में वापसी कराने के खिलाफ चेतावनी दी। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि उनका जल्दबाजी में वापसी कराना बहुत जोखिम भरा है। भारत को आगे काफी क्रिकेट खेलना है। और अपने करियर के इस पड़ाव पर मुझे लगता है कि वह बहुत ही ज्यादा अहम हैं और उन्हें अचानक एक मैच के लिए नहीं बुलाया जाना चाहिए।''

उन्होंने कहा, ''उम्मीदें बहुत ज्यादा लगी होंगी। उन्हें लगेगा कि वह आते ही धूम मचा देगा। जब आप चोट से वापसी करते हैं तो यह कभी भी इतना आसान नहीं होता।'' ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर रिकी पोंटिंग ने कहा कि बुमराह की अनुपस्थिति से ध्यान शमी पर लग सकता है जिन्होंने चोट और रिहैबिलिटेशन के बाद 14 महीने के बाद भारतीय टीम में वापसी की है। उन्हें यह भी लगता है कि ऑस्ट्रेलिया में बुमराह की पीठ की मांसपेशियों में खिंचाव इसलिये भी हुआ हो सकता है क्योंकि दूसरे छोर पर उन्हें शमी का समर्थन नहीं मिला।

पोंटिंग ने आईसीसी रिव्यू' में कहा, ''टेस्ट श्रृंखला में मेरी सबसे बड़ी चिंता यह थी कि बुमराह के पास बैकअप के तौर पर शमी नहीं थे और उन्हें गेंदबाजी की ज्यादातर जिम्मेदारी उठानी पड़ी।'' उन्होंने कहा, ''और शायद यही हुआ और शायद इसका भी कुछ लेना-देना हो कि वह (बुमराह) चोटिल हुए। शमी के नहीं होने की वजह से उन्हें शायद उस श्रृंखला में थोड़ी ज्यादा गेंदबाजी करनी पड़ी। इसलिए अगर शमी फिट है तो यह सकारात्मक बात है।

दो बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सिमोना हालेप ने टेनिस को कहा अलविदा

बुखारेस्ट । दो बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सिमोना हालेप ने टेनिस से संन्यास ले लिया हैं। रोमानिया की टेनिस स्टार हालेप ने इटली की लूसिया ब्रोंजेटी से 6-1, 6-1 से पहले दौर की हार के बाद ट्रांसिल्वेनिया ओपन में कोर्ट पर अपने संन्यास की घोषणा की। मैच के बाद हालेप ने कहा, 'मैं अपनी अंतरआत्मा से यह फैसला किया है। मैं विश्व की नंबर एक खिलाड़ी बनी, मैंने ग्रैंड स्लैम जीते, यह अच्छी बात रही मैं यही सब चाहती थी। जीवन ऐसे ही चलता रहता है, टेनिस के बाद भी जीवन है और मुझे उम्मीद है कि हम एक-दूसरे से फिर मिलेंगे।'

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार दो साल तक चले डोपिंग मामले में डब्ल्यूटीए टूर में वापसी के बाद इस सप्ताह आयोजित उनका पांचवां टूर्नामेंट था। पिछले महीने उन्हें घुटने की चोट के कारण ऑस्ट्रेलियन ओपन क्वालीफाइंग से हटना पड़ा था। हालेप ने 2018 में फ्रेंच ओपन में स्लोएन स्टीफंस को हराकर अपना पहला प्रमुख खिताब जीता था। इसके बाद उन्होंने 2019 में विंबलडन में जीत हासिल की।

सूर्यकुमार के एक ही प्रकार से आउट होने पर भड़के हरभजन

चेन्नई । हाल में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने वाले स्पिनर आर अश्विन ने इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में खराब शॉट लगाकर विकेट गंवाने के लिए कप्तान सूर्यकुमार यादव की आलोचना की है। अश्विन ने कहा कि सूर्या की कप्तानी अच्छी थी पर उनकी बल्लेबाजी चिन्ता का कारण रही। वह सीरीज की पांच पारियों में केवल 28 रन ही बना पाये। पूरी सीरीज में सूर्यकुमार फ्लिक शॉट खेलने के प्रयास में आउट हुए जबकि ये उनका पसंदीदा शॉट है। इसी प्रकार बल्लेबाज संजू सैमसन का प्रदर्शन भी बेहद खराब रहा। वह भी सभी पारियों में नाकाम रहे। सेमसन जोफा आर्चर, मार्क वुड और ब्रायडन कार्स की गेंदों के सामने टिक नहीं पाये। अश्विन ने कहा कि समस्या सूर्यकुमार की बल्लेबाजी है। बेशक इस सीरीज में उनकी कप्तानी अच्छी थी पर उनके लिए रन बनाने भी जरुरी थी। सूर्या और सैमसन एक ही गेंद पर आउट हो रहे हैं। एक या दो मैचों में माना जा सकता है कि वह गलती है पर सभी मैचों में इसी प्रकार आउट होना चिन्ता की बात है। खिलाड़ियों को अपने अनुसार खेलना चाहिए पर उन्हें अपनी जिम्मेदारी भी निभानी होगी। सूर्या की तरह ही सैमसन भी सभी मैचों में विफल रहे और इसी कारण अब उनकी टीम में जगह भी खतरे में पड़ गयी है।

मैं अपने लिए नहीं, बल्कि भारत के लिए खेलता हूं : हार्दिक पांड्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के स्टार ऑलराउंडर आत्मविश्वास से लबरेज हैं। वह मैदान पर कदम रखने, गेंद को स्टैंड में भेजने और अपनी तेज गेंदबाजी से स्टंप्स को हिलाने के लिए उत्सुक हैं। खेल को पलटने के लिए मशहूर हार्दिक पांड्या बहुप्रतीक्षित आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पूरी तरह तैयार हैं। भारत अपने सभी आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी मैच दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेलेगा जिसका पहला मैच 20 फरवरी को बांग्लादेश के खिलाफ होगा। चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ बहुप्रतीक्षित मुकाबला 23 फरवरी को होगा, इसके बाद 2 मार्च को न्यूजीलैंड के खिलाफ उनका अंतिम लीग-स्टेज मुकाबला होगा।

बुधवार को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा साझा किए गए एक साक्षात्कार में पांड्या ने मेलबर्न में भारत और पाकिस्तान के बीच 2022 टी20 विश्व कप के रोमांचक मुकाबले को याद किया जिसे भारत ने चार विकेट से जीता था। उस मैच में

तीन विकेट लेने के बाद पांड्या ने बताया कि उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ इस बड़े मुकाबले में किस तरह से दबाव का सामना किया।

पांड्या ने आईसीसी द्वारा पोस्ट किए गए एक इंटरव्यू में बताया, 'यह सिर्फ इस बारे में है कि कौन दबाव को बेहतर तरीके से संभालता है। मैं हार्दिक पांड्या के लिए नहीं खेलता; मैं टीम के लिए खेलता हूं। मैं भारत के लिए खेलता हूं - यही मेरा लक्ष्य है। चाहे इसका मतलब अंत में सिर्फ दो गेंद खेलना हो या 60 गेंदों तक बल्लेबाजी करना हो, मेरा ध्यान गेंद दर गेंद खेल को आगे बढ़ाने और जीत के करीब पहुंचने पर है। देखते हैं कि कौन दबाव में टूटता है।'

भारत ने अपने टी20 विश्व कप अभियान की शुरुआत पाकिस्तान के खिलाफ की जिसमें उसने टॉस जीतकर प्रतिष्ठित मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर खचाखच भरे दर्शकों के सामने फील्डिंग करने का फैसला किया। उन्होंने कहा, 'जब मैं मैदान में घुसा और माहौल देखा - प्रशंसक और दर्शक किस तरह की ऊर्जा लेकर आ रहे थे - यह अद्भुत था। मुझे इसे आत्मसात करने के लिए कुछ समय लेना पड़ा। भले ही मैंने कई खेल खेले हों, लेकिन यह एक तरह से अभिभूत करने वाला था जिसने मुझे उत्साहित और खुश दोनों किया। इस मैच का माहौल, खासकर जब से यह भारत बनाम पाकिस्तान था, ने सब कुछ एक पायदान ऊपर उठा दिया। यह प्रतिद्वंद्विता वर्षों से चली आ रही है। हमारे बीच मैदान पर कड़ी प्रतिस्पर्धा होती है, इसमें बहुत सारी भावनाएं भी शामिल होती हैं। जुड़ाव, उत्साह - यह एक ऐसा टकराव है जिसे लोग याद करते हैं और बेसब्री से इंतजार करते हैं।'

एकदिवसीय सीरीज से चैम्पियंस ट्रॉफी के पहले लय हासिल करने का अवसर मिलेगा : रुट

नागपुर । इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट ने कहा है कि भारतीय टीम के खिलाफ होने वाली एकदिवसीय सीरीज से उनकी टीम को चैम्पियंस ट्रॉफी लिए फायदा होगा। रुट के अनुसार इस सीरीज से उनकी टीम के खिलाड़ियों को लय हासिल करने का अवसर मिलेगा। दोनो ही टीमों के बीच 6 फरवरी से तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज होगी। वहीं चैम्पियंस ट्रॉफी 19 फरवरी से पाकिस्तान में खेली जाएगी। रुट के अनुसार एकदिवसीय सीरीज में वे अपना आंकलन कर सकेंगे। इससे टीम को अपनी कमजोरियों को दूर करने का अवसर मिलेगा। चैम्पियंस ट्रॉफी में भाग लेने वाली टीमें जीतने वाले संयोजन का पता लगाने और टूर्नामेंट में जाने से पहले कुछ गति प्राप्त करने के लिए एकदिवसीय सीरीज खेल रही हैं। रूट का मानना ??है कि तीन मैचों की सीरीज उन्हें जीत के इरादे से पाकिस्तान जाने से पहले अच्छी स्थिति में आने का अवसर देगी। उन्होंने कहा, जब आप कुछ करने के लिए प्रतिबद्ध होते हैं, तो आप इसे पूरा करना चाहते हैं और पूरे टूर्नामेंट में खेलना चाहते हैं। इसके साथ ही सभी खिलाड़ी इंग्लैंड और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए खेलना चाहते हैं। टी20 सीरीज में भारतीय टीम से मिली हार के बाद हालांकि कोच ब्रेंडन मैकुलम की इंग्लैंड टीम एकदिवसीय प्रारूप में बेहतर प्रदर्शन कर वापसी करना चाहेगी। कोच ने कहा कहा, चैंपियंस ट्रॉफी से पहले तीन एकदिवसीय मैच हमारे लिए एक समूह के रूप में एक साथ रहने और उस टूर्नामेंट में जाने से पहले खुद को वास्तव में अच्छी स्थिति में लाने के लिए वास्तव में लाभदायक साबित होंगे। रूट ने इस प्रारूप में इंग्लैंड के लिए आखिरी बार भारत में आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 के दौरान खेला था।

ऋषभ पंत का ऐलान- अपनी कमाई का 10 फीसदी हिस्सा करेंगे दान

स्पोर्ट्स डेस्क । भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने सामाजिक कार्यों को आगे बढ़ाते हुए बड़ी घोषणा की है। पंत ने बुधवार को घोषणा की कि वह अपनी कमर्शियल कमाई का 10 फीसदी ऋषभ पंत फाऊंडेशन को देंगे जोकि जरूरतमंद लोगों के लिए काम करती है। पंत ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो और नोट डालकर इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा कि मेरे पास जो कुछ भी है वो इस खूबसूरत गेम क्रिकेट के कारण ही है। अब मैं इस पोजीशन में हूं कि लोगों के लिए कुछ कर सकूं। हादसे के बाद जिस तरह आपने मेरा सहयोग किया, प्यार दिखाया उसके लिए शुक्रिया। मैं इसके बारे में बहुत सोचता हूं कि जो लोगों ने मुझे दिया है वो मैं उन्हें वापस भी करूं। इसीलिए मैंने फैसला लिया है कि मैं अपनी कमर्शियल कमाई का 10 फीसदी हिस्सा ऋषभ पंत फाऊंडेशन को दूंगा।

पंत ने इसके साथ एक नोट भी शेयर किया जिसमें उन्होंने लिखा- ईश्वर और जीवन मुझ पर अविश्वसनीय रूप से दयालु रहे हैं, मुझे आशीर्वाद दे रहे हैं। अपने देश के लिए क्रिकेट खेलने के अपने सपने को जीने के अवसर के साथ। मैं प्यार, समर्थन और के लिए बहुत आभारी हूं। अपने क्रिकेट करियर के दौरान मुझे लोगों का खूब प्रोत्साहन मिला। मैंने जाना कि जो मुझे पसंद है उसे करने के लिए मैं कितना भाग्यशाली हूं।

40 से सीधे दूसरे स्थान पर, अभिषेक शर्मा ने आईसीसी टी20आई रैंकिंग में लगाई लम्बी छलांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा आईसीसी द्वारा बुधवार को जारी नई पुरुष ञ20ढ्ढ रैंकिंग में बल्लेबाजों की सूची में 38 पायदान ऊपर चढ़कर दूसरे स्थान पर पहुंच गए। इससे पहले वह 40वें स्थान पर थे। भारत के दो बेहतरीन फॉर्म में चल रहे सफेद गेंद के खिलाड़ियों को इंग्लैंड के खिलाफ हाल ही में घरेलू श्रृंखला के दौरान मजबूत प्रदर्शन के लिए ढ्ढष्ट पुरुष ञ20ढ्ढ खिलाड़ी रैंकिंग में बड़ी छलांग लगाकर पुरस्कृत किया गया है।

अभिषेक ने मुंबई में श्रृंखला के पांचवें और अंतिम मैच में 135 रनों की तेज पारी खेलकर अपने नई अंतरराष्ट्रीय करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी खेली और इसके परिणामस्वरूप बल्लेबाज ञ20ढ्ढ रैंकिंग में 38 पायदान ऊपर चढ़ गए। अभिषेक की पारी सिर्फ 54 गेंदों पर पूरी हुई और यह सबसे छोटे प्रारूप में किसी भारतीय पुरुष खिलाड़ी द्वारा खेली गई सर्वोच्च व्यक्तिगत पारी थी। परिणामस्वरूप अनुसार 24 वर्षीय बल्लेबाज नई रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गए। उन्होंने 55.80 की औसत और 219.68 की स्ट्राइक रेट से 279 रन बनाकर श्रृंखला का समापन शीर्ष स्कोरर के रूप में किया जिसमें एक शतक और एक अर्धशतक शामिल है।

ऑस्ट्रेलिया के स्टार ट्रैविस हेड टी20आई बल्लेबाजों की रैंकिंग में आगे बने हुए हैं, लेकिन वानखेड़े में अपने रिकॉर्ड-तोड़ प्रयासों के बाद अभिषेक उनसे केवल 26 रेटिंग अंक पीछे हैं जबकि भारत के तीन खिलाड़ी शीर्ष पांच में हैं। तिलक वर्मा तीसरे स्थान पर हैं और कप्तान सूर्यकुमार यादव पांचवें स्थान पर खिसक गए हैं और सभी हेड के करीब हैं, जबकि भारत के साथी हार्दिक पांड्या (पांच पायदान ऊपर 51वें स्थान पर) और शिवम दुबे (38 पायदान ऊपर 58वें स्थान पर) भी इंग्लैंड के खिलाफ कुछ अच्छे स्कोर के बाद टी20आई बल्लेबाजों की रैंकिंग में बड़ी छलांग लगाते हैं।

टी20आई गेंदबाजों की ताजा रैंकिंग में भी यही कहानी है। स्पिनर वरुण चक्रवर्ती 14 विकेट (एक पांच विकेट सहित) और जोस बटलर की टीम के खिलाफ प्लेयर ऑफ द सीरीज की बदौलत तीन पायदान ऊपर चढ़कर दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। टीम के साथी रवि बिश्नोई (चार पायदान ऊपर छठे स्थान पर) भी इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में पांच विकेट लेने के बाद टी20आई गेंदबाजों की सूची में ऊपर आए हैं। शीर्ष पर एक और बदलाव हुआ है, वेस्टइंडीज के स्पिनर अकील होसेन ने एक सप्ताह पहले आदिल

राशिद के हाथों हार के बाद फिर से नंबर 1 गेंदबाज का स्थान हासिल कर लिया है।

पाक के साथ मुकाबले में भारतीय टीम प्रबल दावेदार रहेगी : बासित

कराची । पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर बासित अली ने कहा है कि 23 फरवरी को दुबई में होने वाले आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी मैच में भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार रहेगी। भारत और पाक के बीच होने वाले इस मुकाबले का प्रशंसक बेसब्री इंतजार कर रहें हैं। चैम्पियंस ट्रॉफी में हालांकि पाकिस्तान का पलड़ा भारी रहा है। बासित का कहना है कि भारतीय टीम के पास पाक से कहीं अधिक अनुभव है। बासित ने कहा, 70 फीसदी भारत और 30 फीसदी पाक जीत का दावेदार रहेगा। इसका कारण है कि भारत के पास अधिक अनुभवी टीम है। वहीं अगर भारतीय टीम के स्टार खिलाड़ी विराट कोहली और कप्तान रोहित फॉर्म में नहीं रहे तो मुकाबला बराबरी पर आ जाएगा। चैम्पियंस ट्रॉफी 2017 में अपने आखिरी मुकाबले में पाकिस्तान ने फाइनल में भारत को 180 रनों से हराकर बड़ी जीत दर्ज की थी। आठ टीमों के इस टूर्नामेंट में 15 मैच होंगे और ये मैच पाकिस्तान और दुबई में खेले जाएंगे। टूर्नामेंट की तैयारी के लिए दोनों टीमें अपने-अपने अभियान शुरू करने से पहले एकदिवसीय सीरीज खेल रही है। भारतीय टीम जहां इंग्लैंड से तीन मैचों की सीरीज खेल रही है। वहीं पाकिस्तान भी दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड से त्रिकोणीय सीरीज खेलेगी।

संक्षिप्त समाचार

दक्षिण अफ्रीका में शिक्षक ने हिंदू विद्यार्थी की कलाई से कलावा काटा

केप टाउन, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका में एक शिक्षक ने कथित तौर पर एक हिंदू विद्यार्थी की कलाई से कलावा काट दिया, जिसके बाद समुदाय के सदस्यों ने इस असंवेदनशील और गैरजिम्मेदाराना कृत्य करार दिया। जानकारी के मुताबिक, यह घटना पिछले सप्ताह क्वाजुलु-नताल प्रांत के ड्रेकेंसबर्ग सेकेंडरी स्कूल में हुई। दक्षिण अफ्रीकी हिंदू महासभा (एसएएचएमएस) ने शिक्षक द्वारा हिंदू विद्यार्थी की कलाई से कथित तौर पर पवित्र कलावा काटे जाने के बाद शिक्षा अधिकारियों से कार्रवाई की मांग की है। शिक्षक का दावा था कि स्कूल सांस्कृतिक या धार्मिक प्रतीकों को पहनने की अनुमति नहीं देता है।

इस साल सिंगापुर जलडमरूमध्य में समुद्री डकैती की 11 घटनाएं हो चुकीं

सिंगापुर, एजेंसी। एक क्षेत्रीय जहाज सुरक्षा एजेंसी ने सोमवार को कहा कि इस साल के पहले 34 दिनों में सिंगापुर जलडमरूमध्य में जहाजों पर समुद्री डकैती की 11 घटनाएं हो चुकी हैं। यह घटनाएं 1 जनवरी से 3 फरवरी के बीच हुई। एशिया में समुद्री डकैती पर नजर रखने वाले समझौते आरईसीएएपी के सूचना साझाकरण केंद्र (आईएससी) ने कहा कि सभी 11 घटनाएं पुलाऊ (द्वीप) कुला और हेलेन मार रीफ के पास एक-दूसरे के करीब हुई। एजेंसी ने कहा कि सात घटनाओं में इंजन के पुर्जे चोरी हो गए और चार घटनाओं में कुछ भी चोरी नहीं हुआ। रिपोर्ट की गई 11 घटनाओं में से चार घटनाओं में अपराधियों ने बंदूक या बंदूक जैसी वस्तुओं के साथ हमला किया, पांच घटनाओं में अपराधियों ने चाकू के साथ हमला किया। अन्य दो घटनाओं के बारे में जानकारी उपलब्ध नहीं है। रीकैप आईएससी ने कहा कि वह सिंगापुर जलडमरूमध्य में घटनाओं की संख्या में वृद्धि से चिंतित है जो पिछले वर्ष की इसी अवधि (1 जनवरी - 3 फरवरी 2024) की तुलना में लगभग तीन गुना बढ़ गई हैं।

उत्तरी सीरिया में कार बम विस्फोट, 19 मरे

दमिश्क , एजेंसी। सीरिया के एक उत्तरी शहर के बाहरी इलाके में सोमवार को एक कार बम धमाके में 19 की मौत हो गई। युद्ध निगरानी संस्था 'सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स' ने कहा, मनबीज शहर के बाहरी इलाके में महिला कृषि श्रमिकों को ले जा रहे एक वाहन के पास एक कार में विस्फोट होने से 18 महिलाओं व एक पुरुष की मौत हुई, 15 महिलाएं घायल हुई, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर है।इससे पहले स्थानीय सीरियाई नागरिक सुरक्षा विभाग ने 14 महिलाओं व एक पुरुष की मौत की खबर देकर मृतक संख्या 15 बताई थी।

अंतरराष्ट्रीय बिग कैट अलायंस से करेगा बाघ व बड़ी बिल्ली प्रजाति का संरक्षण

वाशिंगटन, एजेंसी। बिग कैट यानी बाघ व बड़ी बिल्ली प्रजाति के अन्य जानवरों के संरक्षण के लिए अंतरराष्ट्रीय बिग कैट अलायंस (आईबीसीए) के गठन का फ्रेमवर्क समझौता आधिकारिक रूप से अमल में आ चुका है। 23 जनवरी 2025 को आईबीसीए और उसका सचिवालय पूरी तरह से समझौता आधारित अंतर सरकारी अंतराष्ट्रीय संगठन बन गया है। फ्रेमवर्क समझौते के तहत भारतीय विदेश मंत्रालय को मुख्य अमानतदार बनाया गया है। समझौते पर हस्ताक्षर करने वाले पांच देशों निकारागुआ, एस्वातिनी, भारत, सोमालिया और लाइबेरिया ने समझौते के अनुच्छेद 8 (1) के तहत अपनी मंजूरी दी है। भारत समेत 27 देशों ने आईबीसीए में शामिल होने की हामी भरी है। वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में काम कर रहे कई राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने भी आईसीबीए से जुड़ने की इच्छा जताई है। जिन पांच देनों ने अपनी आधिकारिक मंजूरी का पत्र सौंपा है वे इस समझौते में औपचारिक रूप से शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 9 अप्रैल 2023 को प्रोजेक्ट टाइगर के 50 साल पूरे होने पर आईबीसीए लॉन्च किया था।

पाकिस्तान में वर्ष का पहला पोलियो-रोधी अभियान शुरू

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ ने घातक रूप से पोलियो से जूझ रहे देश में औपचारिक रूप से वर्ष का पहला पोलियो-रोधी अभियान शुरू किया। इस्लामाबाद में एक समारोह के दौरान उन्होंने अभियान शुरू करने के लिए बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई। पोलियो कार्यकर्ता 3-9 फरवरी तक चलने वाले सात दिनी अभियान में बच्चों को पोलियो की दवा पिलाएंगे। उन्होंने कहा, पोलियो टीमें अपनी पूरी ऊर्जा का इस्तेमाल इस कार्यक्रम में करें।

वाशिंगटन में विमान टक्कर का हटाया गया मलबा, 67 में से 55 मृतकों की हुई पहचान

वाशिंगटन, एजेंसी। सोमवार को वाशिंगटन के रीगन राष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास पोटोमैक नदी से उस वाणिज्यिक जेट का बड़ा हिस्सा हटा लिया गया, जो पिछले सप्ताह हुई एक टक्कर में शामिल था। इस टक्कर में 67 लोग मारे गए थे। अधिकारियों ने कहा कि विमान को हटाने में कई दिन लगेंगे और उसके बाद सैन्य हेलीकॉप्टर को हटाया जाएगा। यह हादसा बुधवार को हुआ था, जब अमेरिकन एयरलाइंस का जेट और एक सेना का हेलीकॉप्टर टकरा गए थे। यह अमेरिका में 2001 के बाद से सबसे घातक विमान दुर्घटना थी। अब तक 67 मृतकों में से 55 की पहचान हो चुकी है।

ट्रंप ने शुरू किया अवैध भारतीय प्रवासियों को वापस भेजना, 205 लोगों को लेकर निकला अमेरिकी सैन्य विमान

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चुनावी वादों के अनुसार मास डिपोर्टेशन योजना के तहत अवैध भारतीय प्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है. ट्रंप प्रशासन खासकर बिना दस्तावेज वाले प्रवासियों के खिलाफ अपना रुख कड़ा कर दिया है. खबर है कि अमेरिका का एक सैन्य विमान 205 नागरिकों को लेकर टेक्सास से रवाना हो गया है. मीडिया रिपोर्ट के अनुसार डिपोर्टेशन के लिए करीब 15 लाख लोगों को चिन्हत किया गया है जिसमें 18 हजार भारतीय शामिल हैं. इनकी सूची तैयार की जा चुकी है. इसी क्रम में टेक्सास में 205 भारतीय नागरिकों को लेकर सी-17 सैन्य विमान भारतीय समयानुसार करीब लगभग 3 बजे रवाना हुआ. विमान में सवार सभी भारतीयों का सत्यापन भारत सरकार द्वारा किया गया. ट्रंप के मास डिपोर्टेशन प्लान से अमेरिका में रह रहे भारी संख्या में भारतीय प्रभावित होंगे. प्रवासियों को निर्वासित करने वाली अमेरिकी सैन्य उड़ानों के लिए भारत सबसे अधिक दूरी तय करने वाला गंतव्य है. पेंटागन ने कहा है कि एल पासो, टेक्सास, सैन डिएगो, कैलिफोर्निया से 5,000 से अधिक प्रवासियों को निर्वासित करने के लिए उड़ानें तैनात हैं. ट्रंप ने पिछले सप्ताह इमिग्रेशन पर अपनी आपातकालीन घोषणा के हिस्से के रूप में सैन्य निर्वासन उड़ानें शुरू की. अब तक लैटिन अमेरिका के लिए प्रवासियों से भरे छह विमान भेजे गए. अमेरिकी राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बातचीत के बाद कहा था कि जब अमेरिका से अवैध भारतीय अप्रवासियों को वापस लेने की बात आएगी तो प्रधानमंत्री वही करेंगे जो सही होगा. अमेरिका द्वारा जारी किए जाने वाले कुशल श्रमिक एच-1बी वीजा में अधिकांश भारतीय हैं. निर्वासन और सीमा नियंत्रण तब हुआ जब ट्रंप ने पदभार ग्रहण करने के पहले दिन कहा था कि वे दक्षिणी सीमा पर राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा करते हुए लाखों प्रवासियों को निर्वासित करेंगे. इस संबंध में अमेरिकी सरकार ने एक विधेयक को भी मंजूरी दी जिसके तहत बिना अनुमति के देश में प्रवेश करने वाले और कुछ अपराधों के आरोपी अप्रवासियों को हिरासत में लेना और निर्वासित करना आवश्यक होगा. अपने चुनाव अभियान के दौरान भी उन्होंने कहा था, जब मैं फिर से निर्वाचित होऊंगा, तो हम अमेरिकी इतिहास में सबसे बड़ा निर्वासन अभियान शुरू करेंगे. ट्रंप ने अक्सर अपने इमिग्रेशन एजेंडे को लागू करने के लिए सेना का इस्तेमाल किया. मैक्सिको सीमा पर सेना तैनात की गई. अवैध प्रवासियों को रखने के लिए सैन्य ठिकानों का इस्तेमाल किया गया. साथ ही उन्हें अमेरिका से बाहर निकालने के लिए सैन्य विमानों का इस्तेमाल किया है. इमिग्रेशन के अलावा ट्रंप ने कनाडा, मैक्सिको और चीन पर भी टैरिफ लगाने की घोषणा की. हालांकि, बाद में कनाडा, मैक्सिको को फिलहाल एक महीने की राहत दी है. उन्होंने कहा कि यूरोप के लिए भी इसी तरह के उपाय किए जा रहे हैं. कनाडा पर टैरिफ वृद्धि भी एक महीने के लिए टाल दी क्योंकि उसने उत्तरी सीमा के माध्यम से अमेरिका में ड्रग्स और अवैध प्रवासियों के प्रवाह को रोकने के उपायों पर 1.3 बिलियन डॉलर खर्च करने का वादा किया. वहीं मैक्सिको ने अमेरिका के साथ अपनी सीमा पर 10,000 सैनिकों को बहाल करने की प्रतिबद्धता जताई. मैक्सिको और कनाडा से आयात पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क मंगलवार से लागू होना था, क्योंकि इन देशों की सीमाओं से अमेरिका में अवैध प्रवासियों और ड्रग्स का प्रवाह होता है. चीन में 10 प्रतिशत की कम वृद्धि होने वाली है, लेकिन इस पर आगे कोई बातचीत नहीं हुई।

60 फिलिस्तीनी कैदियों को भेजा जाएगा तुर्किये, कतर, मलेशिया और पाकिस्तान

रामल्लाह, एजेंसी। इजरायल-हमास के बीच युद्धविराम के समझौते बाद इजरायली बंधकों की रिहाई का सिलसिला जारी है। इस बीच एक फिलिस्तीनी अधिकारी ने फिलिस्तीनी कैदियों के बारे में जानकारी दी है। फिलिस्तीनी अधिकारी ने बताया कि युद्ध विराम समझौते के तहत इजरायल द्वारा रिहा किए गए और वर्तमान में मिस्र में मौजूद 60 फिलिस्तीनी कैदियों को तुर्किये, कतर, मलेशिया और पाकिस्तान भेजा जाएगा। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, फिलिस्तीनी कैदी क्लब के प्रमुख अब्दुल्ला जगारी ने कहा कि चारों देशों में से प्रत्येक देश 15 फिलिस्तीनी कैदियों को आश्रय देगा। उन्होंने यह भी बताया कि मिस्र की नई प्रशासनिक राजधानी के एक होटल में वर्तमान में 70 फिलिस्तीनी कैदी रुके हुए हैं। अब्दुल्ला जगारी ने बताया कि अन्य देशों के साथ बातचीत जारी है, ताकि बचे हुए कैदियों के लिए आश्रय सुनिश्चित किया जा सके। इसके अलावा भविष्य में रिहा होने वाले कुछ कैदियों को लेकर काहिरा के साथ भी बातचीत चल रही है। मिस्र, कतर और अमेरिका ने मध्यस्थ के रूप में काम करते हुए 15 जनवरी को एक संयुक्त बयान में घोषणा की थी कि हमास और इजरायल एक युद्धविराम समझौते पर पहुंच गए हैं। इसके तहत कैदियों और बंधकों की अदला-बदली की जाएगी, जिसका उद्देश्य दोनों पक्षों के बीच निरंतर शांति और स्थायी युद्ध विराम है। 19 जनवरी को युद्ध विराम लागू होने के बाद से हमास ने इजरायल द्वारा अपनी जेलों से सैकड़ों फिलिस्तीनियों को रिहा करने के बदले में 18 बंधकों को रिहा किया है। सबसे गंभीर अपराधों के दोषी फिलिस्तीनियों को गाजा पट्टी या वेस्ट बैंक में नहीं छोड़ा जाए। मिस्र ने इन व्यक्तियों को अस्थायी रूप से रखने पर सहमति व्यक्त की।

ग्रीस के सेंटोरिनी में भूकंप के कारण स्कूल बंद, उठाए गए एहतियाती कदम

एथेंस, एजेंसी। ग्रीस के सेंटोरिनी द्वीप स्थित लोकप्रिय पर्यटन स्थल, एजियन सागर में स्थित स्कूल सोमवार को बंद कर दिए गए। फुटबॉल मैदानों पर टेंट लगा दिए गए हैं। अधिकारियों ने सप्ताहांत में आए भूकंपों के बाद ये एहतियाती कदम उठाए हैं। एथेंस की राष्ट्रीय वेधशाला के वैज्ञानिकों के अनुसार, शुक्रवार से अब तक सेंटोरिनी और अमोरगोस सहित आस-पास के द्वीपों में 300 से अधिक भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं, जिनकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 5 तक पहुंची है। हालांकि, ग्रीस कई फॉल्ट लाइनों पर स्थित है और यहां प्रतिदिन भूकंप आते हैं, लेकिन 2012 के बाद से एजियन सागर के इस हिस्से में भूकंपीय गतिविधि में इतनी वृद्धि दर्ज नहीं की गई है। वैज्ञानिकों ने कहा कि उस समय, भूकंप के झटके कई महीनों तक चले, लेकिन इससे जान-माल का कोई नुकसान नहीं हुआ। सेंटोरिनी हेलेनिक ज्वालामुखी आर्क का हिस्सा है। इतिहासकारों के अनुसार, 3,600 साल पहले एक बड़े ज्वालामुखी विस्फोट के कारण विनाशकारी सुनामी आई थी, जो क्रेते तक पहुंच गई थी। हालांकि, आधुनिक इतिहास में कोई भी बड़ी ज्वालामुखी आपदा दर्ज नहीं की गई है। स्थानीय वैज्ञानिकों ने मौजूदा भूकंपों के लिए ज्वालामुखीय गतिविधि के बजाय टेक्टोनिक गतिविधि को जिम्मेदार ठहराया है। प्रोफेसर एफ़थिमियोस लेक्कास ने सोमवार को सेंटोरिनी से ग्रीक राष्ट्रीय समाचार एजेंसी एएमएनए को बताया कि मौजूदा भूकंपीय गतिविधि और हाल के महीनों में ज्वालामुखी क्षेत्र में देखी गई।

ट्रम्प ने कनाडा और मेक्सिको पर टैरिफ का फैसला टाला, 30 दिन की रोक लगाई

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कनाडा और मेक्सिको पर टैरिफ लगाने के फैसले को 30 दिन के लिए टाल दिया है। ट्रम्प ने इसे लेकर सोमवार को कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो और मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम से बात की। ट्रम्प ने बाद में बताया कि ट्रूडो और शिनबाम के साथ उनकी बातचीत अच्छी रही। दोनों देशों ने अमेरिका के साथ बॉर्डर को सिक्योर करने पर सहमति जताई है। इसके बाद ट्रम्प ने दोनों देशों पर टैरिफ रोकने से जुड़े कार्यकारी आदेश पर साइन किए। दरअसल ट्रम्प ने कनाडा और मेक्सिको पर 25प्रतिशत और चीन पर 10प्रतिशत टैरिफ लगाने का फैसला लिया था, जो आज यानी मंगलवार से लागू होने वाला था। हालांकि चीन पर 10 टैरिफ का आदेश आज से लागू हो रहा है।

अमेरिका से टैरिफ पर आमने-सामने आ गए थे कनाडा-मेक्सिको : डोनाल्ड ट्रम्प ने 20 जनवरी को राष्ट्रपति पद की शपथ के बाद कनाडा, मेक्सिको और चीन पर टैरिफ लगाने की घोषणा की थी। उन्होंने 1 फरवरी को इससे जुड़े आदेशों पर साइन भी कर दिया था। ट्रम्प के इस फैसले के बाद कनाडा ने भी 2 फरवरी को अमेरिका पर 25प्रतिशत टैरिफ लगाने का ऐलान किया था। इसमें अमेरिका से होने वाले 106 अरब डॉलर के निर्यात को शामिल किया गया था। दूसरी तरफ मेक्सिको ने भी जवाबी कार्रवाई की बात कही थी।

बॉर्डर सिक्योरिटी में निवेश करेगा करेगा : सोमवार को ट्रम्प के

फैसले के बाद ट्रूडो ने एक्स पर पोस्ट कर बताया कि टैरिफ पर रोक के बदले में कनाडा बॉर्डर सिक्योरिटी में भारी निवेश करेगा। साथ ही संगठित अपराध, फेंटेनाइल की तस्करी और मनी लॉन्ड्रिंग से निपटने के लिए दोनों देश मिलकर कनाडा-यूएस ज्वाइंट स्ट्राइक फोर्स बनाएंगे। इसके अलावा कनाडा फेंटेनाइल जार (फेंटेनाइल की तस्करी रोकने वाला अधिकारी) की नियुक्ति भी करेगा। तस्करी में शामिल कार्टेल (समूह) को आतंकवादी समूहों की सूची में शामिल किया जाएगा। ट्रूडो ने इस आदेश पर साइन भी कर दिए हैं। कनाडा इस पर 200 मिलियन डॉलर खर्च करेगा। ट्रम्प के फैसला टालने को मेक्सिको राष्ट्रपति ने जीत बताया मेक्सिको की राष्ट्रपति शिनबाम ने एक प्रेस ब्रीफिंग में इसकी जानकारी दी। शिनबाम जब प्रेस ब्रीफ को संबोधित करने पहुंचीं तो वहां उनका स्वागत तालियों से हुआ। उन्होंने वहां मौजूद लोगों से पूछा कि क्या उन्होंने उनका सोशल मीडिया पोस्ट देखा है? ट्रम्प टैरिफ टालने पर राजी हो गए हैं। उन्होंने ट्रम्प के फैसले के बदलने को मेक्सिको की जीत बताया। शिनबाम ने अमेरिका को हथियारों की सप्लाई पर लगाम लगाने को कहा शिनबाम ने बताया कि ट्रम्प से उनकी बातचीत 35 से 40 मिनट तक चली। इस दौरान उन्होंने अमेरिका से मेक्सिको में सप्लाई होने वाले खतरनाक हथियारों की सप्लाई को लेकर शिकायत की।

दुर्लभ खनिज के बदले यूक्रेन की मदद करेगा अमेरिका

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने यूक्रेन को युद्ध में मदद जारी रखने के बदले रेयर अर्थ मटेरियल (दुर्लभ मृदा संसाधन) को लेकर एक समझौता करने की बात कही। एपी न्यूज के मुताबिक सोमवार को ट्रम्प ने ओवल ऑफिस में मीडिया से कहा कि अमेरिका ने यूक्रेन को अपने यूरोपीय सहयोगियों के मुकाबले ज्यादा सैन्य और आर्थिक सहायता भेजी है।

ट्रम्प ने कहा- हम यूक्रेन के साथ एक ऐसा समझौता करना चाहते हैं कि जिसके तहत वो अपने रेयर अर्थ मटेरियल और अन्य महत्वपूर्ण संसाधनों की सुरक्षा करेगा। ट्रम्प ने बताया कि कि उन्हें यूक्रेनी सरकार से यह मैसेज मिला है कि वे अमेरिका को आधुनिक तकनीकी अर्थव्यवस्था बनने में मदद करने के लिए रेयर अर्थ मटेरियल को लेकर एक समझौता करने को तैयार हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने मीडिया से कहा कि मैं रेयर अर्थ मटेरियल की सुरक्षा चाहता हूं। हम सैकड़ों अरब डॉलर लगा रहे हैं। उनके पास बहुत बढ़िया रेयर अर्थ मटेरियल है।

यह 17 एलिमेंट्स का एक ग्रुप है, जो कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स से लेकर मिलिट्री इक्विपमेंट तक में इस्तेमाल होता है। इसका उपयोग आईटी इंडस्ट्रीज, सौर ऊर्जा, केमिकल इंडस्ट्रीज के अलावा आधुनिक तकनीक ऑयल रिफाइनरी में केटेलिस्ट समेत कई इंडस्ट्रीज में उपयोग होता है।

ट्रम्प ने कहा- बेतुके युद्ध को खत्म करने जा रहे हैं : इससे पहले ट्रम्प ने कहा था कि जिन्होंने पहले कहा था कि वे यूक्रेन में संघर्ष को खत्म करने के लिए चर्चा जारी है। हम जल्द ही युद्ध खत्म कर देंगे। उन्होंने कहा- हमने रूस और यूक्रेन के मामले में काफी प्रगति की है। हम देखेंगे कि क्या होता है। हम उस बेतुके युद्ध को रोकने जा रहे हैं। युद्ध शुरू होने के बाद से अमेरिका यूक्रेन को करीब 63 अरब डॉलर (5.45 लाख करोड़ रुपए) की मदद दे चुका है। ट्रम्प अपने इलेक्शन कैंपेन के दौरान भी एक दिन में यूक्रेन वॉर खत्म कराने की बात कह चुके हैं। हालांकि उन्होंने इसके बारे में कोई डिटेल नहीं दी थी।

जेलेंस्की बोले हमें शामिल किए बिना कोई भी वार्ता स्वीकार नहीं : वहीं यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने शनिवार को कहा कि जब उनके देश को शामिल किया बिना अमेरिका और रूस के बिना कोई भी वार्ता स्वीकार नहीं है। उन्होंने कहा कि उनके (ट्रम्प और पुतिन) अपने संबंध हो सकते हैं, लेकिन हमारे बिना यूक्रेन के बारे में बात करना सभी के लिए खतरनाक है। जेलेंस्की ने कहा हमारी टीम ट्रम्प सरकार के संपर्क में हैं। जल्द ही हमारे आमने सामने की बैठक होगी। हमें इस पर और ज्यादा काम करने की जरूरत है। डोनाल्ड ट्रम्प के चुनाव जीतने के बाद से उनसे अरबपति सहयोगी इलॉन मस्क लगातार चर्चा में बने हुए हैं।

मंगोलिया का लगभग 80 प्रतिशत भूभाग बर्फ से ढका

उलानबटोर, एजेंसी। राष्ट्रीय मौसम विज्ञान और पर्यावरण निगरानी एजेंसी ने सोमवार को बताया कि मंगोलिया का लगभग 80 प्रतिशत भूभाग बर्फ से ढका हुआ है। मौसम निगरानी एजेंसी ने एक बयान में कहा, 31 जनवरी तक देश का लगभग 80 प्रतिशत क्षेत्र 60 सेमी मोटी बर्फ से ढका हुआ है। मंगोलिया अपनी कठोर सर्दियों के लिए जाना जाता है, जो काफी हद तक साइबेरियाई उच्च दबाव प्रणाली से प्रभावित होता है। पिछली सर्दियों में, इस एशियाई देश ने दशकों में सबसे अधिक ठंड का अनुभव किया, यहां 1975 के बाद से सबसे अधिक रिकॉर्ड बर्फबारी हुई। लगभग 90 प्रतिशत क्षेत्र 100 सेमी मोटी बर्फ से ढका था, जिससे भयंकर स्थिति उत्पन्न हो गई, जो मंगोलिया के लिए एक प्राकृतिक आपदा है। अत्यधिक ठंड और भारी बर्फबारी के कारण पशुधन को भोजन तक पहुंच नहीं मिल पाता है, जिससे बड़े पैमाने पर पशुओं की मृत्यु हो जाती है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, पिछली सर्दियों में भयंकर तूफान दजुद के कारण लाखों पशुधन नष्ट हो गए, जिससे देश के चरवाहों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान पहुंचा। दजुद एक मंगोलियन शब्द है, जो एक भयावह सर्दी का वर्णन करता है। इसमें पशु, चरागाहों के जम जाने या बर्फ से ढक जाने के कारण मर जाते हैं, तथा खानाबदोश चरवाहों की आजीविका को खतरा पैदा हो जाता है। पिछले सप्ताह, मंगोलियाई सरकार ने कहा कि उसने 2025 के वसंत ऋतु के दौरान राष्ट्रीय राजधानी के निवासियों के लिए निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करने

के लिए कम से कम 10,000 टन पशुधन मांस का भंडार करने का निर्णय लिया है। बुधवार को सरकार के प्रेस कार्यालय की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, आरक्षित मांस की आपूर्ति, वितरण, बिक्री, गुणवत्ता और सुरक्षा की निगरानी के लिए संबंधित अधिकारियों को नियुक्त किया गया है। कठोर वसंत ऋतु के दौरान, जब खानाबदोश पशुधन कम हो जाता है और चरवाहों के पास बेचने के लिए पशु कम हो जाते हैं, तो शहरी क्षेत्रों में मांस की कीमतें बढ़ जाती हैं, जिससे संभावित कमी हो जाती है। उलानबटोर में मंगोलिया की 3.5 मिलियन आबादी का लगभग आधा हिस्सा निवास करता है, तथा पशुओं का मांस मंगोलियाई लोगों का मुख्य भोजन है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के अनुसार, दुनिया के अंतिम बचे खानाबदोश देशों में से एक मंगोलिया में 2024 के अंत तक 57.6 मिलियन पशुधन होंगे।

डोनाल्ड ट्रंप ने मार्को रुबियो को बनाया यूएसएआईडी का कार्यवाहक प्रशासक

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने विदेश मंत्री मार्को रुबियो को यूएस एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट (यूएसएआईडी) का कार्यवाहक प्रशासक नियुक्त किया, जिससे मानवीय एजेंसी का राज्य विभाग द्वारा वास्तविक अधिग्रहण की पुष्टि हुई. यह खबर अमेरिकी टेक अरबपति एलन मस्क द्वारा संघीय सरकार में बदलाव करने के आरोप के कुछ घंटों बाद आई, उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एजेंसी को बंद करने पर हस्ताक्षर किए हैं. डेमोक्रेट्स का कहना है कि राष्ट्रपति के लिए कांग्रेस से परामर्श किए बिना संघीय एजेंसी को बंद करना कानूनी नहीं है. अमेरिकी विदेश विभाग ने एक्स पर एक पोस्ट साझा की, जिसमें कहा गया कि यूएसएआईडी की विदेशी सहायता गतिविधियों की समीक्षा चल रही है, जिसमें पुनर्गठन की संभावना है. इस कदम का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि यूएसएआईडी की गतिविधियां संयुक्त राज्य अमेरिका के मूल राष्ट्रीय हितों और अमेरिका फर्स्ट एजेंडे के साथ संरेखित हों. विदेश विभाग के अनुसार, यूएसएआईडी विदेश में अमेरिकी हितों को आगे बढ़ाने के अपने मूल मिशन से भटक गया है, इसके वित्तपोषण का महत्वपूर्ण हिस्सा अमेरिकी राष्ट्रीय हितों के साथ संरेखित नहीं है. इसे संबोधित करने के लिए, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सचिव मार्को रुबियो को यूएसएआईडी का कार्यवाहक प्रशासक नियुक्त किया है. अमेरिकी विदेश विभाग ने एक्स पर लिखा संयुक्त राज्य अमेरिका की अंतर्राष्ट्रीय विकास एजेंसी (यूएसएआईडी) लंबे समय से विदेश में अमेरिकी हितों को जिम्मेदारी से आगे बढ़ाने के अपने मूल मिशन से भटक गई है, और अब यह पूरी तरह से स्पष्ट है कि यूएसएआईडी वित्तपोषण का महत्वपूर्ण हिस्सा संयुक्त राज्य अमेरिका के मूल राष्ट्रीय हितों के साथ संरेखित नहीं

है, इसमें आगे कहा गया है एजेंसी की गतिविधि पर नियंत्रण और बेहतर समझ हासिल करने की दिशा में एक अंतरिम कदम के रूप में, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सचिव मार्को रुबियो को कार्यवाहक प्रशासक नियुक्त किया है. सचिव रुबियो ने अब कांग्रेस को यह भी सूचित किया कि संभावित पुनर्गठन की दिशा में यूएसएआईडी की विदेशी सहायता गतिविधियों की समीक्षा चल रही है, पोस्ट में आगे कहा गया, जैसा कि हम यूएसएआईडी का मूल्यांकन करते हैं और सुनिश्चित करते हैं कि यह अमेरिका फर्स्ट एजेंडा और स्टेट डिपार्टमेंट के प्रयासों के अनुरूप है, हम अमेरिकी लोगों के हितों की रक्षा करना जारी रखेंगे और सुनिश्चित करेंगे कि उनके कर के पैसे बर्बाद न हों।

एलन मस्क ने यूएसएआईडी को बताया आपराधिक संगठन : एक्स पर एक पोस्ट में, मस्क ने लिखा, यूएसएआईडी एक आपराधिक संगठन है. इसे खत्म करने का समय आ गया है. उन्होंने एक पोस्ट के जवाब में यह बयान दिया, जिसमें उल्लेख किया गया था कि यूएसएआईडी के वरिष्ठ अधिकारियों को छुट्टी पर भेज दिया गया था, क्योंकि उन्होंने डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी (डीओजीई) के अधिकारियों को एजेंसी सिस्टम तक पहुंचने से रोकने की शारीरिक कोशिश की थी. मस्क का यह बयान उन बढ़ती रिपोर्टों के बीच आया है, जिनमें कहा गया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प यूएसएआईडी, एक स्वतंत्र संघीय एजेंसी को समाप्त करना चाहते हैं और इसे अमेरिकी विदेश विभाग में शामिल करना चाहते हैं, सीएनएन ने बताया, व्हाइट हाउस में नीति के लिए डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ, स्टीफन मिलर ने यूएसएआईडी के कार्यबल पर भारी डेमोक्रेट होने का आरोप लगाया है. यूएसएआईडी के दो शीर्ष वरिष्ठ अधिकारियों को शनिवार रात को प्रशासनिक छुट्टी पर भेज दिया गया, क्योंकि उन्होंने डीओजीए के अधिकारियों को एजेंसी में सिस्टम तक पहुंचने से मना करने की कोशिश की, जबकि डीओजीई के अधिकारियों ने कानून प्रवर्तन को बुलाने की धमकी दी थी।

बेटी श्रद्धा का अंतिम संस्कार करने, दो सालों से अदालतों के चक्कर काट रहे पिता

-मालखाने के अंदर श्रद्धा के शव के अवशेष सुरक्षित

मुंबई । श्रद्धा वॉल्कर हत्याकांड को दो साल से अधिक समय हो चुका है, लेकिन पीड़ित परिवार आज भी न्याय और अंतिम संस्कार का इंतजार कर रहा है। मालखाने के अंदर एक छोटे से बक्से में श्रद्धा के शव के अवशेष सुरक्षित रखे गए हैं, जिन्हें अब तक उनके पिता विकास वॉल्कर को सौंपा नहीं गया है।

साकेत कोर्ट में यह मामला पिछले करीब पौने दो साल से लंबित है। अदालत ने अब फैसला किया है कि मार्च से केस की रोजाना सुनवाई होगी। हालांकि, इस दौरान अभी तक गवाहों के बयान भी पूरे नहीं हुए हैं, इससे न्याय की प्रक्रिया लंबी खिंचती जा रही है। श्रद्धा के पिता विकास, जो मुंबई में रहते हैं, अपनी बेटी के अंतिम संस्कार के लिए लंबे समय से अदालतों के चक्कर लगा रहे हैं। उनका कहना है कि मेरी बेटी को मुझसे छीना गया, अब कम से कम मैं उसका अंतिम संस्कार करने दिया जाए।

क्या आफताब पूनावाला को मिलेगी फांसी?

श्रद्धा के हत्या के आरोपी आफताब पूनावाला पर रेयरेस्ट ऑफ रेयर केस के तहत मुकदमा चल रहा है। लेकिन न्याय प्रक्रिया की धीमी गति को देखकर यह स्पष्ट नहीं है कि आफताब को कब और क्या सजा मिलेगी। फिलहाल, वह तिहाड़ जेल में बंद है और केस की सुनवाई का इंतजार कर रहा है।

श्रद्धा को कब मिलेगा न्याय?

श्रद्धा वॉल्कर हत्याकांड ने पूरे देश को झकझोर दिया था। अब सवाल उठता है कि क्या श्रद्धा और उसके परिवार को जल्द न्याय मिलेगा? क्या भारतीय न्याय प्रणाली फास्ट ट्रैक कोर्ट के नाम पर सच में तेजी से फैसले दे रही है?

अस्थाई कर्मचारियों का शोषण बर्दाश्त नहीं, सुप्रीम कोर्ट

-हटाए गए अस्थाई कर्मचारियों को चार सप्ताह के अंदर बहाल करने के आदेश

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति प्रसन्ना बी की खंडपीठ ने अस्थाई कर्मचारियों को लेकर एक गंभीर टिप्पणी की है। सुप्रीम कोर्ट ने सरकारी संस्थानों में अस्थाई कर्मचारियों के शोषण पर नाराजगी जताई है। सुप्रीम कोर्ट ने गाजियाबाद नगर निगम के अस्थाई कर्मचारियों की याचिका पर सुनवाई करते हुए आदेश दिया है। चार सप्ताह के अंदर जिन अस्थाई कर्मचारियों को हटाया गया है। उन सभी को बहाल किया जाए। सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ ने अपने आदेश में कहा है। सरकारी संस्थान अस्थाई कर्मचारियों के हक छीन रहे हैं। मनमाने तरीके से अस्थाई कर्मचारियों को बर्खास्त कर रहे हैं। कर्मचारियों को पदोन्नति और वेतन वृद्धि नहीं दी जा रही है। आउट सोर्सिंग के माध्यम से अस्थाई कर्मचारियों का शोषण किया जा रहा है। अस्थाई कर्मचारी पेंशन भविष्य निधि और स्वास्थ्य बीमा जैसे लाभ से वंचित हैं। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बहुत कड़ा रुख अपनाया है। सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय से अस्थाई कर्मचारियों का जो शोषण हो रहा है,उस पर विराम लगेगा।

युवक के पेट से निकाले 300 रुपये के 33 सिक्के

बिलासपुर। हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां पर ऑपरेशन के दौरान एक युवक के पेट से 33 सिक्के बरामद किए गए हैं, जिनकी कीमत 300 रुपये है। पेट दर्द की शिकायत के बाद युवक अस्पताल पहुंचा था और जांच रिपोर्ट देखकर डॉक्टर भी हैरान रह गए।जानकारी के अनुसार, बिलासपुर के घुमारवीं शहर का यह मामला है और यहां पर निजी अस्पताल में डॉक्टर ने 33 वर्षीय युवक के पेट से ऑपरेशन के जरिए 300 रुपये के 33 सिक्के निकाले हैं। इन सिक्कों का वजन 247 ग्राम था। पेट दर्द की शिकायत के बाद परिजन युवक को 31 जनवरी को अस्पताल लाए थे। डॉक्टर ने विभिन्न टेस्ट किए और एंडोस्कोपी के बाद पता चला कि पेट में बहुत सारे सिक्के हैं। डॉक्टर ने ऑपरेशन करके युवक के पेट से दो, दस और बीस रुपये के 33 सिक्के निकाले। डॉक्टर अंकुश ने बताया कि इस युवक को सिजोफ्रेनिया नाम की बीमारी है। जानकारी के अनुसार, यह युवक घुमारवीं क्षेत्र का ही रहने वाला है।

मालामाल भिखारिन की झोपड़ी से निकले दूसरे देशों के सिक्के, गहने और रेसिंग बाइक

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में चोरी गई रेसिंग बाइक को ट्रेस करते हुए पुलिस जब एक भिखारी महिला के घर पहुंची तो दंग रह गई। महिला के घर से बाइक समेत विदेशी सिक्के, सोने-चांदी के गहने, 12 मोबाइल फोन मिले। महिला ने पुलिस को बताया कि यह पूरा सामान उसका दामाद चुराकर लाया था। पुलिस ने महिला को गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल आरोपी दामाद फरार है। जिले के करजा थाना इलाके के मड़वन भोज का यह मामला है। महिला की पहचान बिहारी मांझी की पत्नी नीलम देवी के रूप में हुई, जो कि भीख मांगने का काम करती है। गिरफ्तार महिला के पास से एक चोरी की बाइक समेत आधा किलो चांदी, दर्जनों मोबाइल सेट और विदेशी सिक्के भी बरामद किए गए हैं। पुलिस ने कई अलग-अलग नामी गिरामी कंपनियों के मोबाइल फोन बरामद किए हैं। चोरी के सामान में महिलाओं के कई ऑर्नामेंट भी शामिल हैं। महिला ने बताया कि पहले वह गली मोहल्लों में फेरी लगाकर मच्छरदानी बेचा करती थी। इसके अलावा भीख भी मांगती थी। इसी दौरान घरों की रेकी कर लिया करती थी।रेकी के बाद दामाद चुटुक लाल को टारगेट के बारे में खबर देती थी और सास की रेकी पर दामाद बंद घर से माल पार कर देता था। पूछताछ में महिला ने बताया कि घर में मौजूद कीमती सामान दामाद ही चुराकर लाया था। कुवैत का सिक्का और एक ईस्ट इंडिया कंपनी का लोगो लगा भी सिक्का, विभिन्न कंपनियों के 12 मोबाइल सहित चांदी, गोल्ड के गहने जब्त किए गए हैं।

शत्रुघ्न सिन्हा ने की नॉनवेज पर प्रतिबंध लगाने की मांग, यूसीसी को बताया देश की जरूरत

जम्मू (एजेंसी)। नई दिल्ली(ईएमएस)। अभिनेता से नेता बने टीएमसी सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने पूरे देश में मांसाहार पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। उन्होंने कहा है कि केवल गोमांस ही नहीं, बल्कि सामान्य रूप से सभी प्रकार के नॉनवेज भोजन पर देशभर में प्रतिबंध लगाना चाहिए। न केवल गोमांस, बल्कि सामान्य रूप से मांसाहारी भोजन पर भी देश में प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। लेकिन जो नियम उत्तर भारत में लागू किए जा सकते हैं, उन्हें पूर्वोत्तर राज्यों में लागू नहीं किया जा सकता।

साथ ही उन्होंने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) की सराहना की है। और अपनी चिंताएं भी जाहिर की हैं। टीएमसी सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा कि उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता लागू करना प्रथम दृष्टया में सराहनीय है। देश में समान नागरिक संहिता लागू होनी चाहिए और मुझे यकीन है कि हर कोई मेरी बात से सहमत होगा। लेकिन

इसमें कई बारीकियां और खामियां हैं।

समान नागरिक संहिता के प्रावधानों का मसौदा तैयार करने से पहले एक सर्वदलीय बैठक आयोजित की जानी चाहिए।बता दें कि उत्तराखंड ने 27 जनवरी से यूसीसी को लागू करने के साथ एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। उत्तराखंड यूनिफॉर्म सिविल कोड एक्ट, 2024 विभिन्न व्यक्तिगत कानूनों को सरल बनाएगा, जिनमें विवाह, तलाक, वंशानुक्रम और उत्तराधिकार से संबंधित कानून शामिल हैं।

गुजरात में भी यूसीसी की तैयारी

शत्रुघ्न सिन्हा का यह बयान गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के द्वारा की गई उस घोषणा के बाद आया जिसमें उन्होंने गुजरात में यूसीसी को लागू करने की दिशा में एक पांच सदस्यीय समिति के गठन की बात कही है। यह समिति सुप्रीम कोर्ट की पूर्व न्यायाधीश रंजना देसाई की अध्यक्षता में गठित की जाएगी और इसे 45 दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंपनी होगी।

गुजरात सरकार ने 2022 में यूसीसी की आवश्यकता की जांच करने के लिए समिति गठित की थी, जिसका उद्देश्य इस कानून के लागू होने की संभावना पर विचार करना था।

रेप से बचाने होटल की पहली मंजिल से कूदी महिला, घायल अवस्था में शिकायत करने पहुंची थाने

कोझिकोड। केरल के कोझिकोड के एक होटल कारोबारी को रेप की कोशिश के आरोप में पकड़ा गया है। आरोपी की पहचान देवदास के रूप में हुई है, आरोपी को पुलिस ने बस यात्रा के दौरान कुन्नमकुलम से गिरफ्तार किया था। आरोप है कि देवदास द्वारा यौन उत्पीड़न की कोशिश का विरोध कर उसी के एक होटल की एक महिला कर्मचारी इमारत की पहली मंजिल से नीचे कूद गई थी। इसके बाद से देवदास फरार था। सूत्रों ने बताया कि रेप की कोशिश का मामला सामने आने के बाद जांचकर्ताओं को उसकी गतिविधियों के बारे में सूचना मिली और पुलिसकर्मियों की एक टीम ने उसका पीछा किया। आखिर में बीच रास्ते में एक बस रुकवाकर आरोपी को पकड़ा गया। पुलिस के अनुसार होटल चलाने वाले देवदास पर किराए के घर में रह रही एक महिला के कमरे में जबरन घुसने का आरोप लगाया गया था। कथित यौन उत्पीड़न की कोशिश के समय देवदास के साथ उसके दोस्त यास और सुरेश भी थे। वे दोनों अभी भी फरार हैं और उन्हें पकड़ने के लिए छापेमारी जारी है। ये चौंकाने वाली घटना तब सामने आई जब हमले से बचने के लिए इमारत की पहली मंजिल से कूदने के कारण गंभीर रूप से घायल हुई महिला पुलिस के पास पहुंची। कन्नूर निवासी पीड़िता ने कुछ महीने पहले देवदास के होटल में काम शुरू किया था। जब वह अपने फोन पर वीडियो गेम देख रही थी, तभी अचानक तीनों उसके कमरे में घुस आए और हमले से बचने के लिए उसके पास इमारत से नीचे कूदने के अलावा कोई रास्ता नहीं था।

बांग्लादेशियों ने बीएसएफ जवानों पर किए हमले, बीएसएफ ने लिया एक्शन तब दुम दबाकर भागे

-सुबह सर्च ऑपरेशन के दौरान एक बांग्लादेशी घुसपैठिया जख्मी हालात में मिला

कोलकाता (एजेंसी)। भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर बांग्लादेशियों ने बीएसएफ पर लगातार दो हमले किए हैं। ये हमला 4 और 5 फरवरी की बीती रात को हुआ है। बंगाल के दक्षिण दिनाजपुर में बॉर्डर पर मौजूद गांव मलिकपुर में स्मलिंग और डकैती के लिए बांग्लादेशी आए थे।

बीएसएफ ने आधी रात घुसे इन बांग्लादेशियों को चैलेंज किया,तब इन बांग्लादेशियों ने बीएसएफ जवानों को चारों ओर से घरकर तलवार और कटार चलाना शुरू किया। इसके बाद बीएफएफ जवानों ने सेल्फ डिफेंस में फायरिंग की। हमले में बीएसएफ के जवान जख्मी हुए हैं, जबकि एक बांग्लादेशी घुसपैठिया पकड़ा गया है। रिपोर्ट के अनुसार पकड़े गए बांग्लादेशी कटार, धारदार हथियार सहित अन्य सामानों से लैस थे। मात्र 6 घंटे में इन्होंने दो बार बीएसएफ पर हमला किया। दोनों ही बार बीएसएफ ने इन्हें पीट-पीटकर भगाया।

रिपोर्ट के अनुसार 5 फरवरी को सुबह फिर बांग्लादेशी बड़ी संख्या में बॉर्डर क्रॉस कर भारत की सीमा में घुसे। इन्होंने फिर से मलिकपुर गांव को निशाना बनाया। इस बार वे भारी हथियार लेकर आए थे। इन बांग्लादेशियों के पास कटार, डंडे सहित कई औजार थे। इस बार ये कंटीली तार लेकर भी अंदर आए थे। इस पर बीएसएफ ने इन्हें चुनौती दी थी, जिससे बांग्लादेशियों ने बीएसएफ जवानों पर हमला कर दिया। इन्होंने धारदार हथियार से जवानों पर हमला किया। इनसे निपटने के लिए बीएसएफ ने पहले नुकसान नहीं पहुंचाने वाली गोलियां फायर की, लेकिन पर बांग्लादेशी नहीं भागे। हैरत की बात ये है कि बांग्लादेशियों ने बीएसएफ जवानों से हथियार छीनने की कोशिश की। इस दौरान बीएसएफ का एक जवान घायल भी हो गया।

इसके बाद बीएसएफ ने इन बांग्लादेशियों पर सचमुच में गोलियों से फायरिंग की। गोलियां चलते ही बांग्लादेशी जान बचाकर भाग निकले। बता दें कि घटना के दौरान बॉर्डर पर घना कोहरा छाया था। सुबह बीएसएफ ने जब वहां सर्च ऑपरेशन शुरू किया तब एक बांग्लादेशी घुसपैठिया जख्मी हालत में मिला।

फोर्ब्स की सूची में भारत की वैश्विक स्थिति से हकीकत का खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में प्रकाशित फोर्ब्स की सूची में भारत को दुनिया के 10 सबसे शक्तिशाली देशों की सूची से बाहर कर दिया गया है। इसके साथ ही रुपये की ऐतिहासिक गिरावट और बेरोजगारी के बढ़ते आंकड़े भारत की अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर चिंताओं को जन्म दे रहे हैं। ऐसे में, हमें आत्ममुग्धता से बाहर निकलकर ठोस नीतिगत सुधारों की आवश्यकता है।

भारत को विश्वगुरु और आर्थिक महाशक्ति के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा था, लेकिन वास्तविकता इसके विपरीत है। जिन देशों की अर्थव्यवस्था भारत से छोटी है, वे भी वैश्विक शक्ति-सूचकांकों में हमसे आगे निकल चुके हैं। रूस, ब्रिटेन, जर्मनी, दक्षिण कोरिया और यहां तक कि इजराइल भी शक्ति-सूची में स्थान बनाने में सफल रहे हैं, जबकि भारत पीछे छूट गया।

अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर रुपये की गिरावट एक गंभीर संकेत है। डॉलर के मुकाबले रुप ॥ 87 के स्तर तक पहुंच गया है, जिससे ायात महंगा हो गया है और व्यापार संतुल न प्रभावित हुआ है। घरेलू उद्योगों को ब ावा देने के बजाय, भारत की बाजार नीतियां चीनी उत्पादों की भरमार से स्थानीय व्यापार को कमजोर कर रही हैं। मेक इन इंडिया जैसे अभियानों की सफलता पर प्रश्नचिह्न खड़ा होता है, क्योंकि हम अभी भी उच्च तकनीकी क्षेत्रों में आत्मनिर्भर नहीं बन पाए हैं।

सत्ता के प्रचार तंत्र ने आम नागरिकों को यह विश्वास दिलाने की कोशिश की है कि देश प्रगति कर रहा है। लेकिन बेरोजगारी दर 45 वर्षों के उच्चतम स्तर पर है और असंगठित क्षेत्र की अनदेखी से करोड़ों लोगों की आजीविका प्रभावित हो रही है। कृषि क्षेत्र में श्रमिकों की वापसी इस बात का प्रमाण है कि औद्योगिक और सेवा क्षेत्र पर्याप्त रोजगार देने में असमर्थ हैं।

भारत को आत्मसंतोष से बाहर निकलकर अपनी नीतियों की समीक्षा करनी होगी। वैश्विक शक्ति-सूची में स्थान बनाए रखने के लिए केवल प्रचार नहीं, बल्कि ठोस आर्थिक और रणनीतिक सुधारों की जरूरत है। यदि हम अपने संसाधनों का सही उपयोग करें, नवाचार और तकनीकी विकास पर ध्यान दें, तो भारत फिर से अपनी खोई हुई स्थिति हासिल कर सकता है।

मिल्कीपुर विधानस ा सीट पर सपा ने लगाया फर्जी मतदान का आरोप

अयोध्या (ईएमएस)। अयोध्या की मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर उ ुनाव के लिए शाम 5 बजे वोटिंग खत्म हुई। हालांकि, अभी जो लोग मतदान के लाइन में लगे हैं, उन्हें मतदान करने का मौका मिलेगा। सुबह 7 बजे वोटिंग शुरू हुई थी। दोपहर 3 बजे तक 57.13 प्रतिशत वोटिं हुई। इस बीच, सपा प्रत्याशी अजीत प्रसाद घाटमपुर मतदान केंद्र पर पहुंचे। भाजपा के बूथ एजेंट पर फर्जी वोट डलवाने का आरोप लगाकर धमकाया। सांसद ने कहा कि फर्जी वोट डलवा रहे हो, मुझे जानते न ीं हो। सपा ने बीते 8 घंटे में 86 शिकायती पोस्ट एक्स पर की हैं। वहीं, अखिलेश यादव ने एक्स पर वोटर आईडी चेक करते पुलिस अफसरों को फोटो पोस्ट की। अखिलेश ने कहा कि आईडी चेक करके अफ र मतदाताओं में डर पैदा कर रहे हैं। यह अपराध है। इसतरह के लोगों को तुरंत हटाया जाए। वहीं एसएसपी राजकरन नय्यर ने अखिलेश के आरोप को खारिज किया। उपचुनाव के दौरान सपा ने चुनाव आर ग से जो शिकायतें कीं, उसमें ईवीएम खराब होने से लेकर वोटर्स को डराने और चुनाव प्रभावित कराने जैसी शिकायतें शामिल हैं।

राहुल गांधी को अपना नाम बदलकर इलेक्शन गांधी रख लेना चाहिए

केटी रामाराव ने वादों को पूरा न करने के लिए की कांग्रेस की आलोचना

हैदराबाद (एजेंसी)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी को अपना नाम बदलकर इलेक्शन गांधी रख लेना चाहिए। 2023 के विधानसभा चुनावों के दौरान पिछड़े वर्गों से किए वादों को पूरा न करने के लिए कांग्रेस की आलोचना करते हुए रामाराव ने पिछड़े वर्गों की घोषणा को 100 फीसदी झूठ बताया है।

मंगलवार के विधानसभा सत्र पर प्रतिक्रिया देते हुए रामाराव ने सोशल मीडिया पर पोस्ट पर लिखा कि कांग्रेस सरकार ने पिछड़ा वर्ग से संबंधित घोषणा के नाम पर बेशर्मी से झूठ फैलाया। उन्होंने लिखा- झूठ! बहुत झूठ! झूठ के अलावा कुछ नहीं! कल के विधानसभा सत्र ने तेलंगाना के लोगों को दो चीजें साफ कर दीं। एक विफल सरकार, जिसमें कोई स्पष्टता नहीं है और झूठ जो आपने पिछड़े वर्गों से संबंधित

घोषणा के नाम पर बेशर्मी से फैलाया।

केटीआर ने विधानसभा में पेश जाति सर्वेक्षण रिपोर्ट पर कहा कि सरकार को कल पेश किए गए आंकड़ों के बारे में कोई जानकारी नहीं है, लेकिन यह साफ है कि 42 फीसदी पिछड़े वर्ग आरक्षण की दिशा में काम करने क आपका कभी इरादा नहीं था। आपकी कांग्रेस सरकार का यू-टर्न लेना और फिर बेशर्मी से केंद्र सरकार पर जिम्मेदारी डालना यह दिखाता है कि आप कितने प्रतिबद्ध हैं। एक बार फिर साबित हो गया कि आपकी सभी गारंटी, वादे औ घोषणाएं सिर्फ राजनीतिक दिखावे के अलाव कुछ नहीं हैं।

केटीआर ने राहुल गांधी से कहा कि आपको अपना नाम बदलकर इलेक्शन गांधी रख लेना चाहिए। आपकी पिछड़े वर्ग को लेक की गई घोषणा पूरी तरह से झूठ है और आपक प्रतिबद्धता सिर्फ दिखावा है। विधानसभा में केटीआर ने कांग्रेस सरकार पर 42 फीसद आरक्षण के लिए विधेयक पेश करने में विफल रहने का आरोप लगाया था और कहा कि उन्होंने कामारेड्डी बीसी घोषणा बैठक में किए गए वा के मुताबिक पिछड़ों को धोखा दिया है।

बढ़ती आतंकी घटनाओं को लेकर गृहमंत्री ने की अधिकारियों के साथ बैठक

मार्च-अप्रैल में हो सकती है पंचायत चुनावों की घोषणा

जम्मू (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने जम्मू कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। पिछले कुछ समय से बढ़ती आतंकी घटनाओं को लेकर शाह ने सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारियों के साथ बातचीत की और फीडबैक लिया।

गौरतलब है कि सोमवार को आतंकवादियों ने टीए के सेवानिवृत्त कर्मी की गोली मारकर हत्या कर दी थी जबकि परिवार के दो अन्य लोग घायल हो गए थे। अमित शाह ने मंगलवार को जम्मू कश्मीर में आतंकी निरोधी अभियानों को लेकर सेना, जम्मू कश्मीर पुलिस, सीआरपीएफ एवं अन्य बलों समेत सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारियों के साथ जम्मू कश्मीर के हालात पर चर्चा की। इससे पहले 19 दिसम्बर को हुई बैठक में उन्होंने निर्देश दिया था कि सभी सुरक्षाबल आपस में तालमेल और समन्वय कायम कर आतंकियों को ढेर करने के लिए अभियान चलाएं। पिछले कुछ समय से रियासी, डोडा, किश्तवाड़, कठुआ, जम्मू और राजौरी जिलों में आतंकी घटनाएं बढ़ी हैं जिसने सुरक्षा एजेंसियों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। इसी के मद्देनजर सुरक्षाबलों ने इन जिलों में तलाशी अभियान तेज कर दिया है ताकि आतंकवादियों का सफाया किया जा सके। गौरतलब है कि आगामी मार्च-अप्रैल में पंचायत चुनावों की घोषणा हो सकती है और दो विधानसभा क्षेत्रों में उपचुनाव भी होना है।

सूत्रों के मुताबिक जून में वार्षिक अमरनाथ यात्रा शुरू होने से पहले चुनाव आयोग की कोशिश है कि पंचायत चुनाव करवाए जाएं। पंचायत चुनावों को लेकर मतदाता सूचियों में संशोधन चल रहा है और अब अंतिम प्रकाशन किया जाएगा जिसमें नए युवा मतदाताओं को भी जोड़ा गया है। इसके चलते जम्मू कश्मीर के हालात को लेकर गृहमंत्री ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चर्चा की।

तेलंगाना और कर्नाटक में जातिगत सर्वेक्षणों से कांग्रेस का हुआ नुकसान?

-स्थानीय निकाय चुनावों में इसकी सिफारिशों को लागू करने की उठ रही मांग

भोपाल/रायपुर (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। देशभर में जातिगत जनगणना की मांग करते हुए राहुल गांधी ने तेलंगाना जातिगत सर्वेक्षण को एक प्रमुख उदाहरण बताया। सर्वेक्षण से पता चला कि राज्य की आबादी में पिछड़े वर्ग (बीसी) 46 फीसदी हैं, कांग्रेस को नुकसान पहुंचा सकती है, क्योंकि तेलंगाना में आगामी निकाय चुनावों में इसकी सिफारिशों को लागू करने की मांग उठ रही है। अगर उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया, तो पिछड़े वर्ग के नेताओं ने प्रदेश भर में बड़े पैमाने पर आंदोलन की धमकी दी है, जिससे सीएम रेवंत रेड्डी की कांग्रेस सरकार पर दबाव बढ़ गया है। सिर्फ तेलंगाना में ही नहीं, बल्कि कर्नाटक में भी कांग्रेस जातिगत सर्वेक्षण रिपोर्ट से जूझ रही है। 2018 में तैयार की गई रिपोर्ट को सार्वजनिक करने के मुद्दे पर कांग्रेस खुद बंटी नजर आ रही है।

तेलंगाना के सामाजिक, आर्थिक, शिक्षा, रोजगार, राजनीतिक और जाति सर्वेक्षण, जिसे जाति जनगणना कहा जाता है, पिछड़े वर्ग मुस्लिम पिछड़े वर्गों को छोड़कर, तेलंगाना की आबादी का 46.25 फीसदी हैं, जिससे वे राज्य में सबसे बड़ा सामाजिक समूह हैं। पिछड़ों के बाद, रिपोर्ट से पता चलता है कि अनुसूचित जाति (एससी) 17.43 फीसदी, अनुसूचित जनजाति (एसटी) 10.45 फीसदी और मुस्लिम पिछड़े वर्ग तेलंगाना की आबादी का 10.08 फीसदी हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी का नारा है जितनी आबादी, उतना हक। सर्वेक्षण के निष्कर्षों के साथ पिछड़े हिंदू और मुस्लिम मिलकर तेलंगाना की आबादी का लगभग 48 फीसदी हैं, अब आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में आरक्षण बढ़ाने की मांग के लिए उत्प्रेरक का काम कर रहे हैं। कांग्रेस द्वारा शभर में जाति जनगणना की मांग, जिसके सब ा बड़े समर्थक सांसद राहुल गांधी हैं, उन्होंने 202 के लोकसभा चुनाव में पार्टी के लिए अच्छा काम किया है।

तेलंगाना पिछड़ा वर्ग आयोग के पूर्व अध्यक्ष वकुलभरणम कृष्ण मोहन राव के साथ मिलकर तेलंगाना की कांग्रेस सरकार से आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में पिछड़ा वर्ग के लिए 42फीसदी आरक्षण लागू करने की मांग की है। उन्होंने अपनी मांग पूरी न होने पर बड़े पैमाने प आंदोलन की चेतावनी भी दी है। उन्होंने चेताव नी दी कि यदि पिछड़ा वर्ग को नौकरियों और वि यी निकायों में उनका उचित हिस्सा नहीं दिया गया तो वे विद्रोह कर सकते हैं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछड़ वर्ग निकायों ने आरोप लगाया है कि ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम क्षेत्र के कई घरों को सर्वेक्षण में शामिल नहीं किया गया है। पिछड़ा वर्ग समुदाय के नेताओं ने साथ-साथ के चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने भी सर्वेक्षण के निष्कर्षों को लागू करने की मांग की है। बीआरएस एमएलसी के कविता, जो के चंद्रशेखर राव की बेटी ने बताया कि तेलंगाना सरकार द्वारा आयोजित जाति जनगणना का परिणाम आया। सरकार ने घोषणा की है कि 46.3 फीसदी पिछड़े वर्ग हैं, साथ ही 10.2 फीसदी मुस्लिम पिछड़े वर्ग हैं इन सभी को मिलाकर 56.3 फीसदी है। हम कांग्रेस सरकार से मांग कर रहे हैं कि स्थानीय निकाय चुनावों से पहले, इस 56.3 फीसदी को आरक्षण दें, जो डेटा आपने दिया है।

तेलंगाना का यह कदम ऐसे समय में आया है जब रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि कर्नाटक का जाति सर्वेक्षण सात साल से धूल खा रहा है और कांग्रेस इसे सार्वजनिक करने पर बंटी हुई है। सूत्रों ने पहले बताया था कि कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और कुछ उच्च जाति के मंत्रियों ने कांग्रेस आलाकमान को 16 जनवरी को कैबिनेट

की बैठक में जाति सर्वेक्षण रिपोर्ट पेश करने से रोकने के लिए मजबूर किया था लेकिन कांग्रेस आलाकमान के हस्तक्षेप के बाद इसे रोक दिया गया था। अंतिम समय में यू-टर्न ने कर्नाटक जाति सर्वेक्षण पर कांग्रेस के भीतर आम सहमति की कमी को उजागर किया, जिसे राहुल गांधी ने बार-बार पूरे देश का एक्स-रे बताया है। अब, तेलंगाना में जाति सर्वेक्षण को लेकर विपक्ष के भड़कने और कर्नाटक में कांग्रेस पार्टी के विभाजित होने के कारण, पार्टी स्वयं को अपनी ही बनाई स्थिति में फंस गई है।